विषय-प्रवेश

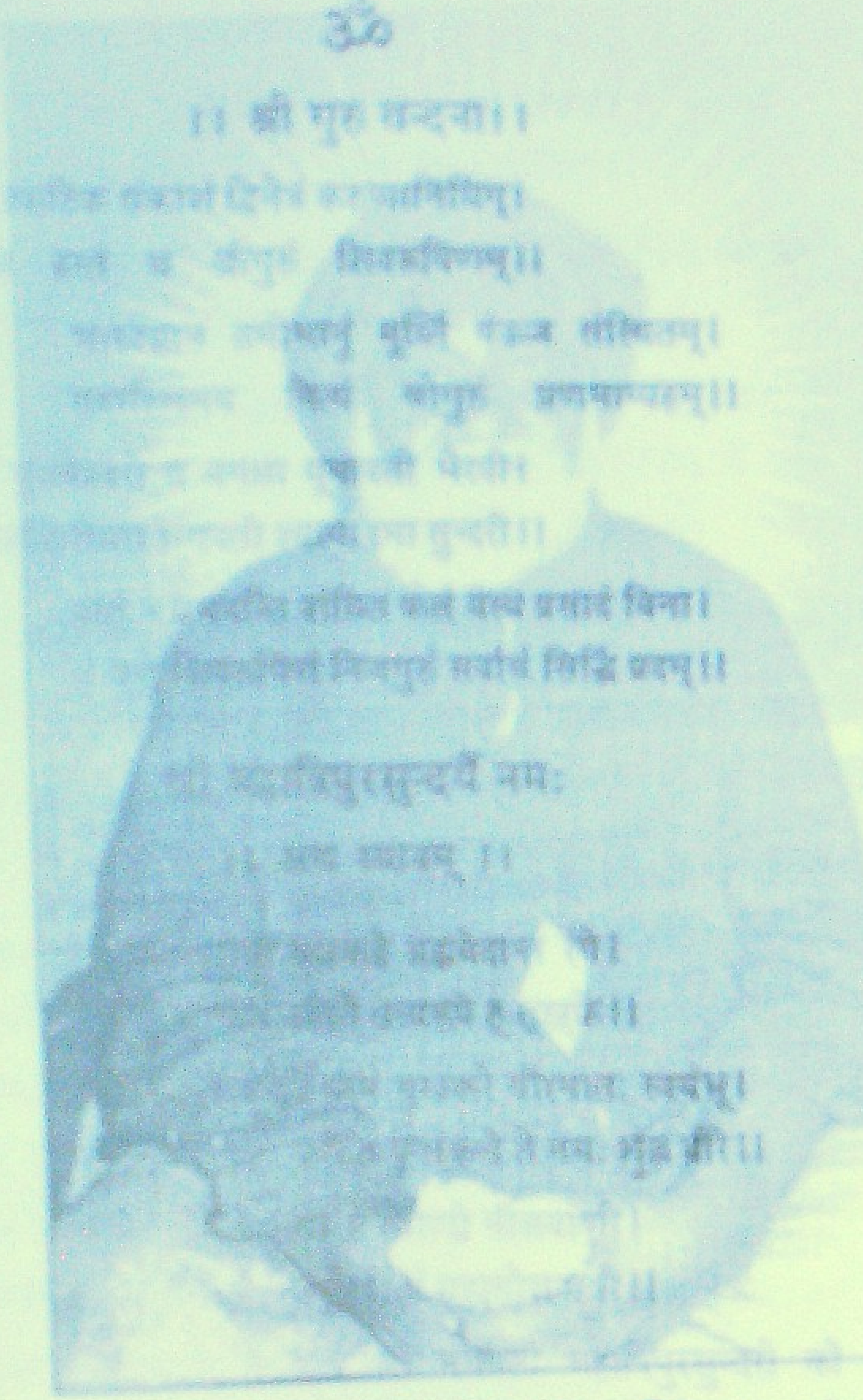

श्री पीताम्बरा पीठाधीश्वराः
परमपूज्य श्री स्वामी जी महाराज दतिया (म. प्र.)
(महानिर्वाण दिनांक ३-६-१९७९)

विधि' एवं 'सप्तविंशति रहस्य' नामक पुस्तकों में दी गई है जिसके फलस्वरूप दशों महाविद्या में से किसी भी महाविद्या के चरणारविन्द अनुरागी भक्त के हाथ में ज्यों ही यह तान्त्रिक पञ्चांग पहुँचता है उसके दैनिक उपयोग में लाने की अनिवार्यता एवं सार्थकता के साथ उसकी उपयोगिता भी साधक की समझ में सहज ही तुरन्त आ जाती है।

तांत्रिक पञ्चांग में तांत्रिक साधना का रहस्य

साधना के द्वारा साध्य सिद्धि प्राप्त करना प्रत्येक साधक का लक्ष्य है। साधकों के अधिकार भेद से साधना भिन्न-भिन्न रूप से शास्त्रनिर्दिष्ट होती है। ज्ञान योगी शुद्ध बुद्धि द्वारा ज्ञान की प्राप्ति करते हैं। राजयोगी चित्तवृत्ति निरोध से समाधि द्वारा अनेक अद्भुत सामर्थ्य प्राप्त करते हैं। हठयोगी प्राणायाम की समान गति में स्थिति द्वारा अनेक सिद्धि प्राप्त करते हैं और मन्त्रयोगी मन्त्राभ्यास से अपनी अभिलषित सिद्धि प्राप्त करते हैं। संसार में जितनी आध्यात्मिक साधनायें हैं वे सब इन्हीं चार प्रकारों में विभक्त हैं। यद्यपि प्रत्येक साधना में इन चारों प्रकारों का उपयोग होता है तथापि अधिकारी की योग्यता से एक की प्रधानता एवं अन्य का गौण रूप से उपयोग होता है। गौण प्रधान न्याय से चारों की पृथक्-पृथक् गणना की जाती है। ज्ञानयोग, राजयोग और हठयोग इस घोर कलियुग में सर्व साधारण व्यक्ति के लिए बिल्कुल असाध्य है। इसीलिये परम कृपालु भगवान श्री शंकर ने तन्त्रशास्त्र का उपदेश देकर कलिमलग्रस्त जीवों को इष्टदेव के स्वरूप की भक्ति के द्वारा श्रेय प्राप्ति का निश्चय किया है। तन्त्रशास्त्र, मन्त्रशास्त्र की साधना है। मन्त्र द्वारा उपास्यदेव के समस्त दिव्य गुण, क्रिया, स्वभाव का परिचय होता है। मन्त्राभ्यास से साधक में उक्त सभी गुण व्यक्त होते हैं। इष्ट के समस्त गुणों के व्यक्त होने पर साधक भी इष्टवत् हो जाता है तभी मन्त्र पूर्ण रूप से सिद्ध होता है। मन्त्र में प्राण-प्रतिष्ठादि प्रयोगों से मन्त्रसिद्ध देवता का आविर्भाव संकल्प सिद्धि से होता है, संकल्प सिद्धि मन्त्र चैतन्य होने पर ही होती है। वास्तव में संकल्प सिद्धि ही सिद्धि का द्वार है इसलिये प्रत्येक कर्म में संकल्प ही शुद्ध रीति से उपादेय होता है। संकल्प की शुद्ध रीति के ज्ञान के लिये 'तांत्रिक पञ्चांग' का आविर्भाव किया गया है।

संकल्प क्या है और क्यों करना चाहिए।

वैदिक शास्त्र के अनुसार संकल्प किये बिना कोई भी कर्म करना निष्फल है। इस सम्बन्ध में परशुराम कल्पसूत्र में इस प्रकार का उल्लेख है –

संकल्पेन विना कर्म यत्किंचित् कुरुते जनः।
फलं चाप्यल्पकं तस्य धर्मस्यार्धक्षयो भवेत्।।
संकल्पमूलकाभावः यज्ञाः संकल्प सम्भवाः।
व्रत नियम धर्माश्च सर्वेसंकल्पजाः स्मृता।।

(परशुराम कल्पसूत्र ४०५।४०६)

भावार्थ – उपर्युक्त श्लोकों का संक्षिप्त अर्थ है कि बिना संकल्प के सभी कर्म, पूजा, पाठ, स्नान, ध्यान, व्रत, मन्त्र, पुरश्चरण आदि निष्फल होते हैं।

श्री अनन्तश्री विभूषित स्वामी जी महाराज ने "सप्तविंशति रहस्य" नामक पुस्तक में तांत्रिक पञ्चांग के संदर्भ में तांत्रिक संकल्प के सम्बन्ध में पृष्ठ संख्या ८९ में इस प्रकार उल्लेख किया है –

यामल में लिखा है –

अवश्य तांत्रिक कालं, उल्लिखेदन्यथा शिवे।
बहिर्मुख तु तत्कर्म, भवेद् भस्म हुतं तथा।।

अर्थात् तांत्रिक काल का उल्लेख किये बिना जो साधना की जाती है वह व्यर्थ होती है। तांत्रिक काल का ज्ञान तांत्रिक पञ्चांग द्वारा प्राप्त होता है।

श्री पीताम्बरा पीठाधीश्वराः
परमपूज्य श्री स्वामी जी महाराज दतिया (म. प्र.)
(महानिर्वाण दिनांक ३-६-१९७९)

ॐ

खं सदाशिव तत्त्व तृतीय वर्षे

कार्तिक कृष्ण ४ संवत् २०६८ शकः १९३३ तदनुसार १६ अक्टूबर सन् २०११
से
वैशाख शुक्ल ३ संवत् २०७० शकः १९३५ तदनुसार १३ मई सन् २०१३ पर्यन्त

तांत्रिक पञ्चांगम्

मूल्य : १५/- रुपये मात्र

卐

– प्रकाशक –
श्री पीताम्बरा पीठ
दतिया (म.प्र.)

ॐ विषय-प्रवेश ॐ

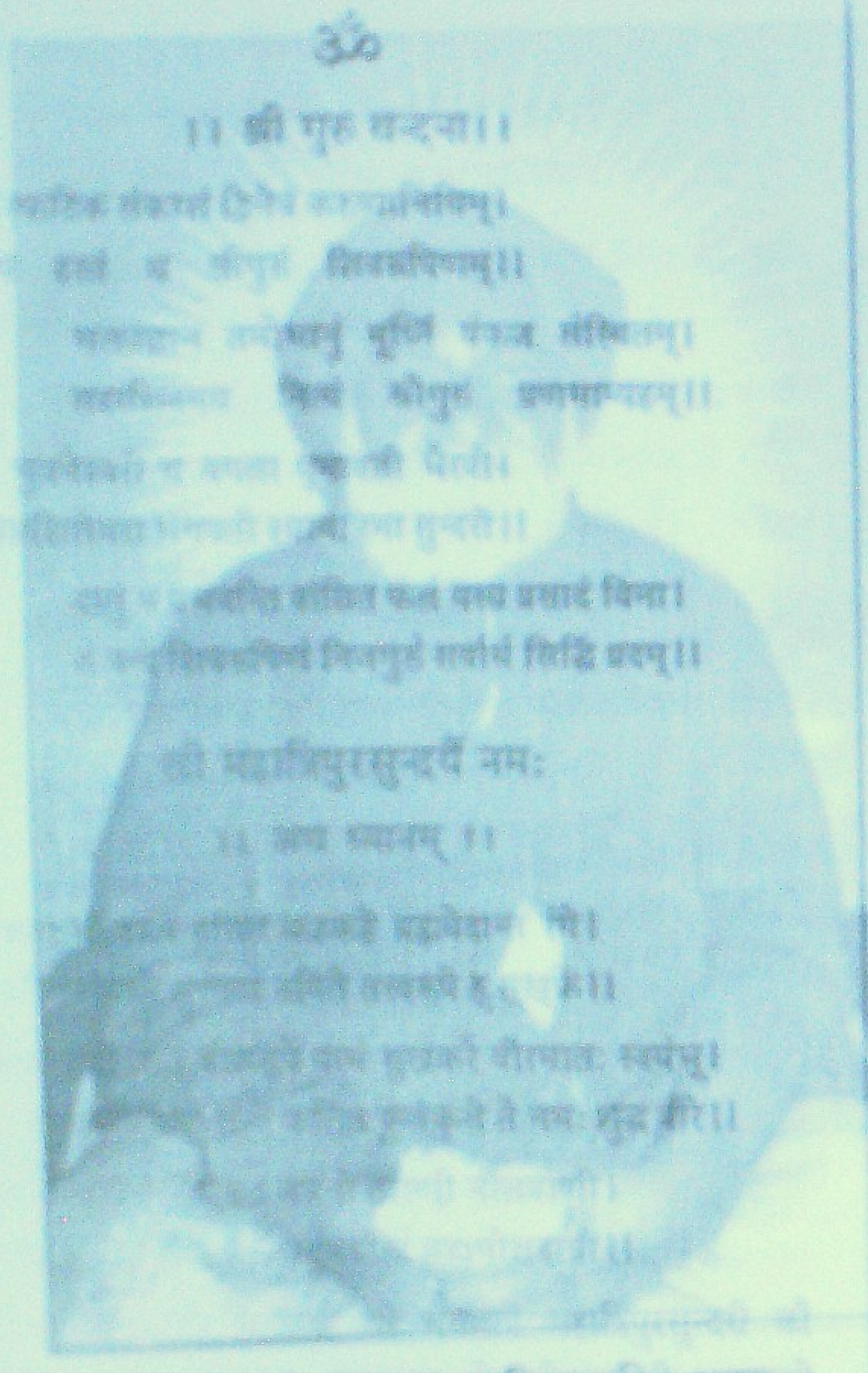

श्री पीताम्बरा पीठाधीश्वराः

परमपूज्य श्री स्वामी जी महाराज दतिया (म. प्र.)

(महानिर्वाण दिनांक ३-६-१९७९)

विधि' एवं 'सप्तविंशति रहस्य' नामक पुस्तकों में दी गई है जिसके फलस्वरूप दशों महाविद्या में से किसी भी महाविद्या के चरणारविन्द अनुरागी भक्त के हाथ में ज्यों ही यह तान्त्रिक पञ्चांग पहुँचता है उसके दैनिक उपयोग में लाने की अनिवार्यता एवं सार्थकता के साथ उसकी उपयोगिता भी साधक की समझ में सहज ही तुरन्त आ जाती है।

तांत्रिक पञ्चांग में तांत्रिक साधना का रहस्य

साधना के द्वारा साध्य सिद्धि प्राप्त करना प्रत्येक साधक का लक्ष्य है। साधकों के अधिकार भेद से साधना भिन्न-भिन्न रूप से शास्त्रनिर्दिष्ट होती है। ज्ञान योगी शुद्ध बुद्धि द्वारा ज्ञान की प्राप्ति करते हैं। राजयोगी चित्तवृत्ति निरोध से समाधि द्वारा अनेक अद्भुत सामर्थ्य प्राप्त करते हैं। हठयोगी प्राणायाम की समान गति में स्थिति द्वारा अनेक सिद्धि प्राप्त करते हैं और मन्त्रयोगी मन्त्राभ्यास से अपनी अभिलषित सिद्धि प्राप्त करते हैं। संसार में जितनी आध्यात्मिक साधनायें हैं वे सब इन्हीं चार प्रकारों में विभक्त हैं। यद्यपि प्रत्येक साधना में इन चारों प्रकारों का उपयोग होता है तथापि अधिकारी की योग्यता से एक की प्रधानता एवं अन्य का गौण रूप से उपयोग होता है। गौण प्रधान न्याय से चारों की पृथक्-पृथक् गणना की जाती है। ज्ञानयोग, राजयोग और हठयोग इस घोर कलियुग में सर्व साधारण व्यक्ति के लिए बिल्कुल असाध्य है। इसीलिये परम कृपालु भगवान श्री शंकर ने तन्त्रशास्त्र का उपदेश देकर कलिमलग्रस्त जीवों को इष्टदेव के स्वरूप की भक्ति के द्वारा श्रेय प्राप्ति का निश्चय किया है। तन्त्रशास्त्र, मन्त्रशास्त्र की साधना है। मन्त्र द्वारा उपास्यदेव के समस्त दिव्य गुण, क्रिया, स्वभाव का परिचय होता है। मन्त्राभ्यास से साधक में उक्त सभी गुण व्यक्त होते हैं। इष्ट के समस्त गुणों के व्यक्त होने पर साधक भी इष्टवत् हो जाता है तभी मन्त्र पूर्ण रूप से सिद्ध होता है। मन्त्र में प्राण-प्रतिष्ठादि प्रयोगों से मन्त्रसिद्ध देवता का आविर्भाव संकल्प सिद्धि से होता है, संकल्प सिद्धि मन्त्र चैतन्य होने पर ही होती है। वास्तव में संकल्प सिद्धि ही सिद्धि का द्वार है इसलिये प्रत्येक कर्म में संकल्प ही शुद्ध रीति से उपादेय होता है। संकल्प की शुद्ध रीति के ज्ञान के लिये 'तांत्रिक पञ्चांग' का आविर्भाव किया गया है।

संकल्प क्या है और क्यों करना चाहिए।

वैदिक शास्त्र के अनुसार संकल्प किये बिना कोई भी कर्म करना निष्फल है। इस सम्बन्ध में परशुराम कल्पसूत्र में इस प्रकार का उल्लेख है –

संकल्पेन विना कर्म यत्किंचित् कुरुते जनः।
फलं चाप्यल्पकं तस्य धर्मस्यार्धक्षयो भवेत्।।
संकल्पमूलकाभावः यज्ञाः संकल्प सम्भवाः।
व्रत नियम धर्माश्च सर्वेसंकल्पजाः स्मृता।।

(परशुराम कल्पसूत्र ४०५।४०६)

भावार्थ – उपर्युक्त श्लोकों का संक्षिप्त अर्थ है कि बिना संकल्प के सभी कर्म, पूजा, पाठ, स्नान, ध्यान, व्रत, मन्त्र, पुरश्चरण आदि निष्फल होते हैं।

श्री अनन्तश्री विभूषित स्वामी जी महाराज ने "सप्तविंशति रहस्य" नामक पुस्तक में तांत्रिक पञ्चांग के संदर्भ में तांत्रिक संकल्प के सम्बन्ध में पृष्ठ संख्या ८९ में इस प्रकार उल्लेख किया है –

यामल में लिखा है –

अवश्य तांत्रिक कालं, उल्लिखेदन्यथा शिवे।
बहिर्मुख तु तत्कर्म, भवेद् भस्म हुतं तथा।।

अर्थात् तांत्रिक काल का उल्लेख किये बिना जो साधना की जाती है वह व्यर्थ होती है। तांत्रिक काल का ज्ञान तांत्रिक पञ्चांग द्वारा प्राप्त होता है।

ॐ

।। श्री गुरु वन्दना ।।

ॐ शुद्ध स्फटिक संकाशं द्विनेत्रं करुणानिधिम्।
वराभय हस्तं च श्रीगुरुं शिवरूपिणम्।।

भवत्राण तमोभानुं भूमि पंकज संस्थितम्।
सदाशिवमय नित्यं श्रीगुरुं प्रणमाम्यहम्।।

मातंगी भुवनेश्वरी च बगला धूमावती भैरवी।
तारा छिन्नशिरोधरा भगवती श्यामा रमा सुन्दरी।।

दातुं न प्रभवन्ति वांछित फलं यस्य प्रसादं विना।
तं वन्दे शिवरूपिणं निजगुरुं सर्वार्थ सिद्धि प्रदम्।।

श्री महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः

।। अथ ध्यानम् ।।

ह्रां ह्रीं क्लीं बीजरूपे हसित कहकहे ब्रह्मवेदान्त रूपे।
ब्लूं सः क्रौं वर्णमाले सुरगण नमिते तत्त्वरूपे ह्रूं सुखाद्ये।।

ह्स्रां ह्स्रीं ह्स्रौं बीजरूपे परमं सुखकरी वीतरागा: स्वयंभू।
ऐं ह्रूं ह्रूं बीज तत्त्वे कलित कुलकुले ते नमः शुद्ध बीरे।।

बाला त्वं भैरवी त्वं त्रिभुवन जननी तारणी नीलवाणी।
त्वं गौरी त्वं च काली सकल मनुमयीत्वं महामोक्षदात्री।।

अनन्त ब्रह्माण्ड नायिका श्री भगवती महात्रिपुरसुन्दरी की कृपा एवं परमपूज्य सद्गुरु, पीताम्बरा पीठाधीश्वर श्री अनन्तश्री विभूषित श्रीस्वामी जी महाराज की प्रेरणा से तान्त्रिक पञ्चांग का यह तेरहवाँ (१३) प्रकाशन है।

इस तान्त्रिक पञ्चांग के विषय में विशेष जानकारी पूज्यपाद श्री अनन्तश्री स्वामी जी महाराज द्वारा प्रणीत 'तोडल तंत्र', पारायण [illegible]

विषय-प्रवेश

[illegible] ... तान्त्रिक ... संकलन ... पञ्चांग ... [illegible]

पञ्चांग के प्रकार

[illegible]

१४ तिथि, १५. तिथिनित्या और १६. वार, घटी, नक्षत्र, योग, करण – इन षोडश अङ्गों से षोडशांग पंचाङ्ग की योजना होती है।

सोलहवें अङ्ग में पांच चीजें हैं – १. वार, २. घटी, ३. नक्षत्र, ४. योग और ५. करण। वार और तथा घटी पांच हैं जिन्हें क्रमशः अ, स, क, च, ट, त, प, य, श (वार) और अ, इ, उ, ए, ओ (घटी) कहते हैं। इन्हें पंचांग में यथाक्रम लिखा दिया गया है।

दिन का क्रम – शुक्र, शनि, रवि, चन्द्र भूमि-सुत, बुध और गुरु हैं। नक्षत्र के २८ अक्षर हैं। योग संख्या भी नक्षत्र के ही समान है।

[illegible]

प्रपञ्चसार में भी लिखा है –

कालात्मकस्य देवस्य राशोर्वीक्षित्वजानता।
कृतं समस्त कार्यं अनेन ज्ञान वाचिना॥

अर्थात् कालरूपी देवता की राशि आदि जाने बिना जो कर्म किया जाता है वह निष्फल होता है।

इस प्रकार किस किस काल विभाग में किस दिग्विभाग में किस देवता का निवास है इसका ज्ञान होना आवश्यक है और इसी कारण से ही तांत्रिक पञ्चांग का विशेष महत्त्व है।

संकल्प लक्षण

विधान्वान देश कालोल्लेखन पूर्वक फलोल्लेखन सहित कर्मानुष्ठान विषयणी प्रतिज्ञा संकल्पः।

भावार्थ – देश काल का उच्चारण कर जिस उद्देश्य के निमित्त कर्म करना हो उसकी प्रतिज्ञा को संकल्प कहते हैं। इसी संकल्प को जानने के लिए तांत्रिक साधना में तांत्रिक पञ्चांग की अत्यन्त आवश्यकता है। इसकी सहायता से तांत्रिक संकल्प का प्रयोग सहज ही किया जा सकता है। ज्योतिष के साधारण पञ्चांगों में केवल तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण और ग्रहों की स्थिति का ही ज्ञान होता है, किन्तु तांत्रिक पञ्चांग से प्रत्येक काल में निवास करनेवाले देवता का परिचय मिलता है और जिस प्रकार ग्रहों का प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है उसी प्रकार देवताओं का प्रभाव साधना करनेवाले व्यक्तियों पर पड़ता है।

यही कारण है कि शाक्तमत अनुयायी साधक इस पंचांग द्वारा अपने साधना एवं भजन सम्बन्धी संकल्पों में इसका सदैव प्रयोग करने लग गये हैं जिससे इस तांत्रिक पञ्चांग की लोक-प्रियता बढ़ती चली जा रही है। अतः उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए गत कई वर्षों से श्री महाविद्या के श्री क्रम के अतिरिक्त श्रीकाली के क्रम के अनुसार भी पूजा एवं सन्ध्या पारायण के संकल्प भी प्रकाशित करना आरम्भ कर दिया है। महाविद्या श्रीकाली की नित्याओं के मन्त्र एवं ध्यान भी अलग दे दिये गये हैं।

पंचांग के प्रकार

१) चतुरङ्ग, २) पंचाङ्ग, ३) अष्टाङ्ग, ४) द्वादशाङ्ग और ५) षोडशाङ्ग नाम से तांत्रिक पंचाङ्ग पांच प्रकार का माना गया है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

(१) **चतुरङ्ग** – तार-त्रय (ऐं ह्रीं श्रीं) १. मूल विद्या २. वर्ष, ३.मास, ४. दिनोदय के वर्णों को जोड़कर पढ़ना होता है।

(२) **पंचाङ्ग** – १. मूल, २. दिन, ३. वार, ४. पक्ष और ५.मास के छत्तीस वर्णों को जोड़कर पढ़ना होता है।

(३) **अष्टाङ्ग** – १ वार, २. घटिका, ३. दिन, ४. नित्या, ५.वर्ष, ६. मास, ७. यम, ८. परिवृत्ति, इनके वर्णों के साथ अष्टांग होता है।

विद्या महाविद्या और शुक्रादि वारों को यद्यपि गणना में स्थान नहीं है तथापि मन्त्र-पारायण में इनकी गणना होती है। इसलिये पंचाङ्ग में इन्हें भी स्थान दिया गया है।

(४) **द्वादशाङ्ग** – १. वार, २. घटी, ३. युग, ४. मास, ५. पक्ष के वर्ण, ६. तिथि के वर्ण, ७. नित्या, ८. परिवृत्ति, ९. महायुग, १०.पूर्ण, ११. शवल, १२. महापरिवृत्ति इन द्वादश योगों से द्वादशांग की योजना होती है।

(५) **षोडशाङ्ग का क्रम** – १. पूर्ण, २. सत्य, ३. शवलं, ४.खर्व, ५. राम, ६. महापरिवृत्ति, ७. परिवृत्ति, ८. महायुग, ९. युग, १०. वर्ष, ११. मास, १२. लघुमास, १३. पक्ष, १४ दिन, १५. तिथिनित्या और १६. वार, घटी, नक्षत्र, योग, करण – इन षोडश अङ्गों से षोडशांग पंचाङ्ग की योजना होती है।

सोलहवें अङ्ग में पांच चीजें हैं – १. वार, २. घटी, ३. नक्षत्र, ४. योग और ५. करण। नाथ नौ तथा घटी पांच हैं जिन्हें क्रमशः अ, लृ, क, च, ट, त, प, य, श (वार) और अ, ए, च, त, य (घटी) कहते हैं। इन्हें पंचांग में यथाक्रम लिख दिया गया है।

दिन का क्रम – शुक्र, शनि, रवि, चन्द्र भूमि-सुत, बुध और गुरु हैं। नक्षत्र के ३६ अक्षर हैं। योग संख्या भी नक्षत्र के ही समान है।

नक्षत्र का वर्ण-क्रम – लृकार से आरम्भ होकर लकार पर्यन्त होता है।

योग का वर्ण-क्रम – अकार से आरम्भ होकर नकार पर्यन्त होता है। करण ऋकार से आरंभ होकर ख पर्यन्त बारह लिये गये हैं। जिनकी एक मास में तीन आवृत्तियां होती हैं। वर्षारम्भ के क्रम से दो दो मास की षट् ऋतुएँ वसन्तादि के हिसाब से होती हैं, जिन्हें श्रीकरी, मोहिनी, विमला हरिणी, भ्रामरी, गौरी, लक्ष्मी कहते हैं। कामेश्वरी से आरम्भ करके चित्रा-पर्यन्त दक्षिणायन और चित्रा से कामेश्वरी पर्यन्त उत्तरायण कहा जाता है।

षोडशांग में कुछ बातें संकेत रूप में कही गई हैं। जैसे पूर्ण अकार, सत्यं खकार, शवलं हकार, खर्वं ह स क्ष फ्रें राम क्लीं महापरिवृत्ति स ह् क्ष फ्रें, महायुगे (०) युग खकार, लघु मास।

लघुमास की तिथि के अक्षरों का क्रम अकार से क्षकार पर्यन्त है। दोनों पक्षों की पंचमी, दशमी, पूर्णमासी तथा अमावस्या के दिन दो दो अक्षर हैं जिन्हें पंचाङ्ग में लिख दिया गया है।

पक्ष के अनुसार तिथि के अक्षरों का क्रम भी "अ" से आरम्भ होकर 'क्ष' पर्यन्त है। पंचमी, दशमी तथा पूर्णमासी के दिन चार-चार अक्षर है, शेष में दो-दो अक्षर है जिन्हें पंचांग में लिख दिया गया है।

विशेष –

पंचाङ्ग के निम्नलिखित नियम और है।

(१) अहर्गण की संख्या में ३६ का भाग देने से जो शेष बचे, क्रम से वही नक्षत्र होता है।

(२) अहर्गण की संख्या में ३६ का भाग देने से जो शेष बचे, क्रम से वही योग आता है।

प्रस्तुत पञ्चांग में लघुमास, पक्ष के अनुसार तिथि के अक्षर, दिनतत्व, तिथिनित्या, नक्षत्र, योग और करण के सभी अक्षर अनुस्वार-सहित है।

(३) अहर्गण की संख्या में १२ का भाग देने से करण आते है।

(४) तिथि के वर्ण शुक्ल-पक्ष की प्रतिपदा से आरम्भ होते है। ये वर्ण कुल ३६ है।

(५) लघुमास तथा पक्ष का आरम्भ शुक्ल-पक्ष प्रतिपदा से होता है।

(६) वही लृं के लिए (लृं) पढ़े।

पंचाङ्ग देखने का क्रम

अहर्गण, तिथि, तिथि-मान, दिन-मान, लघुमास के अनुसार तिथि के अक्षर, दिन-तत्व, तिथि-नित्या, नाथ, उदय घटी, नक्षत्र, योग, करण, विद्या, महाविद्या, वार, तारीख, संक्रान्ति के अंश एवं पर्व दिन।

श्री श्री महा विद्याक्रम के अनुसार तांत्रिक सन्ध्या, पारायण, जप एवं पूजा का संकल्प

नये वर्ष में प्रथम दिन कार्तिक कृष्ण पक्ष ४ संवत् २०६८ शक: १९३३ तदनुसार तारीख १६ अक्टूबर सन् २०११ दिन रविवार का संकल्प निम्नानुसार होगा।

सन्ध्या का संकल्प

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्खफ्रें खर्वे क्लीं रामे स्हख्फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोनविंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्वं तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं अं पक्षे अं दिनतत्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुरसुन्दरी प्रीत्यर्थे (प्रातः, मध्याह, सायं अथवा तुरीय) सन्ध्या करिष्ये।

पारायण का संकल्प

आदि गुरौः परशिवस्याज्ञया प्रवर्तमानेन देवीमानेन षट्त्रिंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि-संहार तिरोधानानुग्रह कारिण्याः श्रीपराशक्त्या ऊर्ध्वम् विप्रमे ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्खफ्रें खर्वे क्लीं रामे स ह ख फ्रें महापरिवृत्तौ शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोनविंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्वे तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं अं पक्षे अं दिन तत्त्वे औं तिथि नित्यायाम् अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्याया रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललिता महात्रिपुरसुन्दरी प्रीत्यर्थे अमुक पारायणं (जप अथवा पाठ) करिष्ये।

श्री काली क्रम के अनुसार सन्ध्या, पारायण, जप एवं पूजा का संकल्प निम्न प्रकार से होगा।

१. सन्ध्या का संकल्प

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्खफ्रें खर्वे क्लीं रामे स्हख्फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोनविंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्व तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं अं पक्षे अं दिनतत्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुर सुंदरी प्रीत्यर्थे (प्रातः, मध्याह, सायं अथवा तुरीय) सन्ध्या करिष्ये।

२. पारायण का संकल्प

आदि गुरौः परशिवस्याज्ञया प्रवर्तमानेन देवीमानेन षट्त्रिंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि-संहार-तिरोधानानुग्रह कारिण्याः श्री पराशक्त्या ऊर्ध्वम् विप्रमे ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्खफ्रें खर्वे क्लीं रामे स ह ख फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोनविंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्व तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं अं पक्षे अं दिन तत्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुर सुंदरी प्रीत्यर्थे अमुक पारायणं (जप अथवा पाठ) करिष्ये।

३. काली क्रम में ९ नाथ

अ, लु, क, च, ट, त, प, य, एवं श के नवनाथ क्रमशः इस प्रकार है –

१. (अ) प्रह्लादानन्दनाथ, २. (लु) सकलानन्दनाथ,

३.(क) कुमारानन्दनाथ, ४.(च) क्रोधानन्दनाथ, ५.(ट) क्रोधानन्दनाथ, ६.(त) सुगानन्दनाथ, ७.(प) ध्यानानन्दनाथ, ८.(य) बोधानन्दनाथ, ९.(श) शुकानन्दनाथ।

४. काली क्रम के अनुसार १६ नित्याओं

(अं आं इं ईं उं ऊं ऋं ॠं लृं लॄं एं ऐं ओं औं अं अः) के नाम इस प्रकार पढ़े जायेंगे –

१. काली, २. कपालिनी, ३. कुल्ला, ४. कुरुकुल्ला, ५. विरोधिनी, ६. विप्रचित्ता, ७. उग्रा, ८. उग्रप्रभा, ९. दीप्ता, १०. नीला, ११. घना, १२. बलाका, १३. मात्रा, १४. मुद्रा, १५. मिता, १६. असिता। पंचांग में कामेश्वरी, भगमालिनी आदि महीनों के स्थान पर काली क्रम के अनुसार उपर्युक्त महीनों के नाम संकल्प में जोड़ना चाहिये।

५) दोनों क्रमों (श्री एवं काली) में षोडश मासों के नाम चन्द्रकलाओं के नाम से इस प्रकार होंगे – १. अमृता, २. मानदा, ३.पूषा, ४. तुष्टि, ५. पुष्टि, ६. रति, ७. धृति, ८. शशिनी, ९. चन्द्रिका, १०. कान्ति, ११. ज्योत्स्ना, १२. श्री, १३. प्रीति, १४. अंगदा, १५.पूर्णा, १६. पूर्णामृता।

इसके अतिरिक्त इन्हीं षोडश मासों के नाम सदाशिव कलाओं के नाम से इस प्रकार हैं –

१. निवृत्तकला, २. प्रतिष्ठाकला, ३. विद्याकला, ४. शांति-कला, ५. इन्धिकाकला, ६. दीपिकाकला, ७. रेचिकाकला, ८. मोचिकाकला, ९. पराकला, १०. सूक्ष्माकला, ११. सूक्ष्मामृता-कला, १२. ज्ञानाकला, १३. ज्ञानामृताकला, १४. आप्यायिनी-कला, १५. व्यापिनीकला, १६. व्योमरूपाकला।

६) 'तत्व' दोनों (श्री एवं काली) क्रमों के एक से ही हैं। ३६ तत्व ही ३६ दिन हैं, जो इस प्रकार हैं –

संख्या	संज्ञा	नाम	संख्या	संज्ञा	नाम
१	अ	शिव	१९	द	चक्षु
२	क	शक्ति	२०	ध	जिह्वा
३	ख	सदाशिव	२१	न	घ्राण
४	ग	ईश्वर	२२	प	वाक्
५	घ	शुद्ध विद्या	२३	फ	पाणि
६	ङ	माया	२४	ब	पाद
७	च	कला	२५	भ	पायु
८	छ	विद्या	२६	म	उपस्थ
९	ज	राग	२७	य	शब्द
१०	झ	काल	२८	र	स्पर्श
११	ञ	नियति	२९	ल	रूप
१२	ट	पुरुष	३०	व	रस
१३	ठ	प्रकृति	३१	श	गन्ध
१४	ड	अहङ्कार	३२	ष	आकाश
१५	ढ	बुद्धि	३३	स	वायु
१६	ण	मन	३४	ह	तेज
१७	त	श्रोत्र	३५	ळ	सलिल
१८	थ	त्वग्	३६	क्ष	भूमि

काली की नित्यायें

(मन्त्र एवं ध्यान सहित)

१. काली नित्या

मन्त्र – ॐ ह्रीं कालि कालि महाकाली कौमारि मह्यं देहि स्वाहा।

ध्यान – श्याम वर्णा महा-भीमा घोर-रावा करालिनी।
मुण्ड माला विभूषाढ्या दक्षे खड्गे प्रबिभ्रति।
तर्जनी धारयन् वामे नृत्यन्ती प्रेत-भूमिषु।।

२. कपालिनी

मन्त्र – ॐ ह्रीं क्रीं कपालिनी महाकपाल-प्रिय-मानसे कराल सिद्ध मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – ध्यायेदञ्जन-पुञ्जाभामापीन-स्तन-युग्माकाम्।
चन्द्र-वक्त्र च बिम्बौष्ठो मुक्त-केशी दिगम्बराम्।।
चतुर्मुण्डोपरि-गता शंख कंकण भूषिताम्।
खड्ग त्रिशूल-वरदाभयान् हस्त-चतुष्टये।।

३. कुल्ला

मन्त्र – ॐ क्रीं कुल्लायै नमः।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां मुकुटा टोप-मण्डिताम्।
शवासन-गतां कुल्लां दश-मुण्डोपरि स्थिताम्।।
वराभयौ करे वामे पुस्त-स्रग् दक्षिणे करे।

४. कुरुकुल्ला

मन्त्र – ॐ क्रीं कुरुकुल्ले क्रीं ह्रीं मम सर्व जन वशमानय क्रीं कुरुकुल्ले ह्रीं स्वाहा।

ध्यान – [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

५. विरोधिनी

मन्त्र – ॐ क्रीं [illegible]
[illegible]

ध्यान – चतुर्भुजां [illegible]
[illegible]
[illegible]

६. विप्रचित्ता

मन्त्र – ॐ श्रीं क्लीं [illegible]
[illegible] सिद्धिं मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजाम् त्रिनयनाम् [illegible]
[illegible] मुक्त-केशीं [illegible]
[illegible]
खड्ग-मुण्ड-कपाल-त्रिशूल-हस्तां महोदरीम्॥

७. उग्रा

मन्त्र – ॐ श्रीं हूं ह्रीं हूं फट्।

ध्यान – [illegible] परामुग्रां प्रत्यालीढ-पद-स्थिताम्।
चतुर्भुजां त्रिनयनां मुण्डमाला-विभूषिताम्॥
श्याम-वर्णा मुक्त-केशी खड्गेन्दीवर धारिणीम्।
कपाल - कर्तृकाहस्तां वरदान - परायणाम्॥

८. उग्रप्रभा

मन्त्र – ॐ हूं हूं [illegible] देहि काली-महादेवी [illegible] हूं
फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां – [illegible] – स्थिताम्।
[illegible]
[illegible]
[illegible]

९. दीप्ता

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं [illegible] हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां मुण्ड-माला-विभूषिताम्।
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१०. नीला

मन्त्र – हूं हूं [illegible] हूं फट्।

ध्यान – [illegible] मुण्ड-माला-विभूषिताम्।
[illegible]
[illegible]
[illegible] सर्व सिद्धि प्रदायिनीम्॥

११. घना

मन्त्र – ॐ क्लीं ॐ घनालये हूं फट्।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां कृष्ण वर्णा च भीषणाम्।
सदा कर्तित-वाहूनां बिभ्रति क्षुद्र घंटिकाम्॥
हस्तेषु खेटकं खड्ग पाशं मुद्गरं तथा।
धारयन्ती घनां ध्यायेत् रक्ताप्लावितधराम्॥

१२. बलाका

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं ह्रीं बलाकाकालि [illegible] अभीष्ट
सिद्धिं मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१३. मात्रा

मन्त्र – ॐ क्रीं ह्रीं ऐं [illegible] सिद्धिं मे देहि [illegible] हूं
फट् स्वाहा।

ध्यान – [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१४. मुद्रा

मन्त्र – ॐ क्रीं ह्रीं हूं [illegible] मुद्रा सिद्धिं मे देहि मे
[illegible] हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – [illegible] मुण्ड-माला-विभूषिताम्।
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१५. मिता

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं ह्रीं ऐं परिमिते पराक्रमाय ॐ क्रीं हूं ह्रीं ऐं
सोऽहं हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – घोरां त्रिकोणं-केशां च ध्यायेत्रिनयां स्मितशुभ्रां।
कृष्ण-वर्णां रक्त-वक्त्रां श्मशानीनां भयानकाम्।।
मुण्डमालां धरां दिव्यां धारयन्ती चतुर्भुजैः।
चन्द्रहासां मस्तके च वरं चैवाभयं तथा।।

इस प्रकार काली एवं श्री क्रमों के साधकों को सम्प्रदायानुसार पंचांग का उपयोग वांछित फल देता है।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज ने प्रति मास में कम से कम पांच बार अवश्य ही श्री चक्रार्चन करने के लिए निर्देश दिए थे।

आवश्यक सूचना (१)

शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की दोनों अष्टमी, अमावस्या पूर्णमासी एवं संक्रांति के पर्व में पूजा करने के लिए इस पंचांग में यथास्थान "पूजा" शब्द लिखकर संकेत कर दिया गया है। अतः साधकों से अपेक्षित अनुरोध है कि जो साधक प्रतिदिन तांत्रिक सन्ध्या, पारायण या पर्वों पर यन्त्र पूजन, अर्चन आदि इस तांत्रिक पंचांग की सहायता से करते हों उन्हें चाहिये कि जिस स्थान पर स्वयं हों उस स्थान के प्रचलित पंचांग की सहायता से तिथि का शोधन कर संकल्प में लगाकर बोलने का कष्ट करें।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज दतिया की कृपा एवं प्रेरणा से यह पंचांग साधना के उपयोग में लाने के लिये लिखा गया है। इसमें भूल या असावधानीवश कोई त्रुटि रही हो तो इसमें हमारा दोष समझकर पाठकगण कृपापूर्वक क्षमा करेंगे एवं त्रुटि के बारे में हमें लिखेंगे तो भविष्य में उसे भी सुधारने का प्रयत्न किया जायेगा।

– प्रार्थना –

महादेवि महेशानि महाशिवे महाप्रिये।
महानित्ये महासिद्धे त्वामहं शरणं व्रजे।।
तिष्ठ मे हृदये नित्यं त्रिपुरे परमेश्वरि।
जगदम्ब महाराज्ञि महाशक्ति शिवप्रिये।।

श्री गुरुपादारविन्दरज अनुरागी
हरिराम सावला-न्यासी
एवं
डॉ. मोतीलाल खड्डरशास्त्री (मास्टरजी)

श्री अनन्त श्री पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा विरचित यह तांत्रिक पञ्चांग हमारे देश में अपने ढङ्ग का विलक्षण और एकमात्र पंचांग है, लंदन के सुप्रसिद्ध प्रकाशक राइडर एण्ड कम्पनी द्वारा प्रकाशित "THE TANTRIC TRADITION" के Bibliographical Section के पृष्ठ ३११ पर इस अद्वितीय पञ्चांग के सम्बन्ध में इस प्रकार उल्लेख किया गया है।

"LALITA Swami Tantrika panchanga five limbs of tantric worship a short treatise well known both in Bengal and the South" CH. SS. 002/63

ध्यान – धीयां विकीर्ण-केशां च ध्वांक्षेक्रियां चितांशुभां।
कृष्ण-वर्णां रक्त-वस्त्रां शवारूढां भयानकाम्।।
मुण्डमालां धरां दिव्यां धारयन्ती चतुर्भुजैः।
चन्द्रहासं मस्तकं च वरं चैवाभयं तथा।।

इस प्रकार काली एवं श्री क्रमों के साधकों को सम्प्रदायानुसार पंचांग का उपयोग वांछित फल देता है।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज ने प्रति मास में कम से कम पांच बार अवश्य ही श्री चक्रार्चन करने के लिए निर्देश दिए थे।

आवश्यक सूचना (१)

शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की दोनों अष्टमी, अमावस्या पूर्णमासी एवं संक्रांति के पर्व में पूजा करने के लिए इस पंचांग में यथास्थान "पूजा" शब्द लिखकर संकेत कर दिया गया है। अतः साधकों से सविनय अनुरोध है कि जो साधक प्रतिदिन तांत्रिक सन्ध्या, पारायण या पर्वों पर चक्र पूजन, अर्चन आदि इस तांत्रिक पंचांग की सहायता से करते हों उन्हें चाहिये कि जिस स्थान पर स्वयं हों उस स्थान के प्रचलित पंचांग की सहायता से तिथि का शोधन कर संकल्प में लगाकर बोलने का कष्ट करें।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज दतिया की कृपा एवं प्रेरणा से यह पंचांग साधना के उपयोग में लाने के लिये लिखा गया है। इसमें भूल या असावधानीवश कोई त्रुटि रही हो तो इसमें हमारा दोष समझकर पाठकगण कृपापूर्वक क्षमा करेंगे एवं त्रुटि के बारे में हमें लिखेंगे तो भविष्य में उसे भी सुधारने का प्रयत्न किया जायेगा।

– प्रार्थना –

महादेवि महेशानि महाशिवे महाप्रिये।
महानित्ये महासिद्धे त्वामहं शरणं व्रजे।।
तिष्ठ मे हृदये नित्यं त्रिपुरे परमेश्वरि।
जगदम्ब महाराज्ञि महाशक्ति शिवप्रिये।।

श्री गुरुपादारविन्दरज अनुरागी
हरिराम सावला-न्यासी
एवं
डॉ. मोतीलाल खद्दरशास्त्री (मास्टरजी)

श्री पीताम्बरा पीठाधीश्वर श्री अनन्त श्री पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा विरचित यह तांत्रिक पञ्चांग हमारे देश में अपने ढङ्ग का विलक्षण और एकमात्र पंचांग है, लंदन के सुप्रसिद्ध प्रकाशक राइटर एण्ड कम्पनी द्वारा प्रकाशित "THE TANTRIC TRADITION" के Bibliographical Section के पृष्ठ ३११ पर इस अद्वितीय पञ्चांग के सम्बन्ध में इस प्रकार उल्लेख किया गया है।

"DATIYA Swami Tantrika panchanga five limbs of tantric worship a short treatise well known both in Bengal and the South" CH. SS. 002/63

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्तौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, अं कामेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 16 अक्टूबर 2011 से 2 नवम्बर 2011 पर्यन्त)

कार्तिक कृष्ण 4 से कार्तिक शुक्ल 7 —संवत् 2068, शकः 1933

[illegible]	[illegible]	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1867393	16 अक्टूबर 2011	रविवार	28-24	4	27-00	पं	चंछ	अं	औ	अ	च	लृ	अं	ऋ	मालिनी	कुमारी	कुमारी योग
1867394	17	सोमवार	28-20	5	31-25	फंबं	जंझंत्रट	कं	औ	लृ	त	लॄ	आं	ॠ	मातंगी	"	तुलार्क सूर्य, मोहिनी योग
1867395	18	मंगलवार	28-16	6	34-38	भं	ठंड	खं	अं	क	य	एं	इ	लृ	विजया	"	विमला योग
1867396	19	बुधवार	28-12	7	36-08	मं	ढंणं	गं	अं	च	अ	ऐ	ई	लॄ	जया	"	पूजा
1867397	20	गुरुवार	28-08	8	35-38	यं	तंथं	घं	औ	ट	ए	ओ	उ	एं	भगवती	"	
1867398	21	शुक्रवार	28-04	9	33-15	रं	दंधं	ङ	औ	त	च	औ	ऊ	ऐ	देवी	"	
1867399	22	शनिवार	28-00	10	28-48	लंवं	नंपंफंबं	चं	ऐ	प	त	अं	ऋ	ओ	शिवा	"	
1867400	23	रविवार	27-56	11	22-32	शं	भंमं	छं	एं	य	य	अः	ॠ	औ	शाम्भवी		
1867401	24	सोमवार	27-53	12	14-52	षं	यंरं	जं	लॄ	श	अ	कं	लृ	अं	काली	शक्ति	विमला योग
1867402	25	मंगलवार	27-50	13/14	6-7/56-38	संहं	लंवंशंषं	झं	लृ	अ	ए	खं	लॄ	अः	कला	"	धूमावती जयंती
1867403	26	बुधवार	27-47	30	47-05	ळंक्षं	संहंळंक्षं	ञ	ॠ	लृ	च	गं	एं	कं	मालिनी	"	कमला जयंती,पूजा
1867404	27	गुरुवार	27-43	1	37-42	अं	अंकं	ट	ऋ	क	त	घं	ऐ	खं	मातंगी	"	
1867405	28	शुक्रवार	27-40	2	29-00	कं	खंगं	ठ	ऊ	च	य	ङ	ओ	ऋ	विजया	"	
1867406	29	शनिवार	27-37	3	21-28	खं	घंङ	ड	उ	ट	अ	चं	औ	ॠ	जया	"	विमला योग
1867407	30	रविवार	27-34	4	15-28	गं	चंछं	ढ	ई	त	ए	छं	अं	लृ	भगवती	"	
1867408	31	सोमवार	27-31	5	11-00	घंङ	जंझंञट	णं	इ	प	च	जं	अः	लॄ	देवी	"	
1867409	1 नवंबर	मंगलवार	27-27	6	08-38	चं	ठंड	तं	आं	य	त	झं	कं	एं	शिवा	"	श्रीकरी योग
1867410	2	बुधवार	27-25	7	08-10	छं	ढंणं	थं	अं	श	य	ञ	खं	ऐ	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, सहखफ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, अं कामेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 3 नवम्बर 2011 से 20 नवम्बर 2011पर्यन्त)

कार्तिक शुक्ल 8 से मार्गशीर्ष कृष्ण 10 —— संवत् 2068, शक: 1933

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867411	3 नवम्बर 2011	गुरुवार	27–21	8	9–35	ज	तंथं	द	अं	अ	अ	ट	ग	ओ	काली	शंकरवल्लभा	विमला योग
1867412	4	शुक्रवार	27–18	9	12–50	झ	दंधं	ध	आं	लृ	ए	ठ	घ	औ	कला	"	
1867413	5	शनिवार	27–15	10	17–8	ञट	नंपंफंबं	न	इं	क	च	ड	ङ	अं	मालिनी	"	
1867414	6	रविवार	27–12	11	22–40	ठ	भंमं	प	ईं	च	त	ढ	च	अः	मातंगी	"	
1867415	7	सोमवार	27–09	12	29–48	ड	यंरं	फ	उं	ट	य	ण	छ	क	विजया	"	
1867416	8	मंगलवार	27–06	13	35–8	ढ	लंवं	ब	ऊं	त	अ	त	ज	ख	जया	"	विमला योग
1867417	9	बुधवार	27–02	14	41–20	ण	शंषं	भ	ऋं	प	ए	थ	झ	ऋ	भगवती	"	
1867418	10	गुरुवार	26–59	15	47–25	तंथं	संहंळंक्षं	म	ॠं	य	च	द	ञ	ॠ	देवी	"	पूजा
1867419	11	शुक्रवार	26–56	1	53–8	द	अंकं	य	लृं	श	त	ध	ट	लृ	शिवा	"	
1867420	12	शनिवार	26–53	2	58–5	ध	खंगं	र	ॡं	अ	य	न	ठ	ॡ	शाम्भवी	"	
1867421	13	रविवार	26–51	3	60–0	न	घंङं	ल	एं	लृ	अ	प	ड	ए	काली	त्रिनयना	विमला योग
1867422	14	सोमवार	26–47	3	2–8	न	घंङं	व	ऐं	क	ए	फ	ढ	ऐ	कला	"	
1867423	15	मंगलवार	26–44	4	5–2	प	चंछं	श	ओं	च	च	ब	ण	ओ	मालिनी	"	
1867424	16	बुधवार	26–40	5	6–45	फंबं	जंझंञंटं	ष	औं	ट	त	भ	त	औ	मातंगी	"	
1867425	17	गुरुवार	26–37	6	6–58	भं	ठंडं	स	अं	त	य	म	थ	अं	विजया	"	वृश्चिके सूर्य
1867426	18	शुक्रवार	26–34	7	5–40	मं	ढंणं	ह	अं	प	अ	य	द	अः	जया	"	पूजा, विमला योग
1867427	19	शनिवार	26–31	8–9	2–48 58–15	यंरं	तंथंदंधं	ळ	औं	य	ए	र	ध	क	भगवती	"	
1867428	20	रविवार	26–28	10	52–20	लंवं	नंपंफंबं	क्ष	ओ	श	च	ल	न	ख	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्तौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, आं भगमालिनी मासे (तदनुसार दिनांक 21 नवम्बर 2011 से 8 दिसम्बर 2011पर्यन्त)

मार्गशीर्ष कृष्ण 11 से मार्गशीर्ष शुक्ल 13 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867429	21 नवम्बर 2011	सोमवार	26–25	11	45–15	शं	भंमं	अं	ऐ	अ	त	लृ	अं	ॠ	शिवा	"	
1867430	22	मंगलवार	26–22	12	37–18	षं	यंरं	कं	एं	लृ	य	लॄ	आं	ॠ	शाम्भवी	"	
1867431	23	बुधवार	26–19	13	28–52	सं	लंवं	खं	लृ	क	अ	एं	इ	लृ	काली	वाग्वादिनी	मोहिनी योग
1867432	24	गुरुवार	26–18	14	20–10	हं	शंषं	गं	लॄ	च	ए	ऐ	ई	लॄ	कला	"	पूजा
1867433	25	शुक्रवार	26–17	30	11–45	ळंक्षं	संहंळंक्षं	घं	ॠ	ट	च	ओ	उ	एं	मालिनी	"	
1867434	26	शनिवार	26–15	1–2	4–0 57–20	अंक	अंकखंगं	ङ	ॠ	त	त	औ	ऊं	ऐ	मातंगी	"	
1867435	27	रविवार	26–14	3	52–02	खं	घंङं	चं	ऊं	प	य	अं	ॠ	औ	विजया	"	
1867436	28	सोमवार	26–13	4	48–25	गं	चंछं	छं	उं	य	अ	अः	ॠ	औ	जया	"	
1867437	29	मंगलवार	26–12	5	46–38	घंङ	जंझंञट	जं	ई	श	ए	कं	लृ	अं	भगवती	"	
1867438	30	बुधवार	26–10	6	46–55	चं	ठंडं	झं	इ	अ	च	खं	लॄ	अः	देवी	"	
1867439	1 दिसंबर 2011	गुरुवार	26–09	7	49–08	छं	ढंणं	ञ	आं	लृ	त	गं	एं	कं	शिवा	"	
1867440	2	शुक्रवार	26–08	8	53–02	जं	तंथं	टं	अं	क	य	घं	ऐ	खं	शाम्भवी	"	पूजा
1867441	3	शनिवार	26–07	9	58–20	झं	दंधं	ठं	अं	च	अ	ङ	ओ	ॠ	काली	भैरवी	
1867442	4	रविवार	26–05	10	60–00	ञट	नंपंफंबं	डं	आं	ट	ए	चं	औ	ॠ	कला	"	
1867443	5	सोमवार	26–04	10	04–30	ञट	नंपंफंबं	ढं	इ	त	च	छं	अं	लृ	मालिनी	"	
1867444	6	मंगलवार	26–03	11	11–02	ठ	भंमं	णं	ई	प	त	जं	अः	लॄ	मातंगी	"	
1867445	7	बुधवार	26–01	12	17–12	डं	यंरं	तं	उं	य	य	झं	कं	एं	विजया	"	
1867446	8	गुरुवार	26–0	13	23–12	ढं	लंवं	थं	ऊं	श	अ	त्र	खं	ऐ	जया	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें सर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋती, ईं नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 27 दिसम्बर 2011 से 13 जनवरी 2012 पर्यन्त)

पौष शुक्ल 3 से माघ कृष्ण 4 — संवत् 2068, शक: 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867465	27 दिसम्बर 2011	मंगलवार	25–47	3	29–30	खं	घंडं	अं	ऊं	अ	य	लृं	अं	ऋं	विजया	"	
1867466	28	बुधवार	25–49	4	29–02	गं	घंछं	कं	उं	लृ	अ	लृ	आं	ॠ	जया	"	
1867467	29	गुरूवार	25–50	5	30–20	घंङ	जंझंञट	खं	ई	क	ए	एं	इं	लृं	भगवती	"	मोहिनी योग
1867468	30	शुक्रवार	25–52	6	33–30	चं	ठंढं	गं	ईं	च	च	ऐं	ईं	लृ	देवी	"	
1867469	31	शनिवार	25–54	7	38–15	छं	डंणं	घं	आं	ट	त	औं	उं	एं	शिवा	"	
1867470	1 जनवरी 2012	रविवार	25–55	8	44–12	जं	तंथं	ङ	अं	त	य	औ	ऊं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा
1867471	2	सोमवार	25–56	9	50–42	झं	दंधं	चं	अं	प	अ	अं	ऋं	ओं	काली	परापरमयी	
1867472	3	मंगलवार	25–58	10	57–15	ञट	नंपंफं	छं	आं	व	ए	अः	ॠ	औ	कला	"	
1867473	4	बुधवार	25–59	11	60–00	ठं	भंमं	जं	इं	श	च	कं	लृं	अं	मालिनी	"	
1867474	5	गुरूवार	26–0	11	03–12	ठं	भंमं	झं	ईं	अ	त	खं	लृ	अः	मातंगी	"	
1867475	6	शुक्रवार	26–01	12	08–05	ढं	यंरं	ञ	उं	लृ	य	गं	एं	कं	विजया	"	
1867476	7	शनिवार	26–03	13	11–38	ढं	लंवं	टं	ऊं	क	अ	घं	ऐं	खं	जया	"	
1867477	8	रविवार	26–04	14	13–35	णं	शंषं	ठं	ऋं	च	ए	ङं	ओं	ऋं	भगवती	"	पूजा
1867478	9	सोमवार	26–05	15	14–12	तंथं	संहंळंक्षं	डं	ॠ	ट	च	चं	औ	ॠ	देवी	"	
1867479	10	मंगलवार	26–06	1	13–20	दं	अंकं	ढं	लृं	त	त	छं	अं	लृं	शिवा	"	
1867480	11	बुधवार	26–07	2	11–20	धं	खंगं	णं	लृ	प	य	जं	अः	लृ	शाम्भवी	"	
1867481	12	गुरूवार	26–09	3	08–18	नं	घंङं	तं	एं	य	अ	झं	कं	एं	काली	माता	
1867482	13	शुक्रवार	26–10	4	04–35	पं	चंछं	थं	ऐं	श	ए	ञ	खं	ऐं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ई नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 27 दिसम्बर 2011 से 13 जनवरी 2012 पर्यन्त)

पौष शुक्ल 3 से माघ कृष्ण 4 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	महाविद्या	पूजा
1867465	27 दिसम्बर 2011	मंगलवार	25–47	3	29–30	ख	घंङ	अं	ऊं	अ	य	लृ	अं	ॠ	विजया	"	
1867466	28	बुधवार	25–49	4	29–02	ग	चंछं	कं	उ	लृ	अ	लृ	आं	ॡ	जया	"	
1867467	29	गुरूवार	25–50	5	30–20	घंङ	जंझंञट	खं	ई	क	ए	ए	इ	लृ	भगवती	"	मोहिनी योग
1867468	30	शुक्रवार	25–52	6	33–30	च	ठंडं	गं	ई	च	घ	ऐ	ई	ॡ	देवी	"	
1867469	31	शनिवार	25–54	7	38–15	छ	ढंणं	घं	आं	ट	त	औ	उं	ए	शिवा	"	
1867470	1 जनवरी 2012	रविवार	25–55	8	44–12	ज	तंथं	ङं	अं	त	य	औ	ऊं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा
1867471	2	सोमवार	25–56	9	50–42	झ	दंधं	चं	अं	प	अ	अं	ॠं	ओं	काली	परापरमवी	
1867472	3	मंगलवार	25–58	10	57–15	ञट	नंपंफंबं	छं	आं	य	ए	अः	ॡ	औ	कला	"	
1867473	4	बुधवार	25–59	11	60–00	ठ	भंमं	जं	इ	श	च	कं	लृ	अं	मालिनी	"	
1867474	5	गुरूवार	26–0	11	03–12	ठ	भंमं	झं	ई	अ	त	खं	ॡ	अः	मातंगी	"	
1867475	6	शुक्रवार	26–01	12	08–05	ड	यंरं	ञ	उ	लृ	य	गं	एं	कं	विजया	"	
1867476	7	शनिवार	26–03	13	11–38	ड	लंवं	टं	ऊं	क	अ	घं	ऐं	खं	जया	"	
1867477	8	रविवार	26–04	14	13–35	ण	शंषं	ठं	ॠं	च	ए	ङं	ओं	ॠं	भगवती	"	पूजा
1867478	9	सोमवार	26–05	15	14–12	तंथं	संहंळक्षं	डं	ॠ	ट	च	चं	औं	ॡ	देवी	"	
1867479	10	मंगलवार	26–06	1	13–20	द	अंकं	ढं	लृ	त	त	छं	अं	लृ	शिवा	"	
1867480	11	बुधवार	26–07	2	11–20	ध	खंगं	णं	ॡ	प	य	जं	अः	ॡ	शाम्भवी	"	
1867481	12	गुरूवार	26–09	3	08–18	न	घंङं	तं	एं	य	अ	झं	कं	एं	काली	माता	
1867482	13	शुक्रवार	26–10	4	04–35	प	चंछं	थं	ऐं	श	ए	ञ	खं	ऐं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,

खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ई नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 14 जनवरी 2012 से 31 जनवरी 2012 पर्यन्त)

माघ कृष्ण 5 से माघ शुक्ल 8 – संवत् 2068, शकः 1933

सृष्टिसंवत्	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	महाक्षर	दिनाक्षर	तिथिनित्या	मास	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	[illegible]	पूजा
1867483	14 जनवरी 2012	शनिवार	26–12	5–6	0–20 55–35	फंबंभं	जंझंञटंठंडं	दं	औ	अ	च	ट	गं	ओं	मालिनी	"	मकरे अर्क
1867484	15	रविवार	26–13	7	50–45	मं	ढंणं	धं	औ	लृ	त	ठ	घं	औं	मातंगी	"	
1867485	16	सोमवार	26–14	8	45–42	यं	तंथं	नं	अं	क	य	ड	ङं	अं	विजया	"	पूजा
1867486	17	मंगलवार	26–15	9	40–35	रं	दंधं	पं	अं	च	अ	ढ	चं	अः	जया	"	
1867487	18	बुधवार	26–17	10	35–28	लंवं	नंपंफंबं	फं	औ	ट	ए	णं	छं	कं	भगवती	"	
1867488	19	गुरूवार	26–18	11	30–28	शं	भंमं	बं	औ	त	च	त	जं	खं	देवी	"	
1867489	20	शुक्रवार	26–19	12	25–40	षं	यंरं	भं	ऐ	प	त	थ	झं	ऋ	शिवा	"	
1867490	21	शनिवार	26–22	13	21–18	सं	लंवं	मं	ए	य	य	द	ञं	ॠ	शाम्भवी	"	
1867491	22	रविवार	26–26	14	17–35	हं	शंषं	यं	लृ	श	अ	धं	टं	लृ	काली	कुमारी	पूजा
1867492	23	सोमवार	26–30	30	14–32	ळंक्षं	संहंळंक्षं	रं	लॄ	अ	ए	नं	ठं	लॄ	कला	"	
1867493	24	मंगलवार	26–34	1	12–45	अं	अंकं	लं	ॠ	लृ	च	पं	डं	एं	मालिनी	"	
1867494	25	बुधवार	26–37	2	12–25	कं	खंगं	वं	ऋ	क	त	फं	ढं	ऐं	मातंगी	"	
1867495	26	गुरूवार	26–40	3	13–32	खं	घंङं	शं	ऊ	च	य	बं	णं	ओं	विजया	"	
1867496	27	शुक्रवार	26–44	4	16–18	गं	चंछं	षं	उ	ट	अ	भं	तं	औं	जया	"	
1867497	28	शनिवार	26–47	5	20–35	घंङ	जंझंञट	सं	ई	त	ए	मं	थं	अं	भगवती	"	वसंत पंचमी
1867498	29	रविवार	26–50	6	26–08	चं	ठंडं	हं	इ	प	च	यं	दं	अः	देवी	"	
1867499	30	सोमवार	26–52	7	32–38	छं	ढंणं	ळं	आं	य	त	रं	धं	कं	शिवा	"	
1867500	31	मंगलवार	26–56	8	39–18	जं	तंथं	क्षं	अं	श	य	लं	नं	खं	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्त्खफ्रें महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, इं नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 14 जनवरी 2012 से 31 जनवरी 2012 पर्यन्त)

माघ कृष्ण 5 से माघ शुक्ल 8 — संवत् 2068, शक: 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुन्यासाक्षर	न्यासाक्षर	दिनतत्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867483	14 जनवरी 2012	शनिवार	26–12	5–6	0–20 55–35	फंबंभं	जंझंञंटंठंडं	द	औ	अ	च	ट	ग	औ	मालिनी	"	मकरे अर्क
1867484	15	रविवार	26–13	7	50–45	मं	ढंणं	ब	औ	लृ	त	ठ	घ	औ	मातंगी	"	पूजा
1867485	16	सोमवार	26–14	8	45–42	यं	तंथं	न	अं	क	य	ड	ङ	अं	विजया	"	
1867486	17	मंगलवार	26–15	9	40–35	रं	दंधं	प	अं	च	अ	ढ	च	अः	जया	"	
1867487	18	बुधवार	26–17	10	35–28	लंवं	नंपंफंबं	फ	औ	ट	ए	ण	छ	कं	भगवती	"	
1867488	19	गुरुवार	26–18	11	30–28	शं	भंमं	ब	ओ	त	च	त	ज	खं	देवी	"	
1867489	20	शुक्रवार	26–19	12	25–40	षं	यंरं	भ	ऐ	प	त	थ	झ	ऋ	शिवा	"	
1867490	21	शनिवार	26–22	13	21–18	सं	लंवं	म	ए	य	य	द	ञ	ॠ	शाम्भवी	"	
1867491	22	रविवार	26–26	14	17–35	हं	शंषं	य	लृ	श	अ	ध	ट	लृ	काली	कुमारी	पूजा
1867492	23	सोमवार	26–30	30	14–32	ळंक्षं	संहंळंक्षं	र	लृ	अ	ए	न	ठ	ॡ	कला	"	
1867493	24	मंगलवार	26–34	1	12–45	अं	अंकं	ल	ॠ	लृ	च	प	ड	ए	मालिनी	"	
1867494	25	बुधवार	26–37	2	12–25	कं	खंगं	व	ऋ	क	त	फ	ढ	ऐ	मातंगी	"	
1867495	26	गुरुवार	26–40	3	13–32	खं	घंङं	श	ऊ	च	य	ब	ण	ओ	विजया	"	
1867496	27	शुक्रवार	26–44	4	16–18	गं	चंछं	ष	उ	ट	अ	भ	त	औ	जया	"	
1867497	28	शनिवार	26–47	5	20–35	घंङं	जंझंञंटं	स	ई	त	ए	म	थ	अं	भगवती	"	वसंत पंचमी
1867498	29	रविवार	26–50	6	26–08	चं	ठंडं	ह	इ	प	च	य	द	अः	देवी	"	
1867499	30	सोमवार	26–52	7	32–38	छं	ढंणं	ळ	आ	य	त	र	ध	कं	शिवा	"	
1867500	31	मंगलवार	26–56	8	39–18	जं	तंथं	क्ष	अ	श	य	ल	न	खं	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्तौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 1फरवरी 2012 से 18 फरवरी 2012 पर्यन्त)

माघ शुक्ल 9 से फाल्गुन कृष्ण 12 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867501	1 फरवरी 2012	बुधवार	26-59	9	45-35	झ	दं	अं	अं	अ	अ	लृ	अं	ऋ	काली	शक्ति	श्रीकरी योग
1867502	2	गुरुवार	27-02	10	50-40	अट	नंपकंब	क	आं	लृ	ए	ॡ	आं	ॠ	कला	"	
1867503	3	शुक्रवार	27-06	11	54-15	ठ	भंभं	ख	इ	क	च	ए	इ	लृ	मालिनी	"	मोहिनी योग
1867504	4	शनिवार	27-09	12	56-05	ड	यंरं	ग	ई	च	त	ऐ	ई	ॡ	मातंगी	"	
1867505	5	रविवार	27-12	13	55-50	ढ	लंवं	घ	उ	ट	य	ओ	उ	ए	विजया	"	
1867506	6	सोमवार	27-15	14	53-52	ण	शंषं	ङ	ऊ	त	अ	औ	ऊ	ऐ	जया	"	
1867507	7	मंगलवार	27-18	15	50-28	तथं	सहंळक्षं	च	ऋ	प	ए	अं	ऋ	औ	भगवती	"	श्रीललिता जयंती,पूजा
1867508	8	बुधवार	27-21	1	45-45	द	अंकं	छ	ॠ	य	च	अः	ॠ	औ	देवी	"	
1867509	9	गुरुवार	27-25	2	40-20	ध	खंगं	ज	लृ	श	त	क	लृ	अं	शिवा	"	
1867510	10	शुक्रवार	27-28	3	34-20	न	घंङं	झ	ॡ	अ	य	ख	ॡ	अः	शाम्भवी	"	
1867511	11	शनिवार	27-31	4	28-10	प	चंछं	ञ	ए	लृ	अ	ग	ए	क	काली	शंकरवल्लभा	
1867512	12	रविवार	27-34	5	22-05	फब	जंझंञट	ट	ऐ	क	ए	घ	ऐ	ख	कला	"	
1867513	13	सोमवार	27-37	6	16-20	भ	ठंडं	ठ	औ	च	च	ङ	औ	ऋ	मालिनी	"	कुम्भे अर्क पूजा
1867514	14	मंगलवार	27-40	7	11-05	म	ढंणं	ड	औ	ट	त	च	औ	ॠ	मातंगी	"	
1867515	15	बुधवार	27-43	8	06-22	य	तंथं	ढ	अं	त	य	छ	अं	लृ	विजया	"	
1867516	16	गुरुवार	27-47	9-10	2-18 58-52	रलव	दंधंनंपफंबं	ण	अं	प	अ	ज	अः	ॡ	जया	"	
1867517	17	शुक्रवार	27-50	11	56-00	श	भंमं	त	औ	य	ए	झ	क	ए	भगवती	"	
1867518	18	शनिवार	27-53	12	53-55	ष	यंरं	थ	औ	श	च	ञ	ख	ऐ	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्ण, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्व, क्लीं रामे, सखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋती, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 1फरवरी 2012 से 18 फरवरी 2012 पर्यन्त)

माघ शुक्ल 9 से फाल्गुन कृष्ण 12 – संवत् 2068, शक: 1933

[illegible]	[illegible]	वार	[illegible]	तिथि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867501	1 फरवरी 2012	बुधवार	26–59	9	45–35	झ	दंधं	अं	अं	अ	अ	लृ	अं	ऋ	काली	शक्ति	श्रीकरी योग
1867502	2	गुरुवार	27–02	10	50–40	ञट	नंपंफंबं	क	आं	लृ	ए	लॄ	आं	ॠ	कला	"	
1867503	3	शुक्रवार	27–06	11	54–15	ठ	भंमं	ख	इ	क	च	ए	इ	लृ	मालिनी	"	मोहिनी योग
1867504	4	शनिवार	27–09	12	56–05	ड	यंरं	ग	ई	च	त	ऐ	ई	लॄ	मातंगी	"	
1867505	5	रविवार	27–12	13	55–50	ढ	लंवं	घ	उ	ट	य	ओ	उ	ए	विजया	"	
1867506	6	सोमवार	27–15	14	53–52	ण	शंषं	ङ	ऊ	त	अ	औ	ऊ	ऐ	जया	"	
1867507	7	मंगलवार	27–18	15	50–28	तंथं	संहंळंक्षं	च	ऋ	प	ए	अं	ऋ	ओ	भगवती	"	श्रीललिता जयंती,पूजा
1867508	8	बुधवार	27–21	1	45–45	द	अंकं	छ	ॠ	य	च	अः	ॠ	औ	देवी	"	
1867509	9	गुरुवार	27–25	2	40–20	ध	खंगं	ज	लृ	श	त	क	लृ	अं	शिवा	"	
1867510	10	शुक्रवार	27–28	3	34–20	न	घंङं	झ	लॄ	अ	य	ख	लॄ	अः	शाम्भवी	"	
1867511	11	शनिवार	27–31	4	28–10	प	चंछं	ञ	ए	लृ	अ	ग	ए	क	काली	शंकरवल्लभा	
1867512	12	रविवार	27–34	5	22–05	फंबं	जंझंञंटं	ट	ऐ	क	ए	घ	ऐ	ख	कला	"	
1867513	13	सोमवार	27–37	6	16–20	भ	ठंडं	ठ	ओ	च	च	ङ	ओ	ऋ	मालिनी	"	कुम्भे अर्क
1867514	14	मंगलवार	27–40	7	11–05	म	ढंणं	ड	औ	ट	त	च	औ	ॠ	मातंगी	"	पूजा
1867515	15	बुधवार	27–43	8	06–22	य	तंथं	ढ	अं	त	य	छ	अं	लृ	विजया	"	
1867516	16	गुरुवार	27–47	9–10	2–18 58–52	रंलंवं	दंधंनंपंफंबं	ण	अं	प	अ	ज	अः	लॄ	जया	"	
1867517	17	शुक्रवार	27–50	11	56–00	श	भंमं	त	औ	य	ए	झ	क	ए	भगवती	"	
1867518	18	शनिवार	27–53	12	53–55	ष	यंरं	थ	औ	श	च	ञ	ख	ऐ	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 19 फरवरी 2011 से 7 मार्च 2012 पर्यन्त)

फाल्गुन कृष्ण 13 से फाल्गुन शुक्ल 14 – संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	महाविद्या	पूजा
1867519	19 फरवरी 2012	रविवार	27-56	13	52-28	सं	लंवं	द	ऐ	अ	त	ट	गं	औं	शिवा	"	
1867520	20	सोमवार	28-00	14	52-02	हं	शंषं	ध	ए	लृ	व	ठ	घं	औं	शाम्भवी	"	
1867521	21	मंगलवार	28-04	30	52-32	ळंक्षं	संहंळंक्षं	न	लॄ	क	अ	ड	ङं	अं	काली	त्रिनयना	पूजा
1867522	22	बुधवार	28-08	1	54-15	अं	अंकं	प	लृ	च	ए	ढ	चं	अः	कला	"	
1867523	23	गुरुवार	28-11	2	57-25	कं	खंगं	फ	ॠ	ट	च	ण	छं	कं	मालिनी	"	
1867524	24	शुक्रवार	28-14	3	60-00	खं	घंङं	ब	ऋ	त	त	तं	जं	खं	मातंगी	"	
1867525	25	शनिवार	28-18	3	01-40	खं	घंङं	भ	ऊ	प	व	थं	झं	ॠ	विजया	"	
1867526	26	रविवार	28-22	4	07-15	गं	चंछं	म	उ	य	अ	द	ञ	ऋ	जया	"	
1867527	27	सोमवार	28-25	5	13-35	घंङ	जंझंञट	य	ई	श	ए	ध	ट	लॄ	भगवती	"	
1867528	28	मंगलवार	28-27	6	20-22	चं	ठंडं	र	इ	अ	च	नं	ठ	लृ	देवी	"	
1867529	29	बुधवार	28-29	7	26-52	छं	ढंणं	ल	आं	लृ	त	प	ड	एं	शिवा	"	पूजा
1867530	1 मार्च 2012	गुरुवार	28-31	8	32-32	जं	तंथं	व	अं	क	य	फ	ढ	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा
1867531	2	शुक्रवार	28-36	9	36-42	झं	दंधं	श	अं	च	अ	ब	ण	ओं	काली	वाग्वादिनी	
1867532	3	शनिवार	28-40	10	38-50	ञट	नंपंफंबं	ष	आं	ट	ए	भं	तं	औं	कला	"	
1867533	4	रविवार	28-44	11	38-58	ठं	भंमं	स	इ	त	च	मं	थं	अं	मालिनी	"	
1867534	5	सोमवार	28-48	12	37-00	डं	यंरं	ह	ई	प	त	यं	दं	अः	मातंगी	"	
1867535	6	मंगलवार	28-52	13	33-07	ढं	लंवं	ळ	उ	य	य	रं	धं	कं	विजया	"	
1867536	7	बुधवार	28-56	14	27-42	णं	शंषं	क्ष	ऊं	श	अ	लं	नं	खं	जया	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 19 फरवरी 2011 से 7 मार्च 2012 पर्यन्त)

फाल्गुन कृष्ण 13 से फाल्गुन शुक्ल 14 – संवत् 2068, शकः 1933

[illegible]	[illegible]	वार	[illegible]	तिथि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867519	19 फरवरी 2012	रविवार	27–56	13	52–28	सं	लंवं	द	ऐ	अ	त	ट	ग	औ	शिवा	"	
1867520	20	सोमवार	28–00	14	52–02	ह	शंषं	ष	एं	लृ	य	ठ	घ	औ	शाम्भवी	"	
1867521	21	मंगलवार	28–04	30	52–32	क्षं	संहंक्षं	न	लृ	क	अ	डं	ङ	अं	काली	त्रिनयना	पूजा
1867522	22	बुधवार	28–08	1	54–15	अं	अंकं	प	लृ	च	ए	ढं	चं	अः	कला	"	
1867523	23	गुरुवार	28–11	2	57–25	कं	खंगं	फ	ॠ	ट	च	णं	छं	कं	मालिनी	"	
1867524	24	शुक्रवार	28–14	3	60–00	खं	घंङ	ब	ऋ	त	त	तं	जं	खं	मातंगी	"	
1867525	25	शनिवार	28–18	3	01–40	खं	घंङ	भ	ऊ	प	य	थं	झं	ॠ	विजया	"	
1867526	26	रविवार	28–22	4	07–15	गं	चंछं	म	उ	य	अ	दं	ञ	ऋ	जया	"	
1867527	27	सोमवार	28–25	5	13–35	घंङ	जंझंञट	य	ई	श	ए	धं	टं	लृ	भगवती	"	
1867528	28	मंगलवार	28–27	6	20–22	चं	ठंडं	र	इ	अ	च	नं	ठं	लृ	देवी	"	
1867529	29	बुधवार	28–29	7	26–52	छं	ढंणं	ल	आं	लृ	त	पं	डं	एं	शिवा	"	पूजा
1867530	1 मार्च 2012	गुरुवार	28–31	8	32–32	जं	तथं	व	अं	क	य	फं	ढं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा
1867531	2	शुक्रवार	28–36	9	36–42	झं	दधं	श	अं	च	अ	बं	णं	ओं	काली	वाग्वादिनी	
1867532	3	शनिवार	28–40	10	38–50	ञट	नपफबं	ष	आं	ट	ए	भं	तं	औं	कला	"	
1867533	4	रविवार	28–44	11	38–58	ठं	भंमं	स	इ	त	च	मं	थं	अं	मालिनी	"	
1867534	5	सोमवार	28–48	12	37–00	डं	यंरं	ह	ई	प	त	यं	दं	अः	मातंगी	"	
1867535	6	मंगलवार	28–52	13	33–07	ढं	लंवं	ळ	उं	य	य	रं	धं	कं	विजया	"	
1867536	7	बुधवार	28–56	14	27–42	णं	शंषं	क्ष	ऊं	श	अ	लं	नं	खं	जया	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हखफ्रें महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृती, 9

खं सदाशिव तृतीय वर्षे, विमला ऋती, उं वडिवासिनी मासे (तदनुसार दिनांक 8 मार्च 2012 से 25 मार्च 2012 पर्यन्त)

फाल्गुन शुक्ल 15 से चैत्र शुक्ल 3 – संवत् 2068–2069, शकः 1933–1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	महाविद्या	पूजा
1867537	8 मार्च 2012	गुरुवार	29–00	15	20–55	तंथं	संहळंक्षं	अं	ऋ	अ	ए	लृ	अं	ऋ	भगवती	"	
1867538	9	शुक्रवार	29–05	1	13–22	दं	अंकं	कं	ॠ	लृ	च	लॄ	आं	ॠ	देवी	"	
1867539	10	शनिवार	29–10	2–3	05–25 57–32	धंनं	खंगंघंङं	खं	लृ	क	त	एं	इं	लृ	शिवा	"	मोहिनी योग
1867540	11	रविवार	29–15	4	50–00	पं	चंछं	गं	लॄ	च	य	ऐ	ईं	लॄ	शाम्भवी	"	
1867541	12	सोमवार	29–20	5	43–15	फंबं	जंझंञंटं	घं	एं	ट	अ	ओ	उं	एं	काली	भैरवी	
1867542	13	मंगलवार	29–25	6	37–25	भं	ठंडं	ङं	ऐ	त	ए	औ	ऊं	ऐ	कला	"	
1867543	14	बुधवार	29–31	7	32–38	मं	ढंणं	चं	ओ	प	च	अं	ऋं	ओ	मालिनी	"	तीने अर्क, पूजा, श्रीकरी योग
1867544	15	गुरुवार	29–35	8	29–00	यं	तंथं	छं	औ	य	त	अः	ॠं	औ	मातंगी	"	
1867545	16	शुक्रवार	29–40	9	26–35	रं	दंधं	जं	अं	श	य	कं	लृं	अं	विजया	"	
1867546	17	शनिवार	29–44	10	25–18	लंवं	नंपंफंबं	झं	अः	अ	अ	खं	लॄं	अः	जया	"	
1867547	18	रविवार	29–48	11	24–55	शं	भंमं	ञं	औ	लृ	ए	गं	एं	कं	भगवती	"	
1867548	19	सोमवार	29–52	12	25–38	षं	यंरं	टं	ओ	क	च	घं	ऐं	खं	देवी	"	
1867549	20	मंगलवार	29–56	13	27–32	सं	लंवं	ठं	ऐ	च	त	ङं	ओं	ऋ	शिवा	"	
1867550	21	बुधवार	30–00	14	00–18	हं	शंषं	डं	एं	ट	य	चं	औं	ॠ	शाम्भवी	"	
1867551	22	गुरुवार	30–04	30	34–00	ळंक्षं	संहळंक्षं	ढं	लॄ	त	अ	छं	अं	लृ	काली	ह्रींकारी	पूजा
1867552	23	शुक्रवार	30–12	1	38–36	अं	अंकं	णं	लृ	प	ए	जं	अः	लॄ	कला	"	नवरात्र आरंभ–पूजा
1867553	24	शनिवार	30–16	2	44–42	कं	खंगं	तं	ॠ	य	च	झं	कं	एं	मालिनी	"	पूजा
1867554	25	रविवार	30–21	3	50–30	खं	घंङं	थं	ऋ	श	त	ञं	खं	ऐ	मातंगी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्त्खफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,

खं सदाशिव तृतीय वर्षे, विमला ऋतौ, उं वह्निवासिनी मासे (तदनुसार दिनांक 26 मार्च 2012 से 12 अप्रैल 2012 पर्यन्त)

चैत्र शुक्ल 4 से वैशाख कृष्ण 7 — संवत् 2069, शक: 1934

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867555	26 मार्च 2012	सोमवार	30–25	4	57–15	गं	चंछं	द	ऊ	अ	य	टं	गं	औ	विजया	"	पूजा
1867556	27	मंगलवार	30–29	5	60–00	घंङ	जंझंञट	ध	उ	लृ	अ	ठं	घं	औ	जया	"	पूजा
1867557	28	बुधवार	30–33	5	04–00	घंङ	जंझंञट	नं	ई	क	ए	डं	ङ	अं	भगवती	"	पूजा
1867558	29	गुरुवार	30–37	6	10–07	चं	ठंडं	पं	इ	च	च	ढं	चं	अः	देवी	"	पूजा
1867559	30	शुक्रवार	30–41	7	15–02	छं	ढंणं	फ	आं	ट	त	णं	छं	कं	शिवा	"	पूजा
1867560	31	शनिवार	30–45	8	18–16	जं	तंथं	ब	अं	त	य	तं	जं	खं	शाम्भवी	"	पूजा
1867561	1 अप्रैल 2012	रविवार	30–49	9	19–24	झं	दंधं	भं	अं	प	अ	थं	झं	ऋ	काली	त्रिपुरा	श्रीतारा जयंती, पूजा
1867562	2	सोमवार	30–53	10	18–19	ञट	नंपंफंबं	मं	आं	य	ए	दं	ञ	ॠ	कला	"	
1867563	3	मंगलवार	30–57	11	15–04	ठं	भंमं	यं	ई	श	च	धं	टं	लृ	मालिनी	"	
1867564	4	बुधवार	31–01	12	09–52	डं	यंरं	रं	ई	अ	त	नं	ठं	ॡ	मातंगी	"	
1867565	5	गुरुवार	31–05	13–14	03–03 54–58	ढंणं	लंवंशंषं	लं	उ	लृ	य	पं	डं	ए	विजया	"	पूजा
1867566	6	शुक्रवार	31–09	15	46–09	तंथं	संहंळंक्षं	वं	ऊ	क	अ	फं	ढं	ऐ	जया	"	
1867567	7	शनिवार	31–13	1	37–02	दं	अंकं	शं	ऋ	च	ए	बं	णं	ओ	भगवती	"	
1867568	8	रविवार	31–17	2	28–02	धं	खंगं	षं	ॠ	ट	च	भं	तं	औ	देवी	"	
1867569	9	सोमवार	31–21	3	19–33	नं	घंङ	सं	लृ	त	त	मं	थं	अं	शिवा	"	
1867570	10	मंगलवार	31–25	4	11–14	पं	चंछं	हं	ॡ	प	य	यं	दं	अः	शाम्भवी	"	
1867571	11	बुधवार	31–29	5	05–28	फंबं	जंझंञट	ळं	ए	य	अ	रं	धं	कं	काली	परापरमयी	
1867572	12	गुरुवार	31–33	6–7	00–15 56–34	भंमं	ठंडंढंणं	क्षं	ऐ	श	ए	लं	नं	खं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्त्खफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,

खं सदाशिव तृतीय वर्षे, विमला ऋतौ, उं वज्रिवासिनी मासे (तदनुसार दिनांक 26 मार्च 2012 से 12 अप्रैल 2012 पर्यन्त)

चैत्र शुक्ल 4 से वैशाख कृष्ण 7 — संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमात्राक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867555	26 मार्च 2012	सोमवार	30–25	4	57–15	गं	घंङं	दं	ऊं	अ	य	टं	गं	औ	विजया	"	पूजा
1867556	27	मंगलवार	30–29	5	60–00	घंड	जंझंप्रट	घं	उं	लृ	अ	ठं	घं	औ	जया	"	पूजा
1867557	28	बुधवार	30–33	5	04–00	घंड	जंझंप्रट	नं	ईं	क	ए	डं	ङं	अं	भगवती	"	पूजा
1867558	29	गुरूवार	30–37	6	10–07	चं	ठंडं	पं	इं	च	च	ढं	चं	अः	देवी	"	पूजा
1867559	30	शुक्रवार	30–41	7	15–02	छं	डंणं	फं	आं	ट	त	णं	छं	कं	शिवा	"	पूजा
1867560	31	शनिवार	30–45	8	18–16	जं	तंथं	बं	अं	त	य	तं	जं	खं	शाम्भवी	"	पूजा
1867561	1 अप्रैल 2012	रविवार	30–49	9	19–24	झं	दंधं	भं	अं	प	अ	थं	झं	ऋं	काली	त्रिपुरा	श्रीतारा जयंती, पूजा
1867562	2	सोमवार	30–53	10	18–19	अटं	नंपंफंबं	मं	आं	य	ए	दं	ञं	ॠं	कला	"	
1867563	3	मंगलवार	30–57	11	15–04	तं	भंमं	यं	इं	श	च	धं	टं	लृं	मालिनी	"	
1867564	4	बुधवार	31–01	12	09–52	डं	यंरं	रं	ईं	अ	त	नं	ठं	ॡं	मातंगी	"	
1867565	5	गुरूवार	31–05	13–14	03–03 54–58	ढंणं	लंवंशंषं	लं	उं	लृ	य	पं	डं	एं	विजया	"	
1867566	6	शुक्रवार	31–09	15	46–09	तंथं	संहंळंक्षं	वं	ऊं	क	अ	फं	ढं	ऐं	जया	"	पूजा
1867567	7	शनिवार	31–13	1	37–02	दं	अंकं	शं	ऋं	च	ए	बं	णं	ओं	भगवती	"	
1867568	8	रविवार	31–17	2	28–02	धं	खंगं	षं	ॠं	ट	च	भं	तं	औं	देवी	"	
1867569	9	सोमवार	31–21	3	19–33	नं	घंङं	सं	लृं	त	त	मं	थं	अं	शिवा	"	
1867570	10	मंगलवार	31–25	4	11–14	पं	चंछं	हं	ॡं	प	य	यं	दं	अः	शाम्भवी	"	
1867571	11	बुधवार	31–29	5	05–28	फंबं	जंझंप्रट	ळं	एं	य	अ	रं	धं	कं	काली	परापरमयी	
1867572	12	गुरूवार	31–33	6–7	00–15 56–34	भंमं	टंठंडंढंणं	क्षं	ऐं	श	ए	लं	नं	खं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्क्ष्रं खर्वे, क्लीं रामे, स्हक्ष्रं महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,

खं सदाशिव तृतीय वर्षे, विमला ऋतौ, ङं वज्रेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 13 अप्रैल 2012 से 30 अप्रैल 2012 पर्यन्त)

वैशाख कृष्ण 8 से वैशाख शुक्ल 9 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867573	13 अप्रैल 2012	शुक्रवार	31–37	8	54–30	यं	तथं	अं	ओ	अ	च	लृ	अं	ऋ	मालिनी	"	मेषे अर्क, पूजा
1867574	14	शनिवार	31–41	9	54–02	रं	दधं	कं	औ	लृ	त	लृ	आं	ॠ	मातंगी	"	
1867575	15	रविवार	31–45	10	55–03	लंवं	नपफबं	खं	अं	क	य	ए	इ	लृ	विजया	"	मोहिनी योग
1867576	16	सोमवार	31–49	11	57–28	शं	भमं	गं	अं	च	अ	ऐ	ई	लॄ	जया	"	
1867577	17	मंगलवार	31–52	12	60–00	षं	यरं	घं	औ	ट	ए	ओ	उ	ए	भगवती	"	
1867578	18	बुधवार	31–56	12	01–06	षं	यरं	ङ	ओ	त	च	औ	ऊ	ऐ	देवी	"	
1867579	19	गुरूवार	32–00	13	05–40	सं	लवं	चं	ऐ	प	त	अं	ऋ	ओ	शिवा	"	
1867580	20	शुक्रवार	32–04	14	11–01	हं	शषं	छं	ए	य	य	अः	ॠ	औ	शाम्भवी	"	पूजा
1867581	21	शनिवार	32–08	30	16–56	क्षं	सहक्षं	जं	लृ	श	अ	कं	लृ	अं	काली	माता	
1867582	22	रविवार	32–11	1	23–16	अं	अंकं	झं	लृ	अ	ए	खं	लृ	अः	कला	"	
1867583	23	सोमवार	32–15	2	29–47	कं	खगं	ञ	ऋ	लृ	च	गं	ए	कं	मालिनी	"	
1867584	24	मंगलवार	32–19	3	36–17	खं	घंङ	टं	ऋ	क	त	घं	ऐ	खं	मातंगी	"	श्रीपरशुराम जयंती, श्री मातंगी जयंती
1867585	25	बुधवार	32–22	4	42–19	गं	चछं	ठं	ऊ	च	य	ङ	ओ	ऋ	विजया	"	श्री बगलामुखि जयंती
1867586	26	गुरूवार	32–26	5	47–31	घंङ	जंझंञट	डं	उ	ट	अ	चं	औ	ॠ	जया	"	श्रीआद्यशंकराचार्य जयंती
1867587	27	शुक्रवार	32–29	6	51–24	चं	ठडं	ढं	ई	त	ए	छं	अं	लृ	भगवती	"	
1867588	28	शनिवार	32–33	7	53–34	छं	ढणं	णं	इ	प	च	जं	अः	लॄ	देवी	"	
1867589	29	रविवार	32–36	8	53–44	जं	तथं	तं	आं	य	त	झं	कं	ए	शिवा	"	पूजा, श्रीकरी योग
1867590	30	सोमवार	32–40	9	59–52	झं	दधं	थं	अं	श	य	ञ	खं	ऐ	शाम्भवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, विमला ऋतौ, ऊं वज्रेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 1 मई 2012 से 18 मई 2012 पर्यन्त)

वैशाख शुक्ल 10 से ज्येष्ठ कृष्ण 13 – संवत् 2069, शक: 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867591	1 मई 2012	मंगलवार	32–43	10	47–58	अट	नंपफंबं	द	अं	अ	अ	ट	गं	ओ	काली	कुमारी	
1867592	2	बुधवार	32–47	11	42–15	ठ	भंमं	ध	आ	लृ	ए	ठं	घं	औ	कला	"	
1867593	3	गुरुवार	32–50	12	35–02	ड	यंरं	न	इ	क	च	डं	ङ	अं	मालिनी	"	
1867594	4	शुक्रवार	32–53	13	26–39	ढ	लंवं	प	ई	च	त	ढं	चं	अः	मातंगी	"	
1867595	5	शनिवार	32–57	14	17–32	णं	शंषं	फ	उ	ट	य	णं	छं	कं	विजया	"	श्रीछिन्नमस्ता जयंती, पूजा
1867596	6	रविवार	33–00	15–1	08–03 58–43	तंथंदं	संहंळंक्षंअंकं	ब	ऊ	त	अ	तं	जं	खं	जया	"	
1867597	7	सोमवार	33–03	2	49–49	घं	खंगं	भं	ऋ	प	ए	थं	झं	ऋ	भगवती	"	
1867598	8	मंगलवार	33–06	3	41–46	नं	घंङं	मं	ॠ	य	च	दं	ञं	ॠ	देवी	"	
1867599	9	बुधवार	33–09	4	34–53	पं	चंछं	यं	लृ	श	त	धं	टं	लृ	शिवा	"	
1867600	10	गुरुवार	33–13	5	29–29	फंबं	जंझंञंटं	रं	ॡ	अ	य	नं	ठं	ॡ	शाम्भवी	"	
1867601	11	शुक्रवार	33–16	6	25–47	भं	ठंडं	लं	ए	लृ	अ	पं	डं	ए	काली	शक्ति	
1867602	12	शनिवार	33–19	7	23–57	मं	ढंणं	वं	ऐ	क	ए	फं	ढं	ऐ	कला	"	पूजा
1867603	13	रविवार	33–21	8	24–00	यं	तंथं	शं	ओ	च	च	बं	णं	ओ	मालिनी	"	
1867604	14	सोमवार	33–24	9	25–54	रं	दंधं	षं	औ	ट	त	भं	तं	औ	मातंगी	"	वृषे अर्क
1867605	15	मंगलवार	33–27	10	29–25	लंवं	नंपफंबं	सं	अं	त	य	मं	थं	अं	विजया	"	
1867606	16	बुधवार	33–30	11	34–13	शं	भंमं	हं	अः	प	अ	यं	दं	अः	जया	"	
1867607	17	गुरुवार	33–33	12	39–56	षं	यंरं	ळं	औ	य	ए	रं	धं	कं	भगवती	"	
1867608	18	शुक्रवार	33–35	13	46–09	सं	लंवं	क्षं	ओ	श	च	लं	नं	खं	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, धं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हखफ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्तौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, हरिणी ऋतौ, ऋं शिवदूती मासे (तदनुसार दिनांक 6 जून 2012 से 23 जून 2012 पर्यन्त)

आषाढ़ कृष्ण 2 से आषाढ़ शुक्ल 4 – संवत् 2069, शकः 1934

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	शिवा	महाविद्या	पूजा
1867627	6 जून 2012	बुधवार	34–13	2	11–28	थ	खंग	द	ॠ	अ	ए	ट	ग	औ	भगवती	"	
[illegible]	7	गुरुवार	34–14	3–4	04–48 59–37	[illegible]	पंडपंड	ध	ऋ	लृ	च	ठ	घ	औ	देवी	"	
[illegible]	8	शुक्रवार	34–15	5	56–11	[illegible]	[illegible]	न	लृ	क	त	ड	ङ	अं	शिवा	"	
[illegible]	9	शनिवार	34–16	6	54–44	[illegible]	[illegible]	प	लॄ	च	य	ढ	च	अः	शाम्भवी	"	
[illegible]	[illegible]	रविवार	34–17	7	55–22	[illegible]	[illegible]	फ	ए	ट	अ	ण	छ	क	काली	वाग्वादिनी	
[illegible]	[illegible]	सोमवार	34–18	8	57–57	[illegible]	[illegible]	ब	ऐ	त	ए	त	ज	ख	कला	"	पूजा
[illegible]	[illegible]	मंगलवार	34–19	9	60–00	[illegible]	[illegible]	भ	ओ	प	च	थ	झ	ॠ	मालिनी	"	
[illegible]	[illegible]	बुधवार	34–20	9	02–13	[illegible]	[illegible]	म	औ	य	त	द	ञ	ऋ	मातंगी	"	
[illegible]	[illegible]	गुरुवार	34–20	10	07–45	[illegible]	[illegible]	य	अं	श	य	ध	ट	लृ	विजया	"	श्रीकरी योग
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	14–01	[illegible]	[illegible]	र	अः	अ	अ	न	ठ	लॄ	जया	"	
1867619	[illegible]	[illegible]	34–21	11	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ल	औ	लृ	ए	प	ड	ए	भगवती	"	मिथुने अर्क
1867620	[illegible]	[illegible]	[illegible]	12	[illegible]	[illegible]	[illegible]	व	औ	क	च	फ	ढ	ऐ	देवी	"	
1867621	[illegible]	[illegible]	[illegible]	13	[illegible]	[illegible]	[illegible]	श	ऐ	ध	त	ब	ण	ओ	शिवा	"	
[illegible]	[illegible]	सोमवार	34–22	14	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ष	ए	ट	य	भ	त	औ	शाम्भवी	"	पूजा
1867622	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	स	लृ	त	अ	म	थ	अं	काली	भैरवी	
1867623	2	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ह	लृ	प	ए	य	द	अः	कला	"	
1867624	3	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	क्ष	ऋ	द	च	र	ध	क	मालिनी	"	
1867625	4	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ह	ऋ	श	त	ल	न	ख	मातंगी	"	
1867626	5	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]										

[illegible]

1867627	6 जून 2012	[illegible]	34-14	[illegible]	[illegible]
1867628	7	[illegible]	34-14	[illegible]	[illegible]
1867629	8	[illegible]	34-15	6	56-11
1867630	9	[illegible]	34-16	6	64-44
1867631	10	[illegible]	34-17	7	55-22
1867632	11	[illegible]	34-18	8	57-67
1867633	12	मंगलवार	34-19	9	00-00
1867634	13	बुधवार	34-20	9	02-13
1867635	14	गुरुवार	34-20	10	07-45
1867636	15	शुक्रवार	34-21	11	14-01
1867637	16	शनिवार	34-21	12	20-29
1867638	17	रविवार	34-22	13	26-41
1867639	18	सोमवार	34-22	14	32-19
1867640	19	मंगलवार	34-22	30	37-09
1867641	20	बुधवार	34-22	1	41-05
1867642	21	गुरुवार	34-22	2	43-59
1867643	22	शुक्रवार	34-22	3	45-44
1867644	23	शनिवार	34-22	4	46-18

ॐ ऐं ह्रीं श्री [illegible] सूर्य महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, हरिनी [illegible] (तदनुसार दिनांक 12 जुलाई 2012 से 29 जुलाई 2012 पर्यन्त)

[illegible] संवत 2069, शक 1934

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867645	24 जून	रविवार	34–22	5	45–37	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	औ	मालिनी	"	
1867646	25	सोमवार	34–21	6	42–29	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	औ	मातंगी	"	
1867647	26	मंगलवार	34–21	7	40–30	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	विजया	"	
1867648	27	बुधवार	34–20	8	36–10	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	जया	"	कर्क अर्क
1867649	28	गुरूवार	34–20	9	30–60	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	भगवती	"	
1867650	29	शुक्रवार	34–19	10	24–33	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	देवी	"	पूजा
1867651	30	शनिवार	34–18	11	17–32	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	शिवा	"	
1867652	1 जुलाई 2012	रविवार	34–18	12	10–00	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	शाम्भवी / काली	परापरमयी	
1867653	2	सोमवार	34–17	13–14	02–09 54–21	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	कला	"	
1867654	3	मंगलवार	34–16	15	46–51	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	मालिनी	"	
1867655	4	बुधवार	34–14	1	40–03	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	मातंगी	"	
1867656	5	गुरूवार	34–13	2	34–20	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	विजया	"	
1867657	6	शुक्रवार	34–12	3	30–01	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	जया	"	पूजा
1867658	7	शनिवार	34–11	4	27–28	[illegible]	जंझंझट	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	भगवती	"	
1867659	8	रविवार	34–09	5	26–51	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	देवी	"	
1867660	9	सोमवार	34–08	6	28–16	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	"	
1867661	10	मंगलवार	34–06	7	31–36	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	"	
1867662	11	बुधवार	34–04	8	36–32	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, हरिणी ऋतौ, ग्ॡं त्वरिता मासे (तदनुसार दिनांक 12 जुलाई 2012 से 29 जुलाई 2012 पर्यन्त)

श्रावण कृष्ण 9 से श्रावण शुक्ल 11 — संवत् 2069, शकः 1934

[illegible]	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867663	12 जुलाई	गुरुवार	34-03	9	42-31	र	दंरं	र	औ	अ	च	ट	गं	औ	मालिनी	"	
1867664	13	शुक्रवार	34-01	10	48-57	लंव	नंपंफंब	व	औ	लृ	त	ठ	घं	औ	मातंगी	"	
1867665	14	शनिवार	33-59	11	55-09	श	भंमं	न	अं	क	य	ढ	ङ	अं	विजया	"	
1867666	15	रविवार	33-57	12	60-00	ष	यंरं	प	अं	च	अ	ढ	चं	अः	जया	"	
1867667	16	सोमवार	33-55	12	00-38	ष	यंरं	फ	औ	ट	ए	णं	छं	कं	भगवती	"	कर्क अर्क
1867668	17	मंगलवार	33-53	13	05-04	स	लंवं	ब	औ	त	च	तं	जं	खं	देवी	"	
1867669	18	बुधवार	33-51	14	08-14	ह	शंषं	भ	ऐ	प	त	थं	झं	ऋ	शिवा	"	पूजा
1867670	19	गुरुवार	33-49	30	10-08	क्षं	संहंक्षं	म	ए	य	य	दं	ञं	ॠ	शाम्भवी	"	
1867671	20	शुक्रवार	33-46	1	10-47	अं	अंकं	य	लृ	श	अ	धं	टं	लृ	काली	परापरमयी	
1867672	21	शनिवार	33-44	2	10-14	क	खंगं	र	लॄ	अ	ए	नं	ठं	लॄ	कला	"	
1867673	22	रविवार	33-41	3	08-36	ख	घंङ	ल	ऋ	लृ	च	पं	डं	एं	मालिनी	"	
1867674	23	सोमवार	33-39	4	06-02	ग	चंछं	व	ॠ	क	त	फं	ढं	ऐं	मातंगी	"	
1867675	24	मंगलवार	33-36	5-6	02-40 58-37	घंङंच	जंझंञटंठंडं	श	ऊ	च	य	बं	णं	ओं	विजया	"	
1867676	25	बुधवार	33-34	7	53-58	छ	ढंणं	ष	उ	ट	अ	भं	तं	औं	जया	"	
1867677	26	गुरुवार	33-31	8	48-47	ज	तंथं	स	ई	त	ए	मं	थं	अं	भगवती	"	पूजा
1867678	27	शुक्रवार	33-28	9	43-10	झ	दंधं	ह	इ	प	च	यं	दं	अः	देवी	"	
1867679	28	शनिवार	33-26	10	37-12	ञट	नंपंफंबं	क्ष	आ	य	त	रं	धं	कं	शिवा	"	
1867680	29	रविवार	33-23	11	30-58	ठ	भंमं	क्ष	अं	श	य	लं	नं	खं	शाम्भवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सात्वे, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रात्रे, स्ल्ख्फ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, भ्रामरी ऋतौ, लृं कुलसुन्दरी मासे (तदनुसार दिनांक 30 जुलाई 2012 से 16 अगस्त 2012 पर्यन्त)

श्रावण शुक्ल 12 से भाद्रपद कृष्ण 14 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1867681	30 जुलाई	सोमवार	33–20	12	24–40	ह	यंरं	अं	अं	अ	अ	लृ	अं	ऋ	काली	माता	श्रीकरी योग
1867682	31	मंगलवार	33–17	13	18–28	ह	लंवं	क	आं	लु	ए	लृ	आं	ॠ	कला	"	
1867683	1 अगस्त 2012	बुधवार	33–14	14	12–40	भ	शंषं	ख	इ	क	च	ए	इ	लृ	मालिनी	"	पूजा, मोहिनी योग
1867684	2	गुरूवार	33–11	15	07–34	तंथं	सांहंक्षं	ग	ई	घ	त	ऐ	ई	लॄ	मातंगी	"	
1867685	3	शुक्रवार	33–08	1	03–31	द	अंकं	घ	उ	ट	थ	औ	उ	ए	विजया	"	
1867686	4	शनिवार	33–05	2–3	00–49 59–47	धंनं	खंगंघंङं	ङ	ऊ	त	अ	औ	ऊ	ऐ	जया	"	
1867687	5	रविवार	33–02	4	60–00	प	चंछं	च	ऋ	प	ए	अं	ऋ	औ	भगवती	"	
1867688	6	सोमवार	32–59	4	00–29	प	जंझं	छ	ॠ	ठ	च	अ	ॠ	औ	देवी	"	
1867689	7	मंगलवार	32–55	5	03–03	फंबं	ञंटंठं	ज	लृ	श	त	क	लृ	अं	शिवा	"	
1867690	8	बुधवार	32–52	6	07–20	भ	ठंडं	झ	लृ	अ	थ	ख	लृ	अः	शाम्भवी	"	
1867691	9	गुरूवार	32–49	7	12–54	म	ढंणं	ञ	ए	लृ	अ	ग	ए	क	काली	कुमारी	श्रीकाली जयंती, पूजा
1867692	10	शुक्रवार	32–46	8	19–12	य	तंथं	ट	ऐ	क	ए	घ	ऐ	ख	कला	"	
1867693	11	शनिवार	32–42	9	25–33	र	दंधं	ठ	ओ	च	च	ङ	ओ	ग	मालिनी	"	
1867694	12	रविवार	32–39	10	31–17	लंवं	नंपंफं	ड	औ	ट	त	च	औ	घ	मातंगी	"	
1867695	13	सोमवार	32–35	11	35–49	श	बंभं	ढ	अं	त	थ	छ	अं	ङ	विजया	"	
1867696	14	मंगलवार	32–32	12	38–50	ष	यंरं	ण	अः	प	अ	ज	अः	च	जया	"	
1867697	15	बुधवार	32–28	13	40–13	स	लंवं	त	औ	य	ए	झ	क	ए	भगवती	"	सिद्धि अर्क
1867698	16	गुरूवार	32–25	14	39–58	ह	शंषं	थ	औ	श	च	ञ	ख	ऐ	देवी	"	

ॐ ऐ ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, सहखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, भ्रामरी ऋतौ, लृं कुलसुन्दरी मासे (तदनुसार दिनांक 17 अगस्त 2012 से 3 सितम्बर 2012 पर्यन्त)
प्रथम भाद्रपद कृष्ण 30 से द्वितीय भाद्रपद कृष्ण 3 – संवत् 2069, शक: 1934

[illegible]	[illegible]	वार	[illegible]	तिथि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867699	17 अगस्त	शुक्रवार	32–21	30	38–16	अंक्षं	संहक्षं	द	ऐ	अ	त	ट	गं	ओं	शिवा	"	पूजा
1867700	18	शनिवार	32–18	1	35–19	अं	अंकं	ध	ए	लृ	य	ठ	घं	औं	शाम्भवी	"	
1867701	19	रविवार	32–14	2	31–25	कं	खंगं	न	ऌ	क	अ	ड	ङं	अं	काली	शक्ति	
1867702	20	सोमवार	32–10	3	26–48	खं	घंङं	प	लृ	च	ए	ढ	चं	अः	कला	"	
1867703	21	मंगलवार	32–07	4	21–45	गं	चंछं	फ	ॠ	ट	च	णं	छं	कं	मालिनी	"	
1867704	22	बुधवार	32–03	5	16–29	घंङं	जंझंञंटं	ब	ऋ	त	त	तं	जं	खं	मातंगी	"	
1867705	23	गुरुवार	31–59	6	11–07	चं	ठंडं	भ	ऊ	प	य	थं	झं	ऋं	विजया	"	
1867706	24	शुक्रवार	31–56	7	05–46	छं	ढंणं	म	उ	य	अ	दं	ञं	ॠं	जया	"	पूजा
1867707	25	शनिवार	31–52	8–9	00–30 55–23	जंझं	तंथंदंधं	य	ई	श	ए	धं	टं	लृं	भगवती	"	
1867708	26	रविवार	31–48	10	50–25	ञंटं	नंपंफंबं	र	इ	अ	च	नं	ठं	ॡं	देवी	"	
1867709	27	सोमवार	31–44	11	45–44	ठं	भंमं	ल	आ	लृ	त	पं	डं	एं	शिवा	"	
1867710	28	मंगलवार	31–40	12	41–27	डं	यंरं	व	अं	क	य	फं	ढं	ऐं	शाम्भवी	"	
1867711	29	बुधवार	31–37	13	37–47	ढं	लंवं	श	अं	च	अ	बं	णं	ओं	काली	शंकरवल्लभा	
1867712	30	गुरुवार	31–33	14	34–56	णं	शंषं	ष	आं	ट	ए	भं	तं	औं	कला	"	
1867713	31	शुक्रवार	31–29	15	33–07	तंथं	संहक्षं	स	इ	त	च	मं	थं	अं	मालिनी	"	पूजा
1867714	1सितंबर 2012	शनिवार	31–25	1	32–36	दं	अंकं	ह	ई	प	त	यं	दं	अः	मातंगी	"	
1867715	2	रविवार	31–21	2	33–32	धं	खंगं	ळ	उ	य	य	रं	धं	कं	विजया	"	
1867716	3	सोमवार	31–17	3	36–00	नं	घंङं	क्ष	ऊ	श	अ	लं	नं	खं	जया	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्ण, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें सर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, भ्रामरी ऋती, लृं नित्या मासे (तदनुसार दिनांक 4 सितम्बर 2012 से 21 सितम्बर 2012 पर्यन्त)

द्वितीय भाद्रपद कृष्ण 4 से द्वितीय भाद्रपद शुक्ल 6 – संवत् 2069, शक: 1934

[illegible]	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867717	4 सितम्बर 2012	मंगलवार	31–13	4	39–59	च	चंछ	अं	ऋ	अ	ए	लृ	अं	ऋ	भगवती	"	
1867718	5	बुधवार	31–09	5	45–16	फंबं	जंझंञट	क	ॠ	लृ	च	लॄ	आं	ॠ	देवी	"	
1867719	6	गुरुवार	31–05	6	51–27	मं	ठंढ	ख	लृ	क	त	ए	इ	लृ	शिवा	"	मोहिनी योग
1867720	7	शुक्रवार	31–01	7	57–59	मं	ढंण	ग	लॄ	च	य	ऐ	ई	लॄ	शाम्भवी	"	
1867721	8	शनिवार	30–57	8	60–00	यं	तंथं	घ	ए	ट	अ	औ	उ	ए	काली	त्रिनयना	पूजा
1867722	9	रविवार	30–53	8	04–09	यं	तंथं	ङ	ऐ	त	ए	औ	ऊ	ऐ	कला	"	
1867723	10	सोमवार	30–49	9	09–15	रं	दंधं	च	ओ	प	च	अं	ऋ	औ	मालिनी	"	श्रीकरी योग
1867724	11	मंगलवार	30–45	10	12–48	लंवं	नंपंफंबं	छ	औ	य	त	अः	ॠ	औ	मातंगी	"	
1867725	12	बुधवार	30–41	11	14–29	शं	भंमं	ज	अं	श	य	क	लृ	अं	विजया	"	
1867726	13	गुरुवार	30–37	12	14–12	षं	यंरं	झ	अं	अ	अ	ख	लॄ	अः	जया	"	
1867727	14	शुक्रवार	30–33	13	12–04	सं	लंवं	ञ	औ	लृ	ए	ग	ए	क	भगवती	"	
1867728	15	शनिवार	30–29	14	08–20	हं	शंषं	ट	ओ	क	च	घ	ऐ	ख	देवी	"	पूजा
1867729	16	रविवार	30–25	30–1	03–16 57–18	ळंक्षंअं	संहंळंक्षंअंक	ठ	ऐ	च	त	ङ	ओ	ऋ	शिवा	"	कन्यायां अर्क
1867730	17	सोमवार	30–21	2	50–44	कं	खंगं	ड	ए	ट	य	च	औ	ॠ	शाम्भवी	"	
1867731	18	मंगलवार	30–17	3	43–56	खं	घंङ	ढ	लॄ	त	अ	छ	अं	लृ	काली	वाग्वादिनी	
1867732	19	बुधवार	30–13	4	37–13	गं	चंछ	ण	लृ	प	ए	ज	अः	लॄ	कला	"	
1867733	20	गुरुवार	30–09	5	30–46	घंङ	जंझंञट	त	ॠ	य	च	झ	क	ए	मालिनी	"	
1867734	21	शुक्रवार	30–05	6	24–48	च	ठंढ	थ	ऋ	श	त	ञ	ख	ऐ	मातंगी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रागे, स्हक्ष्फ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, भ्रामरी ऋती, लृं नित्या मासे (तदनुसार दिनांक 22 सितम्बर 2012 से 9 अक्टूबर 2012 पर्यन्त)

द्वितीय भाद्रपद शुक्ल 7 से आश्विन कृष्ण 9 – संवत् 2069, शकः 1934

[illegible]	[illegible]	वार	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1867735	22 सितम्बर	शनिवार	30–01	7	19–25	छ	इंग	द	ळ	अ	य	ट	गं	औ	विजया	"	पूजा
1867736	23	रविवार	29–57	8	14–42	जं	तंथं	ध	उ	लृ	अ	ठ	घं	औ	जया	"	
1867737	24	सोमवार	29–53	9	10–42	झं	दंधं	न	ई	क	ए	ड	ङ	अं	भगवती	"	
1867738	25	मंगलवार	29–49	10	07–29	ञटं	नंपंफंबं	प	ई	च	च	ढ	चं	अः	देवी	"	
1867739	26	बुधवार	29–45	11	05–07	ठं	भंमं	फ	ओं	ट	त	णं	छं	कं	शिवा	"	
1867740	27	गुरुवार	29–41	12	03–43	डं	यंरं	ब	अं	त	य	तं	जं	खं	शाम्भवी	"	श्रीभुवनेश्वरी जयंती
1867741	28	शुक्रवार	29–37	13	03–20	ढं	लंवं	भ	अं	प	अ	थं	झं	ऋं	काली	भैरवी	अनन्त चतुर्दशी
1867742	29	शनिवार	29–32	14	04–04	णं	शंषं	म	ओं	य	ए	दं	ञ	ॠ	कला	"	पूजा
1867743	30	रविवार	29–28	15	05–58	तंथं	संहंळंक्षं	य	इ	श	च	धं	टं	लृ	मालिनी	"	
1867744	1अक्टूबर 2012	सोमवार	29–24	1	09–05	दं	अंकं	र	ई	अ	त	नं	ठं	लॄ	मातंगी	"	
1867745	2	मंगलवार	29–20	2	13–21	धं	खंगं	ल	उ	लृ	य	पं	डं	ए	विजया	"	
1867746	3	बुधवार	29–16	3	18–42	नं	घंङ	व	ऊ	क	अ	फं	ढं	ऐ	जया	"	
1867747	4	गुरुवार	29–12	4	24–55	पं	चंछं	श	ऋ	च	ए	बं	णं	ओ	भगवती	"	
1867748	5	शुक्रवार	29–08	5	31–33	फंबं	जंझंञट	ष	ॠ	ट	च	भं	तं	औ	देवी	"	
1867749	6	शनिवार	29–04	6	38–07	भं	ठंडं	स	लृ	त	त	मं	थं	अं	शिवा	"	
1867750	7	रविवार	29–00	7	43–55	मं	ढंण	ह	लॄ	प	य	यं	दं	अः	शाम्भवी	"	
1867751	8	सोमवार	28–56	8	48–23	यं	तंथं	ळ	ए	य	अ	रं	धं	कं	काली	ह्रींकारी	पूजा
1867752	9	मंगलवार	28–52	9	51–04	रं	दंधं	क्ष	ऐ	श	ए	लं	नं	खं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सात्वे, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, गौरी ऋतौ, एं नीलपताका मासे (तदनुसार दिनांक 10 अक्टूबर 2012 से 27 अक्टूबर 2012 पर्यन्त)

आश्विन कृष्ण 10 से आश्विन शुक्ल 13 – संवत् 2069, शक: 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	शिवा	महाविद्या	पूजा
1867753	10 अक्टूबर 2012	बुधवार	28–48	10	51–40	लंवं	नंपंफंबं	अं	औ	अ	च	लृ	अं	ॠ	मालिनी	"	
1867754	11	गुरुवार	28–44	11	50–09	शं	भंमं	क	औ	लृ	त	ॡ	आं	ॠ	मातंगी	"	
1867755	12	शुक्रवार	28–40	12	46–39	षं	यंरं	ख	अं	क	य	ए	ई	लृ	विजया	"	मोहिनी योग
1867756	13	शनिवार	28–36	13	41–27	सं	लंवं	ग	अं	च	अ	ऐ	ई	ॡ	जया	"	
1867757	14	रविवार	28–32	14	34–53	हं	शंषं	घ	औ	ट	ए	ओ	उं	एं	भगवती	"	पूजा, विमला योग
1867758	15	सोमवार	28–28	30	27–20	ळंक्षं	संहंळंक्षं	ङ	औ	त	च	औ	ऊं	ऐं	देवी	"	
1867759	16	मंगलवार	28–24	1	19–14	अं	अंकं	च	ऐ	प	त	अं	ऋ	औ	शिवा	"	तुलायां अर्क,नवरात्र आरंभ
1867760	17	बुधवार	28–20	2	10–57	कं	खंगं	छ	ए	य	य	अः	ॠ	औ	शाम्भवी	"	पूजा
1867761	18	गुरुवार	28–16	3–4	02–50 58–13	खंगं	घंङंचंछं	ज	ॡ	श	अ	क	लृ	अं	काली	त्रिपुरा	पूजा
1867762	19	शुक्रवार	28–12	5	48–21	घंङ	जंझंञंटं	झ	लृ	अ	ए	ख	ॡ	अः	कला	"	पूजा, विमला योग
1867763	20	शनिवार	28–09	6	42–30	चं	ठंडं	ञ	ॠ	लृ	च	ग	एं	क	मालिनी	"	पूजा
1867764	21	रविवार	28–05	7	37–47	छं	ढंणं	ट	ऋ	क	त	घ	ऐं	ख	मातंगी	"	पूजा
1867765	22	सोमवार	28–01	8	34–21	जं	तंथं	ठ	ऊ	च	य	ङ	औ	ऋ	विजया	"	पूजा
1867766	23	मंगलवार	27–57	9	32–19	झं	दंधं	ड	उ	ट	अ	च	औ	ॠ	जया	"	पूजा
1867767	24	बुधवार	27–53	10	31–38	ञंटं	नंपंफंबं	ढ	ई	त	ए	छ	अं	लृ	भगवती	"	पूजा, विमला योग
1867768	25	गुरुवार	27–49	11	32–19	ठं	भंमं	ण	इ	प	च	ज	अः	ॡ	देवी	"	
1867769	26	शुक्रवार	27–46	12	34–17	डं	यंरं	त	आ	य	त	झ	कं	एं	शिवा	"	श्रीकरी योग
1867770	27	शनिवार	27–42	13	37–26	ढं	लंवं	थ	अं	श	य	ञ	खं	ऐं	शाम्भवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्तौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, गौरी ऋतौ, एं नीलपताका मासे (तदनुसार दिनांक 10 अक्टूबर 2012 से 27 अक्टूबर 2012 पर्यन्त)

आश्विन कृष्ण 10 से आश्विन शुक्ल 13 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
1867753	10 अक्टूबर 2012	बुधवार	28–48	10	51–40	लंवं	नंपफंबं	अं	औ	अ	च	लृ	अं	ॠ	मालिनी	-	
1867754	11	गुरुवार	28–44	11	50–09	शं	भंमं	कं	औ	लृ	त	लृ	आं	ॡ	मातंगी	-	
1867755	12	शुक्रवार	28–40	12	46–39	षं	यंरं	खं	अं	क	य	ए	ई	लृ	विजया	-	मोहिनी योग
1867756	13	शनिवार	28–36	13	41–27	सं	लंवं	गं	अं	च	अ	ऐ	ई	लृ	जया	-	
1867757	14	रविवार	28–32	14	34–53	हं	शंषं	घं	औ	ट	ए	ओ	उ	ए	भगवती	-	पूजा, विमला योग
1867758	15	सोमवार	28–28	30	27–20	क्षं	संहंक्षं	ङं	औ	त	च	औ	ऊ	ऐ	देवी	-	
1867759	16	मंगलवार	28–24	1	19–14	अं	अंकं	चं	ऐ	प	त	अं	ॠ	ओ	शिवा	-	तुलायां अर्क,नवरात्र आरंभ
1867760	17	बुधवार	28–20	2	10–57	कं	खंगं	छं	ए	य	म	ऊ	ॡ	औ	शाम्भवी	-	पूजा
1867761	18	गुरुवार	28–16	3–4	02–50 55–13	खंगं	घंङंचं	जं	लृ	श	अ	कं	लृ	अं	काली	त्रिपुरा	पूजा
1867762	19	शुक्रवार	28–12	5	48–21	घंङं	जंझंञट	झं	लृ	अ	ए	खं	लृ	अ	कला	-	पूजा, विमला योग
1867763	20	शनिवार	28–09	6	42–30	चं	ठंडं	ञं	ॡ	लृ	च	गं	ए	कं	मालिनी	-	पूजा
1867764	21	रविवार	28–05	7	37–47	छं	ढंणं	टं	ॠ	क	त	घं	ऐ	खं	मातंगी	-	पूजा
1867765	22	सोमवार	28–01	8	34–21	जं	तंथं	ठं	ऊ	च	य	ङं	औ	ॠ	विजया	-	पूजा
1867766	23	मंगलवार	27–57	9	32–19	झं	दंधं	डं	उ	ट	अ	चं	औ	ॡ	जया	-	पूजा
1867767	24	बुधवार	27–53	10	31–38	ञट	नंपफंबं	ढं	ई	त	ए	छं	अं	लृ	भगवती	-	पूजा, विमला योग
1867768	25	गुरुवार	27–49	11	32–19	ठ	भंमं	णं	ई	प	च	जं	अः	लृ	देवी	-	
1867769	26	शुक्रवार	27–46	12	34–17	ड	यंरं	तं	आं	य	त	झं	कं	ए	शिवा	-	[illegible] योग
1867770	27	शनिवार	27–42	13	37–26	ढ	लंवं	थं	अं	श	म	ञ	खं	ऐ	शाम्भवी	-	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, गौरी ऋतौ, एं नीलपताका मासे (तदनुसार दिनांक 28 अक्टूबर 2012 से 14 नवम्बर 2012 पर्यन्त)

आश्विन शुक्ल 14 से कार्तिक शुक्ल 1 – संवत् 2069, शकः 1934

1867771	28 अक्टूबर	रविवार	27–38	14	41–35	नं	शंख	दं	अं	अ	अ	टं	मं	औं	काली	[illegible]	
1867772	29	सोमवार	27–35	15	46–38	तंथं	संहंअं	थं	आं	लृ	ए	ठं	घं	औं	कला	"	पूजा, विमल योग
1867773	30	मंगलवार	27–31	1	52–25	दं	अंकं	नं	इं	क	च	ढं	ठं	अं	मालिनी	"	
1867774	31	बुधवार	27–27	2	58–45	धं	खंग	पं	ईं	च	त	ढं	चं	अः	मातंगी	"	
1867775	1 नवंबर 2012	गुरुवार	27–24	3	60–00	नं	धंडं	फं	उं	ट	य	णं	छं	कं	विजया	"	
1867776	2	शुक्रवार	27–20	3	05–22	नं	धंडं	बं	ऊं	त	अ	तं	जं	खं	जया	"	
1867777	3	शनिवार	27–17	4	12–00	पं	चंछं	भं	ऋं	प	ए	थं	झं	ऋं	भगवती	"	विमला योग
1867778	4	रविवार	27–13	5	18–11	फंबं	जंझंञंटं	मं	ॠं	य	च	दं	ञ	ॠं	देवी	"	
1867779	5	सोमवार	27–10	6	23–22	भं	ठंढं	यं	लृं	श	त	धं	टं	लृं	शिवा	"	
1867780	6	मंगलवार	27–06	7	27–05	मं	ढंणं	रं	ॡं	अ	य	नं	ठं	ॡं	शाम्भवी	"	पूजा
1867781	7	बुधवार	27–03	8	28–58	यं	तंथं	लं	एं	लृ	अ	पं	डं	एं	काली	माता	पूजा
1867782	8	गुरुवार	27–00	9	28–49	रं	दंधं	वं	ऐं	क	ए	फं	ढं	ऐं	कला	"	विमला योग
1867783	9	शुक्रवार	26–56	10	26–34	लंवं	नंपंफंबं	शं	ओं	च	च	बं	णं	ओं	मालिनी	"	
1867784	10	शनिवार	26–53	11	22–23	शं	भंमं	षं	औं	ट	त	भं	तं	औं	मातंगी	"	
1867785	11	रविवार	26–50	12	16–28	षं	यंरं	सं	अं	त	य	मं	थं	अं	विजया	"	
1867786	12	सोमवार	26–47	13	09–10	सं	लंवं	हं	अं	प	अ	यं	दं	अः	जया	"	श्रीधूमावति जयंती
1867787	13	मंगलवार	26–44	14–30	00–50 51–55	हंक्षं	शंषंसंहंक्षं	ळं	औं	य	ए	रं	धं	कं	भगवती	"	श्रीकमला जयंती, पूजा, विमला योग
1867788	14	बुधवार	26–41	1	42–42	अं	अंकं	क्षं	औं	श	च	लं	नं	खं	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हक्ष्फ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, गौरी ऋतौ, ऐं विजया मासे (तदनुसार दिनांक 3 दिसम्बर 2012 से 20 दिसम्बर 2012 पर्यन्त)

मार्गशीर्ष कृष्ण 5 से मार्गशीर्ष शुक्ल 8 — संवत् 2069, शक: 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867807	3 दिसम्बर 2012	सोमवार	25–55	5	60–00	कंवं	जंझंत्रट	द	ॠ	अ	ए	ट	गं	ओ	भगवती	"	
1867808	4	मंगलवार	25–53	5	01–04	कंवं	जंझंत्रट	ध	ऋ	लृ	च	ठ	घं	औ	देवी	"	
1867809	5	बुधवार	25–51	6	03–47	धं	ठंडं	न	लॄ	क	त	ड	ङ	अं	शिवा	"	
1867810	6	गुरुवार	25–50	7	04–50	मं	ढंणं	प	लृ	च	य	ढ	चं	अः	शाम्भवी	"	पूजा
1867811	7	शुक्रवार	25–48	8	04–06	यं	तंथं	फ	ए	ट	अ	णं	छं	कं	काली	शंकरवल्लभा	
1867812	8	शनिवार	25–47	9–10	01–32 57–15	रंलंवं	दंधंनंपंफंबं	ब	ऐ	त	ए	तं	जं	खं	कला	"	
1867813	9	रविवार	25–46	11	51–21	शं	भंमं	भं	ओ	प	च	थं	झं	ॠ	मालिनी	"	
1867814	10	सोमवार	25–45	12	44–06	षं	यंरं	मं	औ	य	त	दं	ञं	ऋ	मातंगी	"	
1867815	11	मंगलवार	25–44	13	35–48	सं	लंवं	यं	अं	श	य	धं	टं	लृ	विजया	"	श्रीकरी योग
1867816	12	बुधवार	25–43	14	26–49	हं	शंषं	रं	अः	अ	अ	नं	ठं	लॄ	जया	"	पूजा
1867817	13	गुरुवार	25–42	30	17–29	ळंक्षं	संहंळंक्षं	लं	औ	लृ	ए	पं	डं	ए	भगवती	"	
1867818	14	शुक्रवार	25–41	1–2	08–17 59–38	अंकं	अंकंखंगं	वं	ओ	क	च	फं	ढं	ऐ	देवी	"	
1867819	15	शनिवार	25–41	3	51–55	खं	घंङं	शं	ऐ	च	त	बं	णं	औ	शिवा	"	धनु अर्क
1867820	16	रविवार	25–40	4	45–35	गं	चंछं	षं	ए	ट	य	भं	तं	औ	शाम्भवी	"	
1867821	17	सोमवार	25–39	5	41–00	घंङं	जंझंत्रट	सं	लृ	त	अ	मं	थं	अं	काली	त्रिनयना	
1867822	18	मंगलवार	25–39	6	38–27	चं	ठंडं	हं	लृ	प	ए	यं	दं	अः	कला	"	
1867823	19	बुधवार	25–39	7	38–05	छं	ढंणं	ळं	ऋ	य	च	रं	धं	कं	मालिनी	"	
1867824	20	गुरुवार	25–39	8	39–51	जं	तंथं	क्षं	ॠ	श	त	लं	नं	खं	मातंगी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्ण, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्व, क्लीं रामे, स्सखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, लक्ष्मी ऋतौ, ओं सर्वमंगला मासे (तदनुसार दिनांक 21 दिसम्बर 2012 से 7 जनवरी 2013 पर्यन्त)

मार्गशीर्ष शुक्ल 9 से पौष कृष्ण 10 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867825	21 दिसम्बर 2012	शुक्रवार	25–39	9	43–34	झं	दंधं	अं	ऊं	अ	य	लुं	अं	ऋं	विजया	"	
1867826	22	शनिवार	25–39	10	48–49	अट	नंपफंब	कं	उं	लृ	अ	लृं	आं	ॠं	जया	"	
1867827	23	रविवार	25–39	11	55–06	ठ	भंमं	खं	ईं	क	ए	एं	इं	लुं	भगवती	"	मोहिनी योग
1867828	24	सोमवार	25–39	12	60–00	डं	यंरं	गं	इं	च	च	ऐं	ईं	लृं	देवी	"	
1867829	25	मंगलवार	25–39	12	01–51	ढं	यंरं	घं	आं	ट	त	ओं	उं	एं	शिवा	"	
1867830	26	बुधवार	25–40	13	08–40	ढं	लंवं	ङं	अं	त	य	औं	ऊं	ऐं	शाम्भवी	"	
1867831	27	गुरुवार	25–40	14	15–08	णं	शंषं	चं	अं	प	अ	अं	ऋं	ओं	काली	वाग्वादिनी	श्रीत्रिपुरभैरवी जयंती,पूजा
1867832	28	शुक्रवार	25–41	15	21–05	तंथं	संहंळंक्षं	छं	आं	य	ए	अः	ॠं	औं	कला	"	श्री दत्त जयंती
1867833	29	शनिवार	25–42	1	26–19	दं	अंकं	जं	इं	श	च	कं	लुं	अं	मालिनी	"	
1867834	30	रविवार	25–42	2	30–44	धं	खंगं	झं	ईं	अ	त	खं	लृं	अः	मातंगी	"	
1867835	31	सोमवार	25–43	3	34–13	नं	घंङं	ञं	उं	लृ	य	गं	एं	कं	विजया	"	
1867836	1जनवरी 2013	मंगलवार	25–44	4	36–37	पं	चंछं	टं	ऊं	क	अ	घं	ऐं	खं	जया	"	
1867837	2	बुधवार	25–46	5	37–51	फंबं	जंझंञंटं	ठं	ऋं	च	ए	ङं	ओं	ऋं	भगवती	"	
1867838	3	गुरुवार	25–47	6	37–48	भं	ठंडं	डं	ॠं	ट	च	चं	औं	ॠं	देवी	"	
1867839	4	शुक्रवार	25–48	7	36–24	मं	ढंणं	ढं	लुं	त	त	छं	अं	लुं	शिवा	"	
1867840	5	शनिवार	25–49	8	33–37	यं	तंथं	णं	लृं	प	य	जं	अः	लृं	शाम्भवी	"	पूजा
1867841	6	रविवार	25–51	9	29–28	रं	दंधं	तं	एं	य	अ	झं	कं	एं	काली	भैरवी	
1867842	7	सोमवार	25–52	10	24–01	लंवं	नंपफंबं	थं	ऐं	श	ए	ञं	खं	ऐं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्त्खफ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृतौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, लक्ष्मी ऋतौ, औं सर्वमंगला मासे (तदनुसार दिनांक 8 जनवरी 2013 से 25 जनवरी 2013 पर्यन्त)

पौष कृष्ण 11 से पौष शुक्ल 14 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867843	8 जनवरी 2013	मंगलवार	25–54	11	17–13	शं	भंमं	दं	औ	अ	च	टं	गं	औ	मालिनी	"	
1867844	9	बुधवार	25–56	12	09–49	षं	यंरं	घं	औ	लृ	त	ठं	घं	औ	मातंगी	"	
1867845	10	गुरुवार	25–58	13–14	01–35 53–04	संहं	लंवंशंषं	मं	अं	क	य	डं	ङ	अं	विजया	"	
1867846	11	शुक्रवार	26–00	30	44–37	क्षं	संहंक्षं	पं	अं	च	अ	ढं	चं	अः	जया	"	पूजा
1867847	12	शनिवार	26–02	1	36–43	अं	अंकं	फं	औ	ट	ए	णं	छं	कं	भगवती	"	
1867848	13	रविवार	26–04	2	29–47	कं	खंगं	बं	औ	त	च	तं	जं	खं	देवी	"	मकरे अर्क
1867849	14	सोमवार	26–06	3	24–18	खं	घंङं	भं	ऐ	प	त	थं	झं	ऋ	शिवा	"	
1867850	15	मंगलवार	26–08	4	20–37	गं	चंछं	मं	ए	य	य	दं	ञ	ॠ	शाम्भवी	"	
1867851	16	बुधवार	26–10	5	19–02	घंङं	जंझंञंटं	यं	लृ	श	अ	धं	टं	लृ	काली	ह्रींकारी	
1867852	17	गुरुवार	26–13	6	19–39	चं	ठंडं	रं	लॄ	अ	ए	नं	ठं	लॄ	कला	"	
1867853	18	शुक्रवार	26–15	7	22–27	छं	ढंणं	लं	ऋ	लृ	च	पं	डं	एं	मालिनी	"	पूजा
[illegible]	[illegible]	शनिवार	26–18	8	27–08	जं	तंथं	वं	ॠ	क	त	फं	ढं	ऐं	मातंगी	"	पूजा
1867836	2013	[illegible]	[illegible]	9	33–11	झं	दंधं	शं	ऊ	च	य	बं	णं	ओं	विजया	"	
1867837	2	[illegible]	[illegible]	10	40–00	[illegible]	नंपंफंबं	षं	उ	ट	अ	भं	तं	औं	जया	"	
1867838	3	[illegible]	[illegible]	11	[illegible]	[illegible]	भंमं	सं	ई	त	ए	मं	थं	अं	भगवती	"	
1867839	4	[illegible]	[illegible]	12	[illegible]	[illegible]	[illegible]	हं	इ	प	च	यं	दं	अः	देवी	"	
1867840	5	[illegible]	[illegible]	13	[illegible]	[illegible]	[illegible]	ळं	आ	य	त	रं	धं	कं	शिवा	"	
1867841	6	[illegible]	[illegible]	14	[illegible]	[illegible]	[illegible]	क्षं	अ	श	च	लं	नं	खं	शाम्भवी	"	
1867842	7	सोमवार	25–52	10	24–01	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]						

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, लक्ष्मी ऋतौ, औं ज्वालामालिनी मासे (तदनुसार दिनांक 26 जनवरी 2013 से 12 फरवरी 2013 पर्यन्त)

पौष शुक्ल 14 से माघ शुक्ल 2 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुभासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867861	26 जनवरी 2013	शनिवार	26–37	14	03–31	नं	शंषं	अं	अं	अ	अ	लृं	अं	ऋं	काली	त्रिपुरा	पूजा, श्रीकरी योग
1867862	27	रविवार	26–40	15	06–54	तंथं	संहंळंक्षं	कं	आं	लृ	ए	लॄं	आं	ॠं	कला	"	मोहिनी योग
1867863	28	सोमवार	26–43	1	09–11	दं	अंकं	खं	इं	क	च	एं	इं	लृं	मालिनी	"	
1867864	29	मंगलवार	26–46	2	10–22	धं	खंगं	गं	ईं	च	त	ऐं	ईं	ॡं	मातंगी	"	
1867865	30	बुधवार	26–49	3	10–33	नं	घंङं	घं	उं	ट	य	ओं	उं	एं	विजया	"	
1867866	31	गुरूवार	26–53	4	09–49	पं	चंछं	ङं	ऊं	त	अ	औं	ऊं	ऐं	जया	"	
1867867	1 फरवरी 2013	शुक्रवार	26–56	5	08–12	फंबं	जंझंञंटं	चं	ऋं	प	ए	अं	ऋं	ओं	भगवती	"	
1867868	2	शनिवार	26–59	6	05–44	भं	ठंडं	छं	ॠं	य	च	अः	ॠं	औं	देवी	"	
1867869	3	रविवार	27–03	7–8	02–24 58–12	मंयं	ढंणंतंथं	जं	लृं	श	त	कं	लृं	अं	शिवा	"	पूजा
1867870	4	सोमवार	27–06	9	53–11	रं	दंधं	झं	ॡं	अ	य	खं	ॡं	अः	शाम्भवी	"	
1867871	5	मंगलवार	27–10	10	47–23	लंवं	नंपंफंबं	ञं	एं	लृ	अ	गं	एं	कं	काली	परापरमयी	
1867872	6	बुधवार	27–13	11	40–56	शं	भंमं	टं	ऐं	क	ए	घं	ऐं	खं	कला	"	
1867873	7	गुरूवार	27–17	12	34–04	षं	यंरं	ठं	ओं	च	च	ङं	ओं	ऋं	मालिनी	"	
1867874	8	शुक्रवार	27–20	13	27–02	सं	लंवं	डं	औं	ट	त	चं	औं	ॠं	मातंगी	"	
1867875	9	शनिवार	27–24	14	20–13	हं	शंषं	ढं	अं	त	य	छं	अं	लृं	विजया	"	पूजा
1867876	10	रविवार	27–27	30	14–01	ळंक्षं	संहंळंक्षं	णं	अं	प	अ	जं	अः	ॡं	जया	"	
1867877	11	सोमवार	27–31	1	08–48	अं	अंकं	तं	औं	य	ए	झं	कं	एं	भगवती	"	
1867878	12	मंगलवार	27–35	2	05–01	कं	खंगं	थं	ओं	श	च	ञं	खं	ऐं	देवी	"	कुम्भे अर्क

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्ण, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, लक्ष्मी ऋतौ, औं ज्वालामालिनी मासे (तदनुसार दिनांक 13 फरवरी 2013 से 2 मार्च 2013 पर्यन्त)

माघ शुक्ल 3 से फाल्गुन कृष्ण 5 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867879	13 फरवरी 2013	बुधवार	27–38	3	02–57	खं	घंढ	दं	ऐ	अ	त	टं	गं	औं	शिवा	"	
1867880	14	गुरूवार	27–42	4	02–49	गं	चंछं	धं	एं	लृ	य	ठं	घं	औं	शाम्भवी	"	
1867881	15	शुक्रवार	27–46	5	04–43	घंड	जंझंञट	नं	लृ	क	अ	डं	ङं	अं	काली	माता	
1867882	16	शनिवार	27–50	6	08–32	चं	ठंढं	पं	लृ	च	ए	ढं	चं	अः	कला	"	
1867883	17	रविवार	27–54	7	13–57	छं	ढंण	फं	ॠ	ट	च	णं	छं	कं	मालिनी	"	पूजा
1867884	18	सोमवार	27–57	8	20–24	जं	तंथं	बं	ऋ	त	त	तं	जं	खं	मातंगी	"	
1867885	19	मंगलवार	28–01	9	27–13	झं	दंधं	भं	ऊ	प	य	थं	झं	ऋ	विजया	"	
1867886	20	बुधवार	28–05	10	33–41	ञट	नंपंफंबं	मं	उ	य	अ	दं	ञं	ॠ	जया	"	
1867887	21	गुरूवार	28–09	11	39–14	ठं	भंमं	यं	ई	श	ए	धं	टं	लृ	भगवती	"	
1867888	22	शुक्रवार	28–13	12	43–28	डं	यंरं	रं	इ	अ	च	नं	ठं	लृ	देवी	"	
1867889	23	शनिवार	28–17	13	46–11	ढं	लंवं	लं	आं	लृ	त	पं	डं	एं	शिवा	"	
1867890	24	रविवार	28–21	14	47–25	णं	शंषं	वं	अं	क	य	फं	ढं	ऐं	शाम्भवी	"	
1867891	25	सोमवार	28–25	15	47–18	तंथं	संहंळंक्षं	शं	अं	च	अ	बं	णं	औं	काली	कुमारी	श्रीललिता जयंती,पूजा
1867892	26	मंगलवार	28–29	1	45–59	दं	अंकं	षं	आं	ट	ए	भं	तं	औं	कला	"	
1867893	27	बुधवार	28–33	2	43–41	धं	खंगं	सं	इं	त	च	मं	थं	अं	मालिनी	"	
1867894	28	गुरूवार	28–37	3	40–39	नं	घंङं	हं	ईं	प	त	यं	दं	अः	मातंगी	"	
1867895	1मार्च 2013	शुक्रवार	28–41	4	37–01	पं	चंछं	ळं	उं	य	य	रं	धं	कं	विजया	"	
1867896	2	शनिवार	28–45	5	32–57	फंबं	जंझंञट	क्षं	ऊं	श	अ	लं	नं	खं	जया	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्ने, षं सात्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, सखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, कुमारिका ऋतौ, अं चित्रा मासे (तदनुसार दिनांक 3 मार्च 2013 से 20 मार्च 2013 पर्यन्त)

फाल्गुन कृष्ण 6 से फाल्गुन शुक्ल 8 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	[illegible]	पूजा
1867897	3 मार्च 2013	रविवार	28–49	6	29–32	भं	तंडं	अं	ऋ	अ	ए	लृ	अं	ऋं	भगवती	"	
1867898	4	सोमवार	28–53	7	23–47	मं	ढंणं	कं	ॠ	लृ	च	लृ	आं	ॠं	देवी	"	पूजा
1867899	5	मंगलवार	28–57	8	18–47	यं	तंथं	खं	लृ	क	त	ए	इं	लृं	शिवा	"	मोहिनी योग
1867900	6	बुधवार	29–01	9	13–33	रं	दंधं	गं	लॄ	च	य	ऐ	ईं	लॄं	शाम्भवी	"	
1867901	7	गुरुवार	29–05	10	08–12	लंवं	नंपंफंबं	घं	ए	ट	अ	ओ	उं	एं	काली	शक्ति	
1867902	8	शुक्रवार	29–10	11–12	02–52 57–44	शंषं	भंमंयंरं	ङं	ऐ	त	ए	औ	ऊं	ऐं	कला	"	
1867903	9	शनिवार	29–14	13	53–07	सं	लंवं	चं	ओ	प	च	अं	ऋं	ओं	मालिनी	"	श्रीकरी योग
1867904	10	रविवार	29–18	14	49–15	हं	शंषं	छं	औ	य	त	अः	ॠं	औं	मातंगी	"	
1867905	11	सोमवार	29–22	30	46–26	क्षं	संहंक्षं	जं	अं	श	य	क	लृं	अं	विजया	"	पूजा
1867906	12	मंगलवार	29–26	1	44–57	अं	अंकं	झं	अः	अ	अ	ख	लॄं	अः	जया	"	
1867907	13	बुधवार	29–30	2	44–58	कं	खंगं	ञं	औ	लृ	ए	ग	एं	कं	भगवती	"	
1867908	14	गुरुवार	29–34	3	46–38	खं	घंङं	टं	ओ	क	च	घ	ऐं	खं	देवी	"	मीने अर्क
1867909	15	शुक्रवार	29–38	4	49–56	गं	चंछं	ठं	ऐ	च	त	ङ	ओं	ऋं	शिवा	"	
1867910	16	शनिवार	29–42	5	54–45	घंङं	जंझंञंटं	डं	ए	ट	य	च	औं	ॠं	शाम्भवी	"	
1867911	17	रविवार	29–47	6	60–00	चं	ठंडं	ढं	लॄ	त	अ	छ	अं	लृं	काली	शंकरवल्लभा	
1867912	18	सोमवार	29–51	6	00–48	चं	ठंडं	णं	लृ	प	ए	ज	अः	लॄं	कला	"	
1867913	19	मंगलवार	29–55	7	07–22	छं	ढंणं	तं	ॠ	य	च	झ	कं	एं	मालिनी	"	पूजा
1867914	20	बुधवार	29–59	8	13–53	जं	तंथं	थं	ऋ	श	त	त्र	खं	ऐं	मातंगी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, थं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्सखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, कुमारिका ऋतौ, अं चित्रा मासे (तदनुसार दिनांक 21 मार्च 2013 से 7 अप्रैल 2013 पर्यन्त)

फाल्गुन शुक्ल 9 से चैत्र कृष्ण 12 – संवत् 2069, शकः 1934

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867915	21 मार्च 2013	गुरुवार	30–03	9	19–38	ह्रं	दंधं	द	ऊ	अ	य	ट	गं	औ	विजया	"	
1867916	22	शुक्रवार	30–07	10	24–04	अट	नंपंफंबं	ध	उ	लृ	अ	ठ	घं	औ	जया	"	
1867917	23	शनिवार	30–11	11	26–51	ठं	भंमं	न	ई	क	ए	ड	ङ	अं	भगवती	"	
1867918	24	रविवार	30–15	12	27–49	ढं	यंरं	प	ई	च	च	ढ	चं	अः	देवी	"	
1867919	25	सोमवार	30–20	13	27–03	ढं	लंवं	फ	आं	ट	त	ण	छ	क	शिवा	"	
1867920	26	मंगलवार	30–24	14	24–43	णं	शंषं	ब	अं	त	य	त	ज	ख	शाम्भवी	"	पूजा
1867921	27	बुधवार	30–28	15	21–06	तंथं	संहंळंक्षं	भ	अं	प	अ	थ	झ	ऋ	काली	त्रिनयना	
1867922	28	गुरुवार	30–32	1	16–28	दं	अंकं	म	आं	य	ए	द	ञ	ॠ	कला	"	
1867923	29	शुक्रवार	30–36	2	11–08	धं	खंगं	य	इ	श	च	ध	ट	लृ	मालिनी	"	
1867924	30	शनिवार	30–40	3–4	08–22 59–20	नंपं	घंङंचंछं	र	ई	अ	त	न	ठ	लॄ	मातंगी	"	
1867925	31	रविवार	30–44	5	53–21	फंबं	जंझंञंटं	ल	उ	लृ	य	प	ड	ए	विजया	"	
1867926	1अप्रैल 2013	सोमवार	30–48	6	47–32	भं	ठंडं	व	ऊ	क	अ	फ	ढ	ऐ	जया	"	
1867927	2	मंगलवार	30–52	7	42–00	मं	ढंणं	श	ऋ	च	ए	ब	ण	ओ	भगवती	"	
1867928	3	बुधवार	30–56	8	36–53	यं	तंथं	ष	ॠ	ट	च	भ	त	औ	देवी	"	पूजा
1867929	4	गुरुवार	31–00	9	32–16	रं	दंधं	स	लृ	त	त	म	थ	अं	शिवा	"	
1867930	5	शुक्रवार	31–04	10	28–18	लंवं	नंपंफंबं	ह	लॄ	प	य	य	द	अः	शाम्भवी	"	
1867931	6	शनिवार	31–08	11	25–05	शं	भंमं	ळ	ए	य	अ	र	ध	क	काली	वाग्वादिनी	
1867932	7	रविवार	31–12	12	22–46	षं	यंरं	क्ष	ऐ	श	ए	ल	न	ख	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हसखफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हौः महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, कुमारिका ऋतौ, अः महात्रिपुरसुन्दरी मासे (तदनुसार दिनांक 8 अप्रैल 2013 से 25 अप्रैल पर्यन्त)

चैत्र कृष्ण 13 से चैत्र शुक्ल 15 —संवत् 2069–2070, शकः 1934–1935

[illegible]	दिनांक	वार	[illegible]	तिथि	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	योग	करण	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867933	8 अप्रैल 2013	सोमवार	31–16	13	21–27	सं	लंवं	अं	औ	अ	च	लृं	अं	ऋ	मालिनी	"	
1867934	9	मंगलवार	31–20	14	21–16	हं	शंषं	कं	औ	लृ	त	लृ	आं	ॠ	मातंगी	"	पूजा
1867935	10	बुधवार	31–24	30	22–15	क्षं	संहंक्षं	खं	अं	क	य	ऐं	ई	लृं	विजया	"	मोहिनी योग
1867936	11	गुरुवार	31–30	1	23–05	अं	अंकं	गं	अं	च	अ	ऐं	ई	लृ	जया	"	नवरात्र आरंभ–पूजा
1867937	12	शुक्रवार	31–34	2	26–16	कं	खंगं	घं	औ	ट	ए	औ	उं	एं	भगवती	"	पूजा
1867938	13	शनिवार	31–38	3	30–58	खं	घंङं	ङं	औं	त	च	औं	ऊं	ऐं	देवी	"	मेषे अर्क, पूजा
1867939	14	रविवार	31–42	4	36–23	गं	चंछं	चं	ऐं	प	त	अं	ऋं	औ	शिवा	"	पूजा
1867940	15	सोमवार	31–46	5	42–42	घंङं	जंझंञट	छं	एं	य	य	अः	ॠ	औं	शाम्भवी	"	पूजा
1867941	16	मंगलवार	31–50	6	48–55	चं	टंडं	जं	लृ	श	अ	कं	लृं	अं	काली	भैरवी	पूजा
1867942	17	बुधवार	31–53	7	55–07	छं	ढंणं	झं	लृं	अ	ए	खं	लृ	अः	कला	"	पूजा
1867943	18	गुरुवार	31–57	8	60–00	जं	तंथं	ञं	ॠ	लृ	च	गं	एं	कं	मालिनी	"	पूजा
1867944	19	शुक्रवार	32–01	8	00–12	जं	तंथं	टं	ऋं	क	त	घं	ऐं	खं	मातंगी	"	पूजा
1867945	20	शनिवार	32–05	9	04–10	झं	दंधं	ठं	ऊं	च	य	ङं	औं	ऋं	विजया	"	श्रीतारा जयंती,पूजा
1867946	21	रविवार	32–09	10	06–25	ञट	नंपफंबं	डं	उं	ट	अ	चं	औ	ॠ	जया	"	
1867947	22	सोमवार	32–12	11	06–34	ठं	भंमं	ढं	ई	त	ए	छं	अं	लृं	भगवती	"	
1867948	23	मंगलवार	32–16	12	04–43	डं	यंरं	णं	इ	प	च	जं	अः	लृ	देवी	"	
1867949	24	बुधवार	32–20	13–14	00–52 54–38	ढंणं	लंवंशंषं	तं	आं	य	त	झं	कं	एं	शिवा	"	श्रीकरी योग
1867950	25	गुरुवार	32–23	15	48–25	तंथं	संहंळंक्षं	थं	अं	श	य	ञं	खं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, सहखफ्रें महापरिवृत्ती, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोनविंशति परिवृत्ती, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, कुमारिका ऋती, अः महात्रिपुरसुन्दरी मासे (तदनुसार दिनांक 26 अप्रैल 2013 से 13 मई 2013 पर्यन्त)

वैशाख कृष्ण 1 से वैशाख शुक्ल 3— संवत् 2070 शक 1935

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	पूजा
1867951	26 अप्रैल 2013	शुक्रवार	32–27	1	40–43	द	अंकं	द	अं	अ	अ	ट	गं	औं	काली	ह्रींकारी	
1867952	27	शनिवार	32–31	2	32–42	ध	खंगं	ध	आं	लृ	ए	ठ	घं	औं	कला	"	
1867953	28	रविवार	32–35	3	24–29	नं	घंङ	नं	इं	क	च	डं	ङं	अं	मालिनी	"	
1867954	29	सोमवार	32–38	4	16–47	पं	चंछ	पं	ईं	च	त	ढं	चं	अः	मातंगी	"	
1867955	30	मंगलवार	32–41	5	09–47	फंबं	जंझंञंटं	फं	उं	ट	य	णं	छं	कं	विजया	"	
1867956	1मई 2013	बुधवार	32–45	6–7	03–40 54–59	भंमं	ठंडंढंणं	बं	ऊं	त	अ	तं	जं	खं	जया	"	
1867957	2	गुरुवार	32–48	8	54–32	यं	तंथं	भं	ऋं	प	ए	थं	झं	ऋं	भगवती	"	पूजा
1867958	3	शुक्रवार	32–52	9	51–36	रं	दंधं	मं	ॠं	य	च	दं	ञं	ॠं	देवी	"	
1867959	4	शनिवार	32–55	10	49–52	लंवं	नंपंफंबं	यं	ऌं	श	त	धं	टं	ऌं	शिवा	"	
1867960	5	रविवार	32–58	11	49–16	शं	भंमं	रं	ॡं	अ	य	नं	ठं	ॡं	शाम्भवी	"	
1867961	6	सोमवार	33–02	12	49–55	षं	यंरं	लं	एं	लृ	अ	पं	डं	एं	काली	त्रिपुरा	
1867962	7	मंगलवार	33–05	13	51–27	सं	लंवं	वं	ऐं	क	ए	फं	ढं	ऐं	कला	"	
1867963	8	बुधवार	33–08	14	54–10	हं	शंषं	शं	ओं	च	च	बं	णं	ओं	मालिनी	"	
1867964	9	गुरुवार	33–11	30	57–58	ळंक्षं	संहंळंक्षं	षं	औं	ट	त	भं	तं	औं	मातंगी	"	पूजा
1867965	10	शुक्रवार	33–14	1	60–00	अं	अंकं	सं	अं	त	य	मं	थं	अं	विजया	"	
1867966	11	शनिवार	33–17	1	02–51	अं	अंकं	हं	अं	प	अ	यं	दं	अः	जया	"	
1867967	12	रविवार	33–20	2	08–14	कं	खंगं	ळं	औं	य	ए	रं	धं	कं	भगवती	"	
1867968	13	सोमवार	33–23	3	14–28	ख	घंङ	क्षं	औं	श	च	लं	नं	खं	देवी	"	श्रीपरशुराम जयंती, श्रीमातंगी जयंती

प्रपञ्चसार में भी लिखा है –

कालात्मकस्य देवस्य राशेर्व्यक्तिमजानता।
कृतं समस्त व्यर्थ अनेन ज्ञान मानिना।।

अर्थात् कालरूपी देवता की राशि आदि जाने बिना जो कर्म किया जाता है वह निष्फल होता है।

इस प्रकार किस किस काल विभाग में किस दिग्विभांग में किस देवता का निवास है इसका ज्ञान होना आवश्यक है और इसी कारण से ही तांत्रिक पञ्चांग का विशेष महत्त्व है।

संकल्प लक्षण

विद्यमान देश कालोल्लेखन पूर्वक फलोल्लेखन सहित कर्मानुष्ठान विषयणी प्रतिज्ञा संकल्पः।

भावार्थ – देश काल का उच्चारण कर जिस उद्देश्य के निमित्त कर्म करना हो उसकी प्रतिज्ञा को संकल्प कहते हैं। इसी संकल्प को जानने के लिए तांत्रिक साधना में तांत्रिक पञ्चांग की अत्यन्त आवश्यकता है। इसकी सहायता से तांत्रिक संकल्प का प्रयोग सहज ही किया जा सकता है। ज्योतिष के साधारण पञ्चांगों में केवल तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण और ग्रहों की स्थिति का ही ज्ञान होता है, किन्तु तांत्रिक पञ्चांग से प्रत्येक काल में निवास करनेवाले देवता का परिचय मिलता है और जिस प्रकार ग्रहों का प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है उसी प्रकार देवताओं का प्रभाव साधना करनेवाले व्यक्तियों पर पड़ता है।

यही कारण है कि शाक्तमत अनुयायी साधक इस पंचांग द्वारा अपनी साधना एवं भजन सम्बन्धी संकल्पों में इसका सदैव प्रयोग करने लग गये हैं जिससे इस तांत्रिक पञ्चांग की लोक-प्रियता बढ़ती चली जा रही है। अतः उनकी सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए गत कई वर्षों से श्री महाविद्या के श्री क्रम के अतिरिक्त श्रीकाली के क्रम के अनुसार भी पूजा एवं सन्ध्या पारायण के संकल्प भी प्रकाशित करना आरम्भ कर दिया है। महाविद्या श्रीकाली की नित्याओं के मन्त्र एवं ध्यान भी अलग दे दिये गये हैं।

पंचांग के प्रकार

१) चतुरङ्ग, २) पंचाङ्ग, ३) अष्टाङ्ग, ४) द्वादशाङ्ग और ५) षोडशाङ्ग नाम से तांत्रिक पंचाङ्ग पांच प्रकार का माना गया है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है –

(१) **चतुरङ्ग** – तार-त्रय (ऐं ह्रीं श्रीं) १. मूल विद्या २. वर्ष, ३.मास, ४. दिनोदय के वर्णों को जोड़कर पढ़ना होता है।

(२) **पंचाङ्ग** – १. मूल, २. दिन, ३. वार, ४. पक्ष और ५.मास के छत्तीस वर्णों को जोड़कर पढ़ना होता है।

(३) **अष्टाङ्ग** – १ वार, २. घटिका, ३. दिन, ४. नित्या, ५.वर्ष, ६. मास, ७. यम, ८. परिवृत्ति, इनके वर्णों के साथ अष्टांग होता है।

विद्या महाविद्या और शुक्रादि वारों को यद्यपि गणना में स्थान नहीं है तथापि मन्त्र-पारायण में इनकी गणना होती है। इसलिये पंचाङ्ग में इन्हें भी स्थान दिया गया है।

(४) **द्वादशाङ्ग** – १. वार, २. घटी, ३. युग, ४. मास, ५. पक्ष के वर्ण, ६. तिथि के वर्ण, ७. नित्या, ८. परिवृत्ति, ९. महायुग, १०.पूर्ण, ११. शवल, १२. महापरिवृत्ति इन द्वादश योगों से द्वादशांग की योजना होती है।

(५) **षोडशाङ्ग का क्रम** – १. पूर्ण, २. सत्य, ३. शवलं, ४.खर्व, ५. राम, ६. महापरिवृत्ति, ७. परिवृत्ति, ८. महायुग, ९. युग, १०. वर्ष, ११. मास, १२. लघुमास, १३. पक्ष, १४ दिन, १५. तिथिनित्या और १६. वार, घटी, नक्षत्र, योग, करण – इन षोडश अङ्गों से षोडशांग पंचाङ्ग की योजना होती है।

सोलहवें अङ्ग में पांच चीजें हैं – १. वार, २. घटी, ३. नक्षत्र, ४. योग और ५. करण। नाथ नौ तथा घटी पांच हैं जिन्हें क्रमशः अ, लृ, क, च, ट, त, प, य, श (वार) और अ, ए, च, त, य (घटी) कहते हैं। इन्हें पंचांग में यथाक्रम लिख दिया गया है।

दिन का क्रम – शुक्र, शनि, रवि, चन्द्र भूमि-सुत, बुध और गुरु हैं। नक्षत्र के ३६ अक्षर हैं। योग संख्या भी नक्षत्र के ही समान हैं।

नक्षत्र का वर्ण-क्रम – लृकार से आरम्भ होकर लकार पर्यन्त होता है।

योग का वर्ण-क्रम – अकार से आरम्भ होकर नकार पर्यन्त होता है। करण ऋकार से आरंभ होकर ख पर्यन्त बारह लिये गये हैं। जिनकी एक मास में तीन आवृत्तियाँ होती हैं। वर्षारम्भ के क्रम से दो दो मास की षट् ऋतुएँ वसन्तादि के हिसाब से होती हैं, जिन्हें श्रीकरी, मोहिनी, विमला हरिणी, भ्रामरी, गौरी, लक्ष्मी कहते हैं। कामेश्वरी से आरम्भ करके चित्रा-पर्यन्त दक्षिणायन और चित्रा से कामेश्वरी पर्यन्त उत्तरायण कहा जाता है।

षोडशांग में कुछ बातें संकेत रूप में कहीं गई हैं। जैसे पूर्ण अकार, सत्यं खकार, शबलं हकार, खर्व ह स्‌ ख फ्रें राम क्लीं महापरिवृत्ति स्‌ ह्‌ ख फ्रें, महायुगे (०) युग खकार, लघु मास।

लघुमास की तिथि के अक्षरों का क्रम अकार से क्षकार पर्यन्त है। दोनों पक्षों की पंचमी, दशमी, पूर्णमासी तथा अमावस्या के दिन दो दो अक्षर हैं जिन्हें पंचाङ्ग में लिख दिया गया है।

पक्ष के अनुसार तिथि के अक्षरों का क्रम भी "अ" से आरम्भ होकर 'क्ष' पर्यन्त हैं। पंचमी, दशमी तथा पूर्णमासी के दिन चार-चार अक्षर हैं, शेष में दो-दो अक्षर हैं जिन्हें पंचांग में लिख दिया गया है।

विशेष –

पंचाङ्ग के निम्नलिखित नियम और है।

(१) अहर्गण की संख्या में ३६ का भाग देने से जो शेष बचे, क्रम से वही नक्षत्र होता है।

(२) अहर्गण की संख्या में ३६ का भाग देने से जो शेष बचे, क्रम से वही योग आता है।

प्रस्तुत पञ्चांग में लघुमास, पक्ष के अनुसार तिथि के अक्षर, दिनतत्व, तिथिनित्या, नक्षत्र, योग और करण के सभी अक्षर अनुस्वार-सहित हैं।

(३) अहर्गण की संख्या में १२ का भाग देने से करण आते हैं।

(४) तिथि के वर्ण शुक्ल-पक्ष की प्रतिपदा से आरम्भ होते हैं। ये वर्ण कुल ३६ हैं।

(५) लघुमास तथा पक्ष का आरम्भ शुक्ल-पक्ष प्रतिपदा से होता है।

(६) बड़ी लृं के लिए (लॄं) पढ़ें।

पंचाङ्ग देखने का क्रम

अहर्गण, तिथि, तिथि-मान, दिन-मान, लघुमास के अनुसार तिथि के अक्षर, दिन-तत्व, तिथि-नित्या, नाथ, उदय घटी, नक्षत्र, योग, करण, विद्या, महाविद्या, वार, तारीख, संक्रान्ति के अंश एवं पर्व दिन।

श्री श्री महा विद्याक्रम के अनुसार तांत्रिक सन्ध्या, पारायण, जप एवं पूजा का संकल्प

नये वर्ष में प्रथम दिन कार्तिक कृष्ण पक्ष ४ संवत् २०६८ शकः १९३३ तदनुसार तारीख १६ अक्टूबर सन् २०११ दिन रविवार का संकल्प निम्नानुसार होगा।

सन्ध्या का संकल्प

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्ख्फ्रें खर्वे क्लीं रामे स्हख्फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्त्वं तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं ञं पक्षे अं दिनतत्त्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुरसुन्दरी प्रीत्यर्थे (प्रातः, मध्याह्न, सायं अथवा तुरीय) सन्ध्या करिष्ये।

पारायण का संकल्प

आदि गुरौः परशिवस्याज्ञया प्रवर्तमानेन देवीमानेन षट्त्रिंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि-संहार तिरोधानानुग्रह कारिण्याः श्रीपराशक्त्या ऊर्ध्वम् विम्रमे ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्ख्फ्रें खर्वे क्लीं रामे स ह् ख फ्रें महापरिवृत्तौ शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्त्वं तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं ञं पक्षे अं दिन तत्त्वे औं तिथि नित्यायाम् अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्याया रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललिता महात्रिपुरसुन्दरी प्रीत्यर्थे अमुक पारायणं (जप अथवा पाठ) करिष्ये।

श्री काली क्रम के अनुसार सन्ध्या, पारायण, जप एवं पूजा का संकल्प निम्न प्रकार से होगा।

१. सन्ध्या का संकल्प

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्ख्फ्रें खर्वे क्लीं रामे स्हख्फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्व तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं ञं पक्षे अं दिनतत्त्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुर सुंदरी प्रीत्यर्थे (प्रातः, मध्याह्न, सायं अथवा तुरीय) सन्ध्या करिष्ये।

२. पारायण का संकल्प

आदि गुरौः परिशिवस्याज्ञया प्रवर्तमानेन देवीमानेन षट्त्रिंशत् तत्वात्मक सकल प्रपञ्च सृष्टि-संहार-तिरोधानानुग्रह कारिण्याः श्री पराशक्त्या ऊर्ध्वम् विम्रमे ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे षं सत्ये हं शबले हस्ख्फ्रें खर्वे क्लीं रामे स ह् ख फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं (०) महायुगे खं तृतीय युगे दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ खं सदाशिव तत्त्व तृतीय वर्षे श्रीकरी ऋतौ अं कामेश्वरी मासे बं लघुमासे झं ञं पक्षे अं दिन तत्त्वे औं तिथि नित्यायां अ नाथे च उदय घटिकायां लृं नक्षत्रे अं योगे ऋं करणे मालिनी विद्यायां कुमारी महाविद्यायां रविवासरे शाम्भव गोत्रोत्पन्न अमुकानन्दनाथोऽहं श्री ललितामहात्रिपुर सुंदरी प्रीत्यर्थे अमुक पारायणं (जप अथवा पाठ) करिष्ये।

३. काली क्रम में ९ नाथ

अ, लृ, क, च, ट, त, प, य, एवं श के नवनाथ क्रमशः इस प्रकार है –

१. (अ) प्रह्लादानन्दनाथ, २. (लृ) सकलानन्दनाथ,

३.(क) कुमारानन्दनाथ, ४.(च) वशिष्ठानन्दनाथ, ५.(ट) क्रोधानन्दनाथ, ६.(त) सुरानन्दनाथ, ७.(प) ध्यानानन्दनाथ, ८.(य) बोधानन्दनाथ, ९.(श) शुकानन्दनाथ।

४. काली क्रम के अनुसार १६ नित्याओं

(अं आं इं ईं उं ऊं ऋं ॠं लृं लॄं एं ऐं ओं औ अं अः) के नाम इस प्रकार पढ़े जायेंगे –

१. काली, २. कपालिनी, ३. कुल्ला, ४. कुरुकुल्ला, ५. विरोधिनी, ६. विप्रचित्ता, ७. उग्रा, ८. उग्रप्रभा, ९. दीप्ता, १०. नीला, ११. घना, १२. बलाका, १३. मात्रा, १४. मुद्रा, १५. मिता, १६. असिता। पंचांग में कामेश्वरी, भगमालिनी आदि महीनों के स्थान पर काली क्रम के अनुसार उपर्युक्त महीनों के नाम संकल्प में जोड़ना चाहिये।

५) दोनों क्रमों (श्री एवं काली) में षोडश मासों के नाम चन्द्रकलाओं के नाम से इस प्रकार होंगे – १. अमृता, २. मानदा, ३.पूषा, ४. तुष्टि, ५. पुष्टि, ६. रति, ७. धृति, ८. शशिनी, ९. चन्द्रिका, १०. कान्ति, ११. ज्योत्स्ना, १२. श्री, १३. प्रीति, १४. अंगदा, १५.पूर्णा, १६. पूर्णामृता।

इसके अतिरिक्त इन्हीं षोडश मासों के नाम सदाशिव कलाओं के नाम से इस प्रकार हैं –

१. निवृत्तकला, २. प्रतिष्ठाकला, ३. विद्याकला, ४. शांतिकला, ५. इन्धिकाकला, ६. दीपिकाकला, ७. रेचिकाकला, ८. मोचिकाकला, ९. पराकला, १०. सूक्ष्माकला, ११. सूक्ष्मामृता-कला, १२. ज्ञानाकला, १३. ज्ञानामृताकला, १४. आप्यायिनी-कला, १५. व्यापिनीकला, १६. व्योमरूपाकला।

६) 'तत्त्व' दोनों (श्री एवं काली) क्रमों के एक से ही हैं। ३६ तत्त्व ही ३६ दिन हैं, जो इस प्रकार हैं –

संख्या	संज्ञा	नाम	संख्या	संज्ञा	नाम
१	अ	शिव	१९	द	चक्षु
२	क	शक्ति	२०	ध	जिह्वा
३	ख	सदाशिव	२१	न	घ्राण
४	ग	ईश्वर	२२	प	वाक्
५	घ	शुद्ध विद्या	२३	फ	पाणि
६	ङ	माया	२४	ब	पाद
७	च	कला	२५	भ	पायु
८	छ	विद्या	२६	म	उपस्थ
९	ज	राग	२७	य	शब्द
१०	झ	काल	२८	र	स्पर्श
११	ञ	नियति	२९	ल	रूप
१२	ट	पुरुष	३०	व	रस
१३	ठ	प्रकृति	३१	श	गन्ध
१४	ड	अहङ्कार	३२	ष	आकाश
१५	ढ	बुद्धि	३३	स	वायु
१६	ण	मन	३४	ह	तेज
१७	त	श्रोत्र	३५	ळ	सलिल
१८	थ	त्वग्	३६	क्ष	भूमि

काली की नित्यायें

(मन्त्र एवं ध्यान सहित)

१. काली नित्या

मन्त्र – ॐ ह्रीं कालि कालि महाकाली कौमारि मह्यं देहि स्वाहा।

ध्यान – श्याम वर्णा महा-भीमा घोर-रावा करालिनी।
मुण्ड माला विभूषाढ्या दक्षे खड्गे प्रविभ्रति।
तर्जनी धारयन् वामे नृत्यन्ती प्रेत-भूमिषु॥

२. कपालिनी

मन्त्र – ॐ ह्रीं क्रीं कपालिनी महाकपाल-प्रिय-मानसे कराल सिद्ध मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – ध्यायेदञ्जन–पुञ्जाभामापीन–स्तन–युग्माकाम्।
चन्द्र-वक्र च बिम्बौष्ठो मुक्त-केशी दिगम्बराम्॥
चतुर्मुण्डोपरि–गता शंख कंकण भूषिताम्।
खड्ग त्रिशूल–वरदाभयान् हंस्त–चतुष्टये॥

३. कुल्ला

मन्त्र – ॐ क्रीं कुल्लायै नमः।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां मुकुटा टोप-मण्डिताम्।
शवासन-गतां कुल्लां दश-मुण्डोपरि स्थिताम्॥
वराभयौ करे वामे पुस्त-स्रग् दक्षिणे करे।

४. कुरुकुल्ला

मन्त्र – ॐ क्रीं कुरुकुल्ले क्रीं ह्रीं मम सर्व जन वशमानय क्रीं कुरुकुल्ले ह्रीं स्वाहा।

ध्यान – ततो ध्याये-महाविद्यां कुरुकुल्लां कुलेश्वरीम्।
शवोपरि-समासीनां मुण्डमाला-विभूषिताम्।।
कपाल कर्तृका हस्तां-खड्ग-खेटक धारिणीम्।
अञ्जनादि-निभां दिव्यां मुक्त केशीं चतुर्भुजाम्।।

५. विरोधिनी

मन्त्र – ॐ क्रीं हं
शत्रूलयङ्कर

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां शव-पद्मोपरि-स्थिताम्।
त्रिशिख-नाग-पाशं च घण्टां च डमरुं तथा
संबिभ्रती महादेवीं क्रमाद्-भुज-चतुष्ट्ये।।

६. विप्रचित्ता

मन्त्र – ॐ श्रीं क्लीं चामुण्डे विप्रचित्ते दुष्ट घातिनी शत्रून्नाशय एतद्दिनावधि प्रिय सिद्धि मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजाम् त्रिनयनाम् पीनोन्नत-पयोधराम्।
दिगम्बरां मुक्त-केशीं ललज्जिह्वा भयानकाम्।।
भीम दंष्ट्रां करालस्यां सृक्किणी रक्त-वाहिनीम्।
खड्ग-मुण्ड-कपाल-त्रिशूल-हस्तां महोदरीम्।।

७. उग्रा

मन्त्र – ॐ स्त्रीं हूं ह्रीं हूं फट्।

ध्यान – ततोध्यायेत् परामुग्रां प्रत्यालीढ-पद-स्थिताम्।
चतुर्भुजां त्रिनयनां मुण्डमाला-विभूषिताम्।।
श्याम-वर्णा मुक्त-केशी खड्गेन्दीवर धारिणीम्।
कपाल - कर्तृकाहस्तां वरदान - परायणाम्।।

८. उग्रप्रभा

मन्त्र – ॐ हूं हूं उग्र-प्रभे देवि काली-महादेवी स्वरूप दर्शय हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां - पद्मोपरि - स्थिताम्।
सुप्रसन्न-मुखाम्भोजां शव-मांस-प्रभोजिनीम्।।
शवानां कर संघातैः कृत काञ्ची हसन्मुखीम्।
खड्ग-मुण्ड-धरां वामे दक्षे खर्पर-कर्तृके।।

९. दीप्ता

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं दीप्तायै सर्व मन्त्र फलदायै हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां मुण्ड-मालां-विभूषिताम्।
शव पदो समासीनां पीनोन्नत पयोधराम्।।
शवास्थि कृत-केयूर-शंख कङ्कण भूषिताम्।
खड्ग मुण्ड-धरां वामे सव्येऽभय-वर प्रदाम्।।

१०. नीला

मन्त्र – हूं हूं क्रीं क्रीं ह्रीं ह्रीं हसवलमरी नील पताके हूं फट्।

ध्यान – भयङ्कराकृति-धरां मुण्ड-माला-विभूषिताम्।
रक्त चञ्चल-नेत्राब्जां ललज्जिह्वां च भीषणाम्।।
शवोपरि-समासीनां नर मांसास्थि-भूषिताम्।
ध्यायेन्नीलां ज्ञान-दात्री सर्व सिद्धि प्रदायिनीम्।।

११. घना

मन्त्र – ॐ क्लीं ॐ घनालये हूं फट्।

ध्यान – चतुर्भुजां त्रिनयनां कृष्ण वर्णां च भीषणाम्।
सद्यः कर्तित-वाहूनां विभ्रति क्षुद्र घंटिकाम्।।
हस्तेषु खेटकं खड्ग पाशं मुद्गर तथा।
धारयन्तीं घनां ध्यायेत् रक्ताप्लांविताधराम्।।

१२. बलाका

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं ह्रीं बलाकाकालि अत्युद्भुत पराक्रमे अभीष्ट सिद्धि मे देहि हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – नित्यां बलाकां ध्याये त्रिनेत्रां श्मशान वासिनीम्।
भीमाकृति श्यामवर्णा दधानां हस्त किंकिणीम्।।
विकीर्ण-केशैः राजतीं धारयन्तीं च बाहुषु।
खड्ग मुण्ड दक्षे वामे चषकं मुद्रां तर्जनीम्।।

१३. मात्रा

मन्त्र – ॐ क्रीं ह्रीं ऐं १० महामात्रे सिद्धि मे देहि सत्वरं हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – शव-वक्षसि भ्राजन्ती भीषणाकार धारिणीम्।
त्रिनेत्रैः शोभिताम् दिव्यां चतुर्भिर्बाहुभिस्तथा।।
कपाल कर्तृकां चैव तीक्ष्ण खड्ग शिरस्तथा।
धारयन्तीं भजे मात्रां भक्तभीष्ट-प्रदायिनीय्।।

१४. मुद्रा

मन्त्र – ॐ क्रीं ह्रीं हूं प्रीं फ्रें मुद्राम्बा मुद्रा-सिद्धि मे देहि भो जगन्मुद्रा स्वरूपिणी हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – ध्यायामि मुद्रां नित्यां वै मुण्ड-माला-विभूषिताम्।
रुधिरेणाधरौष्ठं च प्लावयन्तीं भयङ्करीम्।।
चतुर्भुजैः कपालं च छुरिकां खड्ग खेटके।
दधानां जयदां देवीं जनानामभय-प्रदाम्।।

१५. मिता

मन्त्र – ॐ क्रीं हूं ह्रीं ऐं परिमिते पराक्रमाय ॐ क्रीं हूं ह्रीं ऐं सोऽहं हूं फट् स्वाहा।

ध्यान – भीमां विकीर्ण-केशां च ध्यायेन्नित्यां मितांशुभां।
कृष्णा-वर्णा रक्त-वस्त्रां शवासीनां भयानकाम्।।
मुण्डमालां धरां दिव्यां धारयन्ती चतुर्भुजैः।
चन्द्रहासं मस्तकं च वरं चैवाभयं तथा।।

इस प्रकार काली एवं श्री क्रमों के साधकों को सम्प्रदायानुसार पंचांग का उपयोग वांछित फल देता है।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज ने प्रति मास में कम से कम पांच बार अवश्य ही श्री चक्रार्चन करने के लिए निर्देश दिए थे।

आवश्यक सूचना (१)

शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष की दोनों अष्टमी, अमावस्या पूर्णमासी एवं संक्रांति के पर्व में पूजा करने के लिए इस पंचांग में यथास्थान "पूजा" शब्द लिखकर संकेत कर दिया गया है। अतः साधकों से सविनय अनुरोध है कि जो साधक प्रतिदिन तांत्रिक सन्ध्या, पारायण या पर्वों पर यन्त्र पूजन, अर्चन आदि इस तांत्रिक पंचांग की सहायता से करते हों उन्हें चाहिये कि जिस स्थान पर स्वयं हों उस स्थान के प्रचलित पंचांग की सहायता से तिथि का शोधन कर संकल्प में लगाकर बोलने का कष्ट करें।

पूज्यपाद श्री अनन्त श्री स्वामी जी महाराज दतिया की कृपा एवं प्रेरणा से यह पंचांग साधना के उपयोग में लाने के लिये लिखा गया है। इसमें भूल या असावधानीवश कोई त्रुटि रही हो तो इसमें हमारा दोष समझकर पाठकगण कृपापूर्वक क्षमा करेंगे एवं त्रुटि के बारे में हमें लिखेंगे तो भविष्य में उसे भी सुधारने का प्रयत्न किया जायेगा।

– प्रार्थना –

महादेवि महेशानि महाशिवे महाप्रिये।
महानित्ये महासिद्धे त्वामहं शरणं व्रजे।।
तिष्ठ मे हृदये नित्यं त्रिपुरे परमेश्वरि।
जगदम्ब महाराज्ञि महाशक्ति शिवप्रिये।।

श्री गुरुपादारविन्दरज अनुरागी
हरिराम सावला-न्यासी
एवं
डॉ. मोतीलाल खड्डुरशास्त्री (मास्टरजी)

श्री पीताम्बरा पीठाधीश्वर श्री अनन्त श्री पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा विरचित यह तांत्रिक पञ्चांग हमारे देश में अपने ढङ्ग का विलक्षण और एकमात्र पंचांग है, लंदन के सुप्रसिद्ध प्रकाशक राइटर एण्ड कम्पनी द्वारा प्रकाशित "THE TANTRIC TRADITION" के Bibliographical Section के पृष्ठ ३११ पर इस अद्वितीय पञ्चांग के सम्बन्ध में इस प्रकार उल्लेख किया गया है।

"DATIYA Swami Tantrika panchanga five limbs of tantric worship a short treatise well known both in Bengal and the South" CH. SS. 002/63

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, अं कामेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 16 अक्टूबर 2011 से 2 नवम्बर 2011 पर्यन्त)

कार्तिक कृष्ण 4 से कार्तिक शुक्ल 7 ––संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867393	16 अक्टूबर 2011	रविवार	28-24	4	27-00	पं	चंछं	अं	औं	अ	च	लृं	अं	ऋं	मालिनी	कुमारी	कुमारी योग
1867394	17	सोमवार	28-20	5	31-25	फंबं	जंझंत्रटं	कं	औं	लृ	त	लॄं	आं	ॠं	मातंगी	"	
1867395	18	मंगलवार	28-16	6	34-38	भं	ठंडं	खं	अं	क	य	एं	इं	लृं	विजया	"	तुलायां सूर्ये, मोहिनी योग
1867396	19	बुधवार	28-12	7	36-08	मं	ढंणं	गं	अं	च	अ	ऐं	ईं	लॄं	जया	"	विमला योग
1867397	20	गुरूवार	28-08	8	35-38	यं	तंथं	घं	औं	ट	ए	ओं	उं	एं	भगवती	"	पूजा
1867398	21	शुक्रवार	28-04	9	33-15	रं	दंधं	ङ	ओं	त	च	औं	ऊं	ऐं	देवी	"	
1867399	22	शनिवार	28-00	10	28-48	लंवं	नंपंफंबं	चं	ऐं	प	त	अं	ऋं	ओं	शिवा	"	
1867400	23	रविवार	27-56	11	22-32	शं	भंमं	छं	एं	य	य	अः	ॠं	औं	शाम्भवी	"	
1867401	24	सोमवार	27-53	12	14-52	षं	यरं	जं	लॄं	श	अ	कं	लृं	अं	काली	शक्ति	विमला योग
1867402	25	मंगलवार	27-50	13/14	6-7/56-38	संहं	लंवंशंषं	झं	लृं	अ	ए	खं	लॄं	अः	कला	"	धूमावती जयंती
1867403	26	बुधवार	27-47	30	47-05	ळंक्षं	संहंळंक्षं	ञ	ॠं	लृ	च	गं	एं	कं	मालिनी	"	कमला जयंती,पूजा
1867404	27	गुरूवार	27-43	1	37-42	अं	अंकं	टं	ऋं	क	त	घं	ऐं	खं	मातंगी	"	
1867405	28	शुक्रवार	27-40	2	29-00	कं	खंगं	ठं	ऊं	च	य	ङ	ओं	ऋं	विजया	"	
1867406	29	शनिवार	27-37	3	21-28	खं	घंङ	डं	उं	ट	अ	चं	औं	ॠं	जया	"	विमला योग
1867407	30	रविवार	27-34	4	15-28	गं	चंछं	ढं	ईं	त	ए	छं	अं	लृं	भगवती	"	
1867408	31	सोमवार	27-31	5	11-00	घंङ	जंझंत्रटं	णं	इं	प	च	जं	अः	लॄं	देवी	"	
1867409	1 नवंबर	मंगलवार	27-27	6	08-38	चं	ठंडं	तं	आं	य	त	झं	कं	एं	शिवा	"	श्रीकरी योग
1867410	2	बुधवार	27-25	7	08-10	छं	ढंणं	थं	अं	श	य	ञ	खं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हख्फ्रें महापरिवृत्तौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृत्तौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, अं कामेश्वरी मासे (तदनुसार दिनांक 3 नवम्बर 2011 से 20 नवम्बर 2011पर्यन्त)

कार्तिक शुक्ल 8 से मार्गशीर्ष कृष्ण 10 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867411	3 नवम्बर 2011	गुरूवार	27–21	8	9–35	जं	तंथं	दं	अं	अ	अ	टं	गं	ओं	काली	शंकरवल्लभा	विमला योग
1867412	4	शुक्रवार	27–18	9	12–50	झं	दंधं	धं	आं	लृ	ए	ठं	घं	औं	कला	"	
1867413	5	शनिवार	27–15	10	17–8	ञटं	नंपंफंबं	नं	इं	क	च	डं	ङं	अं	मालिनी	"	
1867414	6	रविवार	27–12	11	22–40	ठं	भंमं	पं	ईं	च	त	ढं	चं	अः	मातंगी	"	
1867415	7	सोमवार	27–09	12	28–48	डं	यंरं	फं	उं	ट	य	णं	छं	कं	विजया	"	
1867416	8	मंगलवार	27–06	13	35–8	ढं	लंवं	बं	ऊं	त	अ	तं	जं	खं	जया	"	विमला योग
1867417	9	बुधवार	27–02	14	41–20	णं	शंषं	भं	ऋं	प	ए	थं	झं	ऋं	भगवती	"	
1867418	10	गुरूवार	26–59	15	47–25	तंथं	संहंळंक्षं	मं	ॠं	य	च	दं	ञ	ॠं	देवी	"	पूजा
1867419	11	शुक्रवार	26–56	1	53–8	दं	अंकं	यं	लृं	श	त	धं	टं	लृं	शिवा	"	
1867420	12	शनिवार	26–53	2	58–5	धं	खंगं	रं	ॡं	अ	य	नं	ठं	ॡं	शाम्भवी	"	
1867421	13	रविवार	26–51	3	60–0	नं	घंङं	लं	एं	लृ	अ	पं	डं	एं	काली	त्रिनयना	विमला योग
1867422	14	सोमवार	26–47	3	2–8	नं	घंङं	वं	ऐं	क	ए	फं	ढं	ऐं	कला	"	
1867423	15	मंगलवार	26–44	4	5–2	पं	चंछं	शं	ओं	च	च	बं	णं	ओं	मालिनी	"	
1867424	16	बुधवार	26–40	5	6–45	फंबं	जंझंञटं	षं	औं	ट	त	भं	तं	औं	मातंगी	"	
1867425	17	गुरूवार	26–37	6	6–58	भं	ठंडं	सं	अं	त	य	मं	थं	अं	विजया	"	वृश्चिके सूर्य
1867426	18	शुक्रवार	26–34	7	5–40	मं	ढंणं	हं	अं	प	अ	यं	दं	अः	जया	"	पूजा, विमला योग
1867427	19	शनिवार	26–31	8–9	2–48 58–15	यंरं	तंथंदंधं	ळं	औं	य	ए	रं	धं	कं	भगवती	"	
1867428	20	रविवार	26–28	10	52–20	लंवं	नंपंफंबं	क्षं	ओं	श	च	लं	नं	खं	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, आं भगमालिनी मासे (तदनुसार दिनांक 21 नवम्बर 2011 से 8 दिसम्बर 2011पर्यन्त)

मार्गशीर्ष कृष्ण 11 से मार्गशीर्ष शुक्ल 13 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867429	21 नवम्बर 2011	सोमवार	26–25	11	45–15	शं	भंमं	अं	ऐं	अ	त	लृं	अं	ऋं	शिवा	"	
1867430	22	मंगलवार	26–22	12	37–18	षं	यंरं	कं	एं	लृ	य	लॄं	आं	ॠं	शाम्भवी	"	
1867431	23	बुधवार	26–19	13	28–52	सं	लंवं	खं	लॄं	क	अ	एं	इं	लृं	काली	वाग्वादिनी	मोहिनी योग
1867432	24	गुरूवार	26–18	14	20–10	हं	शंषं	गं	लृं	च	ए	ऐं	ईं	लॄं	कला	"	पूजा
1867433	25	शुक्रवार	26–17	30	11–45	ळंक्षं	संहंळंक्षं	घं	ॠं	ट	च	ओं	उं	एं	मालिनी	"	
1867434	26	शनिवार	26–15	1–2	4–0 57–20	अंकं	अंकंखंगं	ङ	ऋं	त	त	औं	ऊं	ऐं	मातंगी	"	
1867435	27	रविवार	26–14	3	52–02	खं	घंङ	चं	ऊं	प	य	अं	ऋं	ओं	विजया	"	
1867436	28	सोमवार	26–13	4	48–25	गं	चंछं	छं	उं	य	अ	अः	ॠं	औं	जया	"	
1867437	29	मंगलवार	26–12	5	46–38	घंङ	जंझंञटं	जं	ईं	श	ए	कं	लृं	अं	भगवती	"	
1867438	30	बुधवार	26–10	6	46–55	चं	ठंडं	झं	इं	अ	च	खं	लॄं	अः	देवी	"	
1867439	1 दिसंबर 2011	गुरूवार	26–09	7	49–08	छं	ढंणं	ञ	आं	लृ	त	गं	एं	कं	शिवा	"	
1867440	2	शुक्रवार	26–08	8	53–02	जं	तंथं	टं	अं	क	य	घं	ऐं	खं	शाम्भवी	"	पूजा
1867441	3	शनिवार	26–07	9	58–20	झं	दंधं	ठं	अं	च	अ	ङ	ओं	ऋं	काली	भैरवी	
1867442	4	रविवार	26–05	10	60–00	ञटं	नंपंफंबं	डं	आं	ट	ए	चं	औं	ॠं	कला	"	
1867443	5	सोमवार	26–04	10	04–30	ञटं	नंपंफंबं	ढं	इं	त	च	छं	अं	लृं	मालिनी	"	
1867444	6	मंगलवार	26–03	11	11–02	ठं	भंमं	णं	ईं	प	त	जं	अः	लॄं	मातंगी	"	
1867445	7	बुधवार	26–01	12	17–12	डं	यंरं	तं	उं	य	य	झं	कं	एं	विजया	"	
1867446	8	गुरूवार	26–0	13	23–12	ढं	लंवं	थं	ऊं	श	अ	ञ	खं	ऐं	जया	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, श्रीकरी ऋतौ, आं भगमालिनी मासे (तदनुसार दिनांक 9 दिसम्बर 2011 से 26 दिसम्बर 2011 पर्यन्त)

मार्गशीर्ष शुक्ल 14 से पौष शुक्ल 2 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867447	9 दिसम्बर 2011	शुक्रवार	25–59	14	28–20	णं	शंषं	दं	ऋं	अ	ए	टं	गं	ओं	भगवती	"	
1867448	10	शनिवार	25–58	15	32–20	तंथं	संहंळंक्षं	धं	ॠं	लृं	च	ठं	घं	औं	देवी	"	त्रिपुरभैरवी जयंती,पूजा
1867449	11	रविवार	25–56	1	35–30	दं	अंकं	नं	लृं	क	त	डं	ङ	अं	शिवा	"	
1867450	12	सोमवार	25–55	2	37–15	धं	खंगं	पं	ॡं	च	य	ढं	चं	अः	शाम्भवी	"	
1867451	13	मंगलवार	25–54	3	37–58	नं	घंङ	फं	एं	ट	अ	णं	छं	कं	काली	ह्रींकारी	
1867452	14	बुधवार	25–53	4	37–30	पं	चंछं	बं	ऐं	त	ए	तं	जं	खं	कला	"	
1867453	15	गुरूवार	25–51	5	36–02	फंबं	जंझंञटं	भं	ओं	प	च	थं	झं	ऋं	मालिनी	"	
1867454	16	शुक्रवार	25–49	6	33–30	भं	ठंडं	मं	औं	य	त	दं	ञ	ॠं	मातंगी	"	धनुषे अर्क
1867455	17	शनिवार	25–47	7	29–52	मं	ढंणं	यं	अं	श	य	धं	टं	लृं	विजया	"	पूजा, श्रीकरी योग
1867456	18	रविवार	25–46	8	25–18	यं	तंथं	रं	अं	अ	अ	नं	ठं	ॡं	जया	"	
1867457	19	सोमवार	25–44	9	19–58	रं	दंधं	लं	औं	लृ	ए	पं	डं	एं	भगवती	"	
1867458	20	मंगलवार	25–42	10	13–48	लंवं	नंपंफंबं	वं	ओं	क	च	फं	ढं	ऐं	देवी	"	
1867459	21	बुधवार	25–41	11	07–15	शं	भंमं	शं	ऐं	च	त	बं	णं	ओं	शिवा	"	
1867460	22	गुरूवार	25–41	12–13	0–25 53–30	षंसं	यंरंलंवं	षं	एं	ट	य	भं	तं	औं	शाम्भवी	"	
1867461	23	शुक्रवार	25–41	14	46–50	हं	शंषं	सं	ॡं	त	अ	मं	थं	अं	काली	त्रिपुरा	
1867462	24	शनिवार	25–42	30	40–52	ळंक्षं	संहंळंक्षं	हं	लृं	प	ए	यं	दं	अः	कला	"	पूजा
1867463	25	रविवार	25–44	1	35–40	अं	अंकं	ळं	ॠं	य	च	रं	धं	कं	मालिनी	"	
1867464	26	सोमवार	25–46	2	31–50	कं	खंगं	क्षं	ऋं	श	त	लं	नं	खं	मातंगी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, इं नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 27 दिसम्बर 2011 से 13 जनवरी 2012 पर्यन्त)

पौष शुक्ल 3 से माघ कृष्ण 4 — संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867465	27 दिसम्बर 2011	मंगलवार	25–47	3	29–30	खं	घंङ	अं	ऊं	अ	य	लृं	अं	ऋं	विजया	"	
1867466	28	बुधवार	25–49	4	29–02	गं	चंछं	कं	उं	लृ	अ	लॄं	आं	ॠं	जया	"	
1867467	29	गुरूवार	25–50	5	30–20	घंङ	जंझंञटं	खं	ईं	क	ए	एं	इं	लृं	भगवती	"	मोहिनी योग
1867468	30	शुक्रवार	25–52	6	33–30	चं	ठंडं	गं	इं	च	च	ऐं	ईं	लॄं	देवी	"	
1867469	31	शनिवार	25–54	7	38–15	छं	ढंणं	घं	आं	ट	त	ओं	उं	एं	शिवा	"	
1867470	1 जनवरी 2012	रविवार	25–55	8	44–12	जं	तंथं	ङ	अं	त	य	औं	ऊं	ऐं	शाम्भवी	"	पूजा
1867471	2	सोमवार	25–56	9	50–42	झं	दंधं	चं	अं	प	अ	अं	ऋं	ओं	काली	परापरमयी	
1867472	3	मंगलवार	25–58	10	57–15	ञटं	नंपंफंबं	छं	आं	य	ए	अः	ॠं	औं	कला	"	
1867473	4	बुधवार	25–59	11	60–00	ठं	भंमं	जं	इं	श	च	कं	लृं	अं	मालिनी	"	
1867474	5	गुरूवार	26–0	11	03–12	ठं	भंमं	झं	ईं	अ	त	खं	लॄं	अः	मातंगी	"	
1867475	6	शुक्रवार	26–01	12	08–05	डं	यंरं	ञ	उं	लृ	य	गं	एं	कं	विजया	"	
1867476	7	शनिवार	26–03	13	11–38	ढं	लंवं	टं	ऊं	क	अ	घं	ऐं	खं	जया	"	
1867477	8	रविवार	26–04	14	13–35	णं	शंषं	ठं	ऋं	च	ए	ङ	ओं	ऋं	भगवती	"	पूजा
1867478	9	सोमवार	26–05	15	14–12	तंथं	संहंळंक्षं	डं	ॠं	ट	च	चं	औं	ॠं	देवी	"	
1867479	10	मंगलवार	26–06	1	13–20	दं	अंकं	ढं	लृं	त	त	छं	अं	लृं	शिवा	"	
1867480	11	बुधवार	26–07	2	11–20	धं	खंगं	णं	लॄं	प	य	जं	अः	लॄं	शाम्भवी	"	
1867481	12	गुरूवार	26–09	3	08–18	नं	घंङ	तं	एं	य	अ	झं	कं	एं	काली	माता	
1867482	13	शुक्रवार	26–10	4	04–35	पं	चंछं	थं	ऐं	श	ए	ञ	खं	ऐं	कला	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्खफ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्हक्ष्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ,
खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, इं नित्यक्लिन्ना मासे (तदनुसार दिनांक 14 जनवरी 2012 से 31 जनवरी 2012 पर्यन्त)

माघ कृष्ण 5 से माघ शुक्ल 8 – संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867483	14 जनवरी 2012	शनिवार	26–12	5–6	0–20 55–35	फंबंभं	जंझंञटंठंडं	दं	ओं	अ	च	टं	गं	ओं	मालिनी	"	मकरे अर्क
1867484	15	रविवार	26–13	7	50–45	मं	ढंणं	धं	औं	लृ	त	ठं	घं	औं	मातंगी	"	
1867485	16	सोमवार	26–14	8	45–42	यं	तंथं	नं	अं	क	य	डं	ङ	अं	विजया	"	पूजा
1867486	17	मंगलवार	26–15	9	40–35	रं	दंधं	पं	अं	च	अ	ढं	चं	अः	जया	"	
1867487	18	बुधवार	26–17	10	35–28	लवं	नंपंफंबं	फं	औं	ट	ए	णं	छं	कं	भगवती	"	
1867488	19	गुरूवार	26–18	11	30–28	शं	भंमं	बं	ओं	त	च	तं	जं	खं	देवी	"	
1867489	20	शुकवार	26–19	12	25–40	षं	यंरं	भं	ऐं	प	त	थं	झं	ऋं	शिवा	"	
1867490	21	शनिवार	26–22	13	21–18	सं	लंवं	मं	एं	य	य	दं	ञ	ॠ	शाम्भवी	"	
1867491	22	रविवार	26–26	14	17–35	हं	शंषं	यं	लृं	श	अ	धं	टं	लृं	काली	कुमारी	पूजा
1867492	23	सोमवार	26–30	30	14–32	ळक्षं	संहंळक्षं	रं	लृं	अ	ए	नं	ठं	लृं	कला	"	
1867493	24	मंगलवार	26–34	1	12–45	अं	अंकं	लं	ॠ	लृ	च	पं	डं	एं	मालिनी	"	
1867494	25	बुधवार	26–37	2	12–25	कं	खंगं	वं	ऋं	क	त	फं	ढं	ऐं	मातंगी	"	
1867495	26	गुरूवार	26–40	3	13–32	खं	घंङ	शं	ऊं	च	य	बं	णं	ओं	विजया	"	
1867496	27	शुकवार	26–44	4	16–18	गं	चंछं	षं	उं	ट	अ	भं	तं	औं	जया	"	
1867497	28	शनिवार	26–47	5	20–35	घंङ	जंझंञटं	सं	ईं	त	ए	मं	थं	अं	भगवती	"	वसंत पंचमी
1867498	29	रविवार	26–50	6	26–08	चं	ठंडं	हं	इं	प	च	यं	दं	अः	देवी	"	
1867499	30	सोमवार	26–52	7	32–38	छं	ढंणं	ळं	आं	य	त	रं	धं	कं	शिवा	"	
1867500	31	मंगलवार	26–56	8	39–18	जं	तंथं	क्षं	अं	श	य	लं	नं	खं	शाम्भवी	"	पूजा

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 1फरवरी 2012 से 18 फरवरी 2012 पर्यन्त)

माघ शुक्ल 9 से फाल्गुन कृष्ण 12 – संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867501	1 फरवरी 2012	बुधवार	26–59	9	45–35	झं	दंधं	अं	अं	अ	अ	ऌं	अं	ऋं	काली	शक्ति	श्रीकरी योग
1867502	2	गुरूवार	27–02	10	50–40	ञटं	नंपंफंबं	कं	आं	ऌ	ए	ॡं	आं	ॠं	कला	"	
1867503	3	शुकवार	27–06	11	54–15	ठं	भंमं	खं	इं	क	च	एं	इं	ऌं	मालिनी	"	मोहिनी योग
1867504	4	शनिवार	27–09	12	56–05	डं	यंरं	गं	ईं	च	त	ऐं	ईं	ॡं	मातंगी	"	
1867505	5	रविवार	27–12	13	55–50	ढं	लंवं	घं	उं	ट	य	ओं	उं	एं	विजया	"	
1867506	6	सोमवार	27–15	14	53–52	णं	शंषं	ङ	ऊं	त	अ	औं	ऊं	ऐं	जया	"	
1867507	7	मंगलवार	27–18	15	50–28	तंथं	संहंळंक्षं	चं	ऋं	प	ए	अं	ऋं	ओं	भगवती	"	श्रीललिता जयंती,पूजा
1867508	8	बुधवार	27–21	1	45–45	दं	अंकं	छं	ॠं	य	च	अः	ॠं	औं	देवी	"	
1867509	9	गुरूवार	27–25	2	40–20	धं	खंगं	जं	ऌं	श	त	कं	ऌं	अं	शिवा	"	
1867510	10	शुकवार	27–28	3	34–20	नं	घंङ	झं	ॡं	अ	य	खं	ॡं	अः	शाम्भवी	"	
1867511	11	शनिवार	27–31	4	28–10	पं	चंछं	ञ	एं	ऌ	अ	गं	एं	कं	काली	शंकरवल्लभा	
1867512	12	रविवार	27–34	5	22–05	फंबं	जंझंञटं	टं	ऐं	क	ए	घं	ऐं	खं	कला	"	
1867513	13	सोमवार	27–37	6	16–20	भं	ठंडं	ठं	ओं	च	च	ङ	ओं	ऋं	मालिनी	"	कुम्भे अर्क
1867514	14	मंगलवार	27–40	7	11–05	मं	ढंणं	डं	औं	ट	त	चं	औं	ॠं	मातंगी	"	पूजा
1867515	15	बुधवार	27–43	8	06–22	यं	तंथं	ढं	अं	त	य	छं	अं	ऌं	विजया	"	
1867516	16	गुरूवार	27–47	9–10	2–18 58–52	रंलंवं	दंधंनंपंफंबं	णं	अं	प	अ	जं	अः	ॡं	जया	"	
1867517	17	शुकवार	27–50	11	56–00	शं	भंमं	तं	औं	य	ए	झं	कं	एं	भगवती	"	
1867518	18	शनिवार	27–53	12	53–55	षं	यंरं	थं	ओं	श	च	ञ	खं	ऐं	देवी	"	

ॐ ऐं ह्रीं श्रीं अं पूर्णे, षं सत्ये, हं शबले, हस्ख्फ्रें खर्वे, क्लीं रामे, स्ह्ख्फ्रें महापरिवृतौ, शून्यं महायुगे, खं तृतीय युगे, दं एकोन्विंशति परिवृतौ, खं सदाशिव तृतीय वर्षे, मोहिनी ऋतौ, ईं भेरुण्डा मासे (तदनुसार दिनांक 1फरवरी 2012 से 18 फरवरी 2012 पर्यन्त)

माघ शुक्ल 9 से फाल्गुन कृष्ण 12 – संवत् 2068, शकः 1933

अहर्गण	दिनांक	वार	दिनमान	तिथि	तिथिमान	लघुमासाक्षर	पक्षाक्षर	दिनतत्त्व	तिथिनित्या	नाथ	घटिका	नक्षत्र	योग	करण	विद्या	महाविद्या	पूजा
1867501	1 फरवरी 2012	बुधवार	26–59	9	45–35	झं	दंधं	अं	अं	अ	अ	लृं	अं	ऋं	काली	शक्ति	श्रीकरी योग
1867502	2	गुरूवार	27–02	10	50–40	ञटं	नंपंफंबं	कं	आं	लृ	ए	लं॒	आं	ॠं	कला	"	
1867503	3	शुकवार	27–06	11	54–15	ठं	भंमं	खं	इं	क	च	एं	इं	लृं	मालिनी	"	मोहिनी योग
1867504	4	शनिवार	27–09	12	56–05	डं	यंरं	गं	ईं	च	त	ऐं	ईं	लं॒	मातंगी	"	
1867505	5	रविवार	27–12	13	55–50	ढं	लंवं	घं	उं	ट	य	ओं	उं	एं	विजया	"	
1867506	6	सोमवार	27–15	14	53–52	णं	शंषं	ङ	ऊं	त	अ	औं	ऊं	ऐं	जया	"	
1867507	7	मंगलवार	27–18	15	50–28	तंथं	सहंळंक्षं	चं	ऋं	प	ए	अं	ऋं	ओं	भगवती	"	श्रीललिता जयंती,पूजा
1867508	8	बुधवार	27–21	1	45–45	दं	अंकं	छं	ॠं	य	च	अः	ॠं	औं	देवी	"	
1867509	9	गुरूवार	27–25	2	40–20	धं	खंगं	जं	लृं	श	त	कं	लृं	अं	शिवा	"	
1867510	10	शुकवार	27–28	3	34–20	नं	घंङ	झं	लं॒	अ	य	खं	लं॒	अः	शाम्भवी	"	
1867511	11	शनिवार	27–31	4	28–10	पं	चंछं	ञ	एं	लृ	अ	गं	एं	कं	काली	शंकरवल्लभा	
1867512	12	रविवार	27–34	5	22–05	फंबं	जंझंञटं	टं	ऐं	क	ए	घं	ऐं	खं	कला	"	
1867513	13	सोमवार	27–37	6	16–20	भं	ठंडं	ठं	ओं	च	च	ङ	ओं	ऋं	मालिनी	"	कुम्भे अर्क
1867514	14	मंगलवार	27–40	7	11–05	मं	ढंणं	डं	औं	ट	त	चं	औं	ॠं	मातंगी	"	पूजा
1867515	15	बुधवार	27–43	8	06–22	यं	तंथं	ढं	अं	त	य	छं	अं	लृं	विजया	"	
1867516	16	गुरूवार	27–47	9–10	2–18 58–52	रंलंवं	दंधंनंपंफंबं	णं	अं	प	अ	जं	अः	लं॒	जया	"	
1867517	17	शुकवार	27–50	11	56–00	शं	भंमं	तं	औं	य	ए	झं	कं	एं	भगवती	"	
1867518	18	शनिवार	27–53	12	53–55	षं	यंरं	थं	ओं	श	च	ञ	खं	ऐं	देवी	"	